फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 21 मार्च 2024
वर्ष 5, अंक 124, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार
www.amritvichar.com

सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध 12
सूर्यकुमार आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर 11

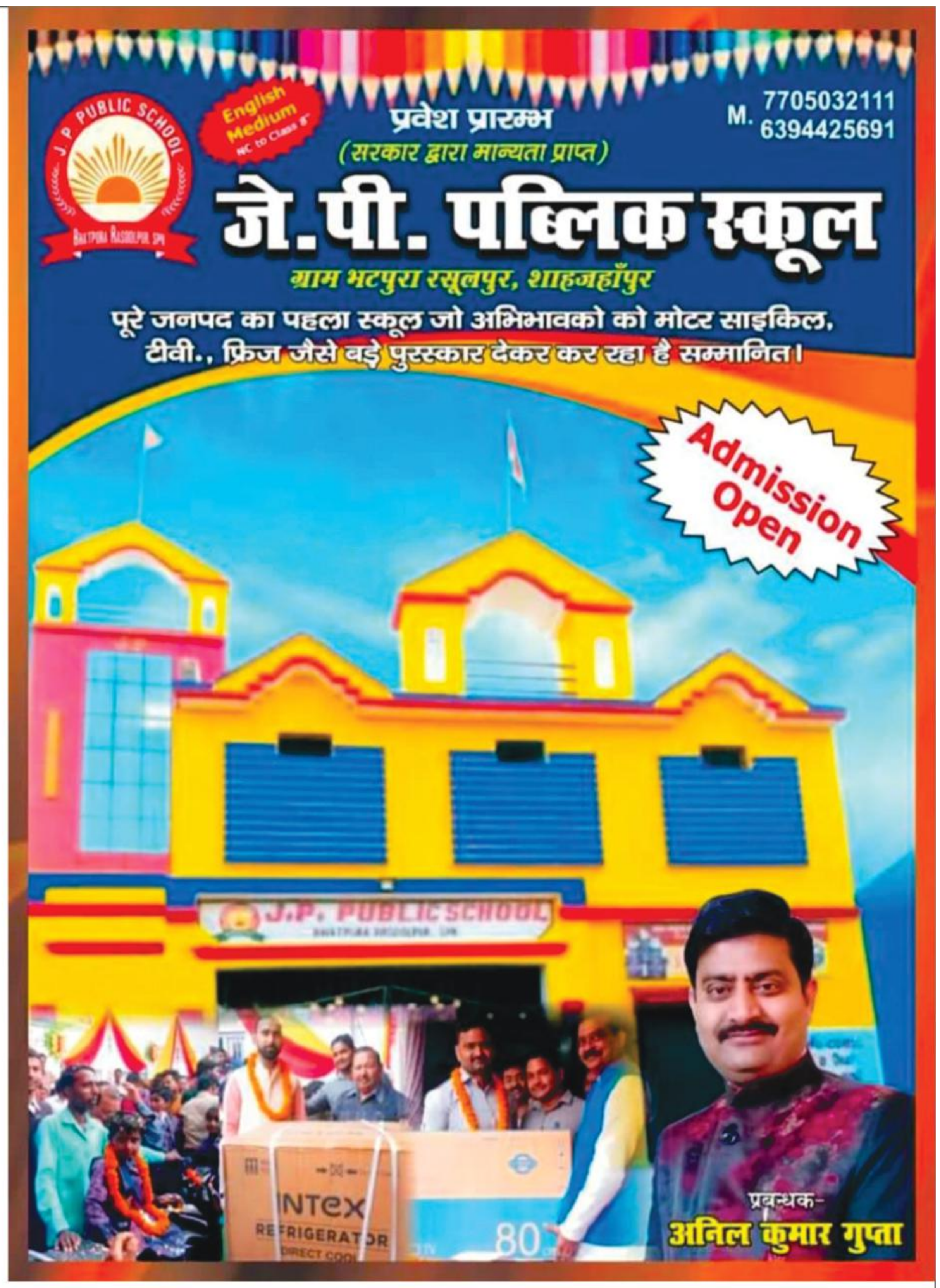

एक नजर

नुक्कड़ नाटक से मतदाताओं को किया जागरूक

शाहजहांपुर। आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने बुधवार को मतदाता जागरुकता अभियान चलाया। इस अवसर पर छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझाया। प्राचार्य डॉ. सुनीता जैसल के मार्गदर्शन में चले अभियान में कार्यक्रम अधिकारी ऋतु शर्मा और डॉ. रानू दुबे छात्राओं को बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हर भारतीय को वोट देने का अधिकार है। मतदाता अपने मत का उपयोग अवश्य करना चाहिए, जो बेहतर लोकतंत्र के निर्माण के लिए बहुत आवश्यक है। प्रज्ञा वर्मा और मनोरमा शुक्ला ने सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई। नुक्कड नाटक में अंशिका, श्रेया पटेल, कशिश, कनिष्का, रोहिणी, प्रिया, भूमि, प्रीति, कोमल, रिया आदि छात्राएं शामिल रहीं।

बलिदान दिवस पर अवंतीबाई लोधी को किया नमन

शाहजहांपुर। महारानी अवंतीबाई लोधी के बलिदान दिवस पर विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने बुधवार को साथियों के साथ चिनौर स्थित अवंतीबाई पार्क में पहुंचकर उनके बलिदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने कहा कि सभी को अपने जीवन में देशहित के लिए ऐसे कार्य करने चाहिए, जिससे देश और समाज के लोग आपको हमेशा याद रखे। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्यमंत्री सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि, गंगा सागर, अधिवक्ता विजेंद्र वर्मा, अनिल वर्मा, अधिवक्ता राम प्रकाश वर्मा, सरोज कुमार वर्मा, अधिवक्ता शिव प्रकाश वर्मा आदि रहे।

रंग एकादशी पर जमकर बरसा इत्र- गुलाल, खेली फूलों की होली

श्याम बाबा के भक्तों ने निकाली सतरंगी ध्वजा शोभायात्रा, कई स्थानों पर हुई पुष्प वर्षा, फूलों से पटीं सड़कें

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः श्री श्याम मित्र मंडल, सेवा समिति और सखी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार सुबह चौक क्षेत्र में रंग एकादशी पर सतरंगी ध्वजा शोभायात्रा निकाली गई। श्री श्याम फागुन महोत्सव के तहत निकाली गई भव्य शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने अबीर-गुलाल के साथ फूलों की होली खेलकर खूब मस्ती की। भजनों पर सभी ने नृत्य कर श्याम बाबा की जय-जयकार भी की। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर खाटू श्याम के भक्तों का स्वागत किया।

शोभायात्रा का आरंभ सुबह करीब आठ बजे बाबा बनखंडीनाथ मंदिर से किया गया। फागुनोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए फूलों से सुसज्जित रथ पर खाटू श्याम का दरबार सजाया गया। सबसे आगे एक वाहन से राहगीरों, दुकानदारों और भक्तों पर अबीर-गुलाल और पुष्प बरसाए जा रहे थे। कुछ भक्त इत्र भी उड़ा रहे थे। शोभायात्रा में तमाम महिलाएं और युवा रंग-बिरंगी ध्वज पताकाएं लेकर बाबा की जय-जयकार करते चल रहे थे। श्याम बाबा के भजनों पर थिरकते, रंग खेलते लोग मस्ती कर रहे थे। वहीं, बाबा के दरबार में भक्त प्रसाद चढ़ाकर नतमस्तक हो रहे थे। दरबार में बैठे भक्तजन प्रसाद वितरित कर रहे थे।

फूलों से सजा खाटू श्याम बाबा का दरबार।

- खाटू श्याम के भजनों पर खूब थिरके महिला-पुरुष और युवा
- खाटू श्याम मंदिर प्रताप इंक्लेव में हुआ समापन

इसके अलावा रास्ते में भी लोगों को मिश्री, गोला, सौंफ आदि का प्रसाद बांटा जा रहा था। शोभायात्रा बाबा बनखंडी नाथ मंदिर से शुरू होकर कच्चा कटरा मोड़, चौक, रंगमहला, खोया मंडी, केरूगंज होते हुए प्रताप इंक्लेव स्थित खाटू श्याम मंदिर के समक्ष विसर्जित हुई। मंदिर में श्याम बाबा की आरती कर भोग लगाया गया। भक्तों ने श्याम बाबा संग होली खेलकर उनका आशीष लिया। समापन पर सभी ने भंडारे में प्रसाद छका।

शोभायात्रा में अबीर-गुलाल से सराबोर श्रद्धालु। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में ध्वज पताकाएं लेकर चलतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

शोभायात्रा के दौरान भजन सुनाते भक्त। ● अमृत विचार

भजनों पर झूमती युवतियां। ● अमृत विचार

आयोजन में इनका रहा सहयोग

आयोजन में जगदीश अग्रवाल, हितेश अग्रवाल, सत्यप्रेम अग्रवाल, डॉ. रवि मोहन, डॉ. संगीता मोहन, अमित अग्रवाल, अमित गुप्ता, डॉ. गौरव कौशल, कुंज बिहारी अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, रामचंद्र सिंघल, रवि अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, मीतू अग्रवाल, हेमा अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, रागिनी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, पूजा, नीतू, रूपेश वोहरा, कुलदीप आदि का सहयोग रहा।

अबीर-गुलाल उड़ा बच्चों ने किया डांस

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : राय विशुन दयाल इंटर कॉलेज में बुधवार को होली उत्सव मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे के साथ रंग खेला। अबीर-गुलाल उड़ाकर बच्चों व शिक्षकों ने खूब डांस भी किया।

होली की बधाई देने को विशेष प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने होली गीतों पर नृत्य और नाटक आदि की प्रस्तुति दी। प्रधानाचार्य गौरव श्रीवास्तव और ममता श्रीवास्तव ने बच्चों को होली की बधाई देते हुए सावधानी से त्योहार मनाने का संदेश दिया।

एक-दूसरे को रंग लगातीं शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

बंदरों के हमले में छत से गिरी महिला घायल, हालत गंभीर

तिलहर, अमृत विचारः नगर के मोहल्ला बहादुरगंज निवासी मीना देवी बुधवार को छत पर कपड़े सुखा रही थी। इसी दौरान बंदरों ने उनके ऊपर हमला कर दिया। जिससे घबराकर वह छत से नीचे गिरकर घायल हो गई। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां से डॉक्टर ने गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

परिषदीय स्कूलों में शांतिपूर्वक शुरू हुई वार्षिक परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 2720 बेसिक और 16 कस्तूरबा स्कूलों में शामिल हुए 361825 परीक्षार्थी

अमृत विचारः बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित जिले के परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई। पहले दिन हिंदी, सामाजिक विषय और गणित की परीक्षा हुई। बीएसए रणवीर सिंह ने बताया कि 2720 परिषदीय स्कूलों और 16 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्वक चली। इस परीक्षा में लगभग 3,61, 825 परीक्षार्थी शामिल हुए। खंड शिक्षा अधिकारियों, एआरपी आदि ने स्कूलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने में सहयोग किया। इधर, खंड शिक्षा अधिकारी नगर नरेंद्र कुमार की देखरेख में परीक्षा कराई गई।

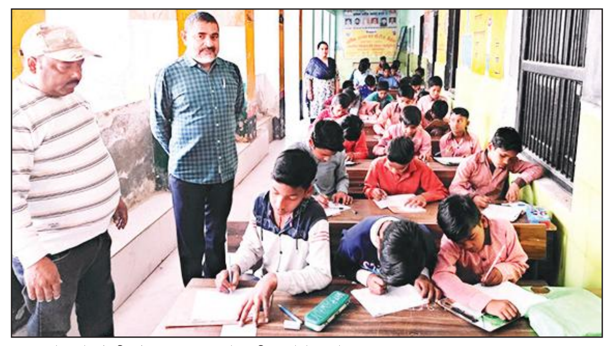
नगर क्षेत्र में रोटी गोदाम स्कूल में परीक्षा देते बच्चे। ● अमृत विचार

॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

॥ श्रद्धांजलि सभा ॥

विपिन कुमार अग्रवाल

अत्यंत दुःखी मन से सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिताजी श्री विपिन कुमार अग्रवाल जी का आकस्मिक निधन दिनांक 12/3/2024 को हो गया है।

दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु श्रद्धांजलि सभा दिनांक 22/3/2024, दिन शुक्रवार को अपराह्न 1 बजे से मध्याह्न 3 बजे तक कैम्ब्रिज कॉन्वेंट सभागार में होगी।

: दुखी हृदय :

श्रीमती राधा अग्रवाल (पत्नी)
रचित अग्रवाल-मुक्ता अग्रवाल (पुत्र-पुत्रबधु)
विनायक अग्रवाल-हर्षी अग्रवाल (पुत्र-पुत्रबधु)

श्रीमती सुनीता अग्रवाल (भाभी) पत्नी स्व. अशोक अग्रवाल
अरविन्द अग्रवाल-सुधा अग्रवाल (भाई-भाभी)
मनोज अग्रवाल-संगीता अग्रवाल (अनुज-अनुजबधु)
राजीव अग्रवाल-नीरू अग्रवाल (अनुज-अनुजबधु)
विशाल अग्रवाल-अनुजा अग्रवाल (बहनोई-बहन)
आदर्श-नेहा अग्रवाल (भतीजा-भतीजबहू)
आशीष-गरिमा अग्रवाल (भतीजा-भतीजबहू)
उदय-दीप्ति अग्रवाल (भतीजा-भतीजबहू)
अनमोल अग्रवाल (भतीजा)
अलंकृत अग्रवाल, पर्व अग्रवाल, वैदिक अग्रवाल (पौत्र)
आरोही, पावनी, आराध्या, अनन्या, वेदिका, वृन्दा अग्रवाल (पौत्री)

समस्त परिवार सम्बन्धी एवं मित्रगण

कैम्ब्रिज कॉन्वेंट स्कूल, पुवायाँ-शाहजहाँपुर
✆ 9721691111, 9721751111, 9984711111

॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥

...हमनशीं आज तुमको मना कर रूठ जाने को जी चाहता है

आईआईए के होली उत्सव में काव्यपाठ करतीं कवियत्री सोनी मिश्रा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आईआईए के होली उत्सव में हुए कवि सम्मेलन में खेली फूलों की होली

अमृत विचारः इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के तत्वावधान में होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मंगलवार रात रेती मार्ग स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित होलिकोत्सव में कवि सम्मेलन हुआ।

सोनी मिश्रा ने सुनाया-मुस्कुराने को जी चाहता है, गुनगुनाने को जी चाहता है। हमनशीं आज तुमको मना कर, रूठ जाने को जी चाहता है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. इंदु अजनबी ने कहा- तन तो रंग ही जायेगा, भीगेंगे सब अंग। मन तक भी पहुंचे कहीं, इस होली के रंग। जगजीवन मिश्र ने -राह पर आंख खोल कर जाएं, रिश्ते बिन भाव तोल कर जाएं। अजीत शुक्ल ने- चाटुकारिता के फंडे बदल रहे हैं, आ गया चुनाव तो झंडे बदल रहे हैं। आशीष कविगुरु ने -जो भी आये फसल हरी आए और सेहत में फिर तरी आए। इस अवसर पर अबीर-गुलाल और फूलों की होली खेल बधाई दी। चैप्टर चेयरमैन गुजजीत सिंह मोंगा ने आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता, प्रेम नारंग, कृष्ण कुमार गर्ग, ज्योति मोंगा, अभिनव ओमर, रोहित गोयल, राम कलानी, महेंद्र आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

संस्कार और संस्कृति का समन्वय है संस्कृत

शाहजहांपुर। ग्लेरिंग पब्लिक स्कूल में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत भाषा के संवर्द्धन एवं प्रचार प्रसार के तहत ग्रहे-ग्रहे संस्कृतम् योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय सरल संस्कृत भाषा शिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अधिवक्ता प्रांकित सक्सेना द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर किया। आराध्या सिंह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि संस्कृत भाषा न केवल भाषा है अपितु यह भारत की संस्कृति के साथ-साथ संस्कार भी है। प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष शुक्ला ने कहा कि संस्कृत से ही संस्कार और संस्कृति का समन्वय होता है। संचालन करुणाकांत ने किया प्रशासनिक अधिकारी अतुल कुमार सिंह और गगन श्रीवास्तव, कुशाग्र भारती, माही, अतुल कुमार, अनुभव दीक्षित, अनमोल,अर्पित, अर्चित, अंश, राणा, सेजल, निशी का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

बच्चों-शिक्षकों ने ली गौरैया संरक्षण की शपथ

सिंधौली। मुड़िया मोड़ स्थित एमए पब्लिक स्कूल एवं ग्लोरियस माइनॉरिटी पब्लिक स्कूल में बुधवार को विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। स्कूल प्रबंधक मोहम्मद आसिफ अली मंसूरी ने बच्चों-शिक्षकों को गौरैया संरक्षण की शपथ दिलाई। विश्व गौरैया दिवस को गौरैया पक्षी के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। लगभग विलुप्त हो चुकी गौरैया को फिर से अपने आंगन घर छत पर बुलाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने स्तर से पेड़ों पर घरों में लकड़ी के घोसलें बनाकर रखना चाहिए अत्यधिक गर्मी से बचाने के लिए छत एवं आसपास में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर पानी मुहैया कराना होगा। उन्होंने कहा कि जब हमारे आसपास पक्षियों की सुंदर चहचहाहट होगी, तो पूरा वातावरण पक्षियों के कलरव से गुंजायमान होकर समस्त प्राणियों को खूबसूरत वातावरण प्रदान करेगा। कार्यक्रम का संचालन सचिन शर्मा ने किया। इस दौरान शिक्षक नीतेश कुमार, शिखा अवस्थी, शोएब खान, जैद मंसूरी, चंद्रशेखर कुशवाहा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर इरम मंसूरी, फैजान अंसारी, मनीषा सिंह, जीशान अहमद, रुचि सिंह, शिल्पी यादव, गुलफिजा मंसूरी, मजमुद्दीन, हर्ष शर्मा, निदा अंसारी, करुणा, शंकर पांडेय, रीता यादव, रश्मि सिंह, सोनम मिश्रा आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम
HP
राम नारायण गुप्ता एंड संस
पता : चमकनी गाड़ीपुरा (सराइकाइयाँ चौकी क्षेत्र)

सीएनजी एवं पेट्रोल उपलब्ध है।
शहर के अंदर पहला सीएनजी पंप खुल गया है।
एक बार सेवा का मौका दें।
प्रो. राजकुमार गुप्ता

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 21 मार्च 2024
वर्ष 5, अंक 124, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा 12

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकतीं हैं माधुरी दीक्षित 11

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- इस चरण में उप्र की आठ और उत्तराखंड की पांच सीटें भी शामिल
- 19 अप्रैल को होगा मतदान, चार जून को परिणाम

देश में 18वीं लोकसभा के सात चरणों में कराए जाने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ हो गई। चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले चरण में 17 राज्यों और चार केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल मिलाकर लोकसभा की 102 सीटों के लिए बुधवार सुबह अधिसूचना जारी कर दी।

इसके साथ ही, इन सीटों के लिए प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल करने का कार्य शुरू हो गया। पहले चरण के मतदान 19 अप्रैल को कराए जाएंगे। पहले चरण में तमिलनाडु की 33, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की पांच-पांच, बिहार की चार, पश्चिम बंगाल की तीन, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय की दो-दो सीटें और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अनादमन और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक सीट शामिल हैं। इस चरण में बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों में नामांकन 27 मार्च तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को की जाएगी और नाम 30 मार्च तक वापस लिए जा सकेंगे। बिहार में नामांकन भरने की अंतिम तिथि 28 मार्च है और नामांकन पत्रों की जांच दो अप्रैल को की जाएगी। लोकसभा की कुल 543 सीटों के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में हो रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी और चुनाव प्रक्रिया छह जून तक पूरी कर ली जाएगी।

रद की गई बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद 15 मार्च को दोनों पालियों हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) को बुधवार को रद कर दिया है। परीक्षा की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने बताया कि परीक्षा का तीसरा चरण रर कर दिया गया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार टीआरई-तृतीय को रद करने का निर्णय बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा पेश की गई रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद लिया गया। ईओयू ने प्रश्न पत्र लीक के आरोपों की जांच की थी।

केजरीवाल के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

गिरफ्तार न करें तो ईडी के समक्ष पेशी को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- केजरीवाल की याचिका पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति घोटाले के मामले में समन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने ईडी को दो सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि ईडी के समक्ष पेश क्यों नहीं होते। तो सिंघवी ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह की ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए जवाब दिया कि उन्हें (मुख्यमंत्री केजरीवाल) को आशंका है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। उन्होंने कोर्ट से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो वह पेश होने के लिए तैयार हैं।

ईडी का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने सिंघवी की केजरीवाल को राहत देने की दलीलों का विरोध किया।

बिना सुनवाई आरोपियों को हिरासत में नहीं रख सकते

नई दिल्ली। आरोपी के स्वत: जमानत पाने के अधिकार को खत्म करने के लिए धन शोधन मामलों में पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे के हिरासत में रखना कैद के समान है जो स्वतंत्रता में बाधक है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश की स्वत: (डिफॉल्ट) जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि हम आपको (ईडी को) नोटिस दे रहे हैं। (कानून के तहत) मामले की जांच पूरी हुए बिना आप किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते।

रमज़ान मुबारक

दसवां रोज़ा इफ्तार - 21 मार्च 2024	
सुन्नी	06:27 बजे
शिया	06:34 बजे
ग्यारहवां रोज़ा इफ्तार - 22 मार्च 2024	
सुन्नी	04:48 बजे
शिया	04:43 बजे

नोटः- सहरी व इफ्तार में क्षेत्रवार समय में परिवर्तन हो सकता है।

माह-ए-रमज़ान की दिली मुबारकबाद
An ISO 9001:2015 Certified Company
NOOR GLASS FABRICATION
If U Can Dream We Can Build
Bajrang Dhaba, Opp. SBI Bank, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
9761560515
e-mail : ahmadmuneer13@gmail.com
website : www.noorglassfabrication.com

पांच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा

एम. के. बन्धानी हींग
हर समझदार गृहणी की पसन्द
51/71, नारायन प्लाजा, नयागंज, कानपुर
फोन: 9519456555, 9695416555

SELECTION POINT
The Complete Family Store
दूल्हे हम सजाते हैं।

डिज़ाइनर सूट | शेरवानी | जोधपुरी
कुर्ता पायजामा | डिज़ाइनर शर्ट
45, Civil Lines, Bareilly 8266800220
D.D. Puram, Bareilly 7088300050

पढ़ते रहिये...
अमृत विचार
फेस्टिवल ऑफर
₹5/- प्रतिदिन

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में न्यायिक सदस्य आवश्यक नहीं

केंद्र सरकार ने चयन समिति में सीजेआई को न रखने पर किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यायिक सदस्य की उपस्थिति पारदर्शिता का मापदंड नहीं : केंद्र

केंद्र सरकार ने 2023 के कानून के तहत दो नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति का बचाव करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है। इस कानून के तहत चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत में सुनवाई से एक दिन पहले दो निर्वाचन आयुक्तों को 14 मार्च को जल्दबाजी में नियुक्त किया गया। न्यायालय में इस कानून को चुनौती दी गई जिसपर सुनवाई होने वाली थी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जया ठाकुर और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' सहित कई अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में यह हलफनामा दाखिल किया गया है। हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का मामला एक भ्रांति पर आधारित है कि किसी भी प्राधिकार में स्वतंत्रता केवल तभी बरकरार रखी जा सकती है जब चयन समिति एक विशेष संरचना की हो। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि निर्वाचन आयोग या किसी अन्य संस्था या प्राधिकार की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है।

सूची विपक्ष के साथ साझा न करने का भी खंडन

केंद्र ने याचिकाकर्ताओं के इस दावे का खंडन किया कि नियुक्त किए जाने वालों की कोई सूची विपक्ष के साथ साझा नहीं की गई थी। केंद्र ने कहा कि खोज समिति द्वारा छह नाम की सिफारिश के बाद अंतिम सूची में नामित व्यक्तियों के नाम 13 मार्च, 2024 को लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को उपलब्ध कराए गए थे। इसलिए, यह कहना पूरी तरह से गलत, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है कि चयन समिति के तीसरे सदस्य को दो सदस्यों के विचार के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए नाम दिए गए थे। सभी सदस्यों को एक साथ सूची प्राप्त हुई थी।

सीईसी को मिला है संविधान में संरक्षण, निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम

हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का यह कहना कि न्यायिक सदस्यों के बिना चयन समितियां हमेशा पक्षपातपूर्ण होंगी, पूरी तरह से गलत है। कहा गया कि नियुक्ति की शक्ति कार्यपालिका के पास होने के बावजूद निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) तटस्थ और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम रहे हैं। उच्च संवैधानिक पद के नाते मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संविधान में अंतर्निहित संरक्षण प्राप्त है, जो उन्हें निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम बनाता है। अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में दो रिक्तियां हुई थीं। उनके स्थान पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नियुक्त किया गया।

शिव खेलैं मसाने में होरी...

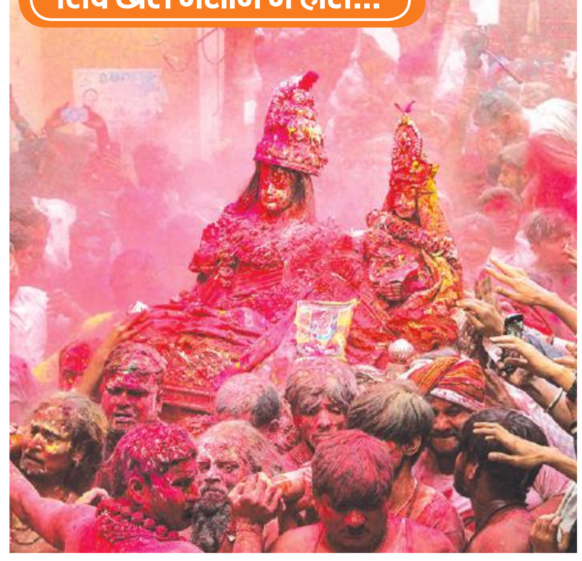

रंगभरी एकादशी पर शिव की नगरी काशी के साथ अयोध्या और मथुरा में जमकर होली हुई, खूब रंग-गुलाल उड़े। काशी में शोभा यात्रा भी निकाली गई जिसमें पालकी में बाबा विश्वनाथ और देवी पार्वती भी विराजमान थीं। चिता की भस्म से भी होली खेली गई। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी के लोगों को बधाई दी और खुशहाली की कामना की।

दीपक कुमार ने संभाला कार्यभार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैठकें कर आचार संहिता के अनुपालन को लेकर दिए निर्देश

अमृत विचार : राज्य के नवनियुक्त अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार ने मंगलवार देर रात गृह विभाग पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। 1990 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार बुधवार को भी लगभग पूरा दिन लोकभवन स्थित गृह विभाग के अपने कक्ष में बैठे रहे और अलग-अलग विषयों को लेकर मीटिंग करते रहे। इस दौरान उन्होंने तमाम सरकारी कामकाज निपटाए। राज्य की सुरक्षा व्यवस्था, चुनाव की तैयारियों और आचार संहिता की गाइडलाइन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

दीपक कुमार 17 मई 2010 से 14 जून 2012 तक गृह विभाग में सचिव पद पर तैनात रह चुके हैं।

एमपीपीसीएस-प्री परीक्षा टली

इंदौर। लोकसभा चुनावों के कारण मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा और राज्य वन सेवा परीक्षा 2024 आगे बढ़ा दी है। अब ये परीक्षाएं 28 अप्रैल की जगह 23 जून को होंगी। एमपीपीएससी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनावों के चलते दोनों भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम बदला गया है।

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गई : प्रियंका

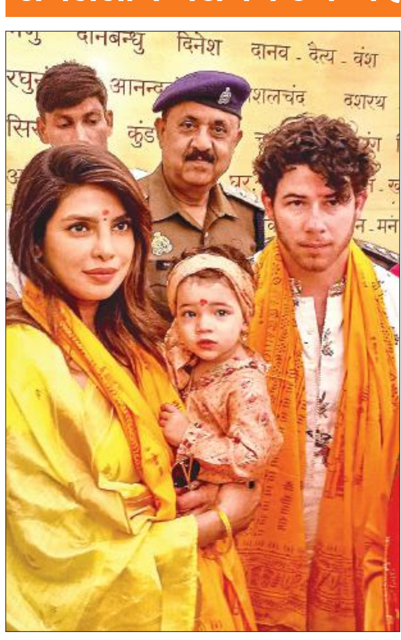

अयोध्या। रामलला के दर्शन पाकर मैं धन्य हो गई हूं। ये बात बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बुधवार को रामलला के दर्शन के बाद कही। वो पति निक जोनस और बेटी के साथ दर्शन करने आई थीं। राम मंदिर के पुजारी प्रदीप ने प्रियंका व जोनस को तिलक लगाया और ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने रामनामी ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रियंका चोपड़ा परिवार के साथ अयोध्या पहुंचीं। भारी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से प्रियंका चोपड़ा को रामलला के दरबार में पहुंचाया गया।

लोस चुनाव : सपा ने छह और प्रत्याशी उतारे, भगवत सरन पीलीभीत से लड़ेंगे

- मिर्जापुर सीट पर सपा के सामने अपना दल कमेरावादी का प्रत्याशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लोकसभा के छह और उम्मीदवारों की सूची जारी की। गठबंधन में गुटबंदी की चर्चा के बीच गौतमबुद्ध नगर सीट से प्रत्याशी भी बदल दिया। छठी सूची के बाद सपा उम्मीदवारों की कुल संख्या 49 हो गई है। सपा ने गौतमबुद्ध नगर में पहले डॉ. महेंद्र नागर को उम्मीदवार बनाया। महेंद्र नागर को टिकट मिलने के बाद सपा-कांग्रेस गठबंधन में गुटबाजी भी सामने आई थी। प्रत्याशी बदलने के लिए कुछ नेता मंगलवार को लखनऊ में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मिले थे। दिल्ली से सटी इस सीट पर महेंद्र नागर की जगह सपा ने राहुल अवाना को अपना उम्मीदवार बनाया है। नई सूची में संभल से शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया गया है। बागपत से मनोज चौधरी, पीलीभीत से भगवत सरन गंगवार, घोसी से राजीव राय और मिर्जापुर से राजेंद्र एस बिंद पर दांव लगाया गया है।

पल्लवी पटेल ने अपनी तीन सीटें घोषित कीं

लखनऊ। सपा के सहयोगी दल अपना दल कमेरावादी ने भी तीन सीटों पर लड़ने का एलान किया है। अपना दल की नेता और सपा के सिंबल पर सिराथू (कौशांबी) से विधायक पल्लवी पटेल ने संकेत दिए हैं कि वे सपा से अलग होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनकी पार्टी ने प्रदेश की जिन तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है उनमें एक सीट मिर्जापुर भी है जिस पर सपा ने भी उम्मीदवार उतारा है। अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि पार्टी ने फूलपुर, कौशांबी और मिर्जापुर सीट पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। पल्लवी इन्हीं में से किसी सीट पर चुनाव लड़ेंगी।

प्रोन्नति पाने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

हाईकोर्ट का आदेश

- 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को मिली राहत

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त हुए अध्यापकों को जूनियर हाई स्कूल में प्रोन्नत करने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने इस निर्णय के बाद प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्त उन सहायक अध्यापकों की जूनियर हाईस्कूल में प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है, जिनकी नियुक्ति 23 अगस्त 2010 से पूर्व हुई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने शिवकुमार पांडेय व दर्जनों अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पारित किया है।

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत सहायक अध्यापकों ने याचिका दाखिल की थी कि राज्य सरकार ने उनकी प्राथमिक विद्यालयों से उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रोन्नति इस आधार पर रोक दी है कि वे सीनियर टीईटी उत्तीर्ण नहीं है जबकि ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। कोर्ट ने प्रोन्नति की प्रक्रिया 6 माह में पूरा करने का निर्देश दिया है।

बदलाव की तैयारी — प्रसार भारती का होगा कायाकल्प, नकारा पेशेवरों की होगी छंटनी

3 माह बाद मन की बात का 111वां एपिसोड होगा कुछ अलग

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

- चार वर्ष से रिक्त अध्यक्ष पद पर नवनीत सहगल की हुई ताजपोशी

अमृत विचार : नरेंद्र मोदी यदि तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उनके 'मन की बात' के 111वें एपिसोड की लोकप्रियता कुछ अलग नजर आएगी। इसके प्रसारण की नोडल एजेंसी 'प्रसार भारती' का तब तक काफी कुछ कायाकल्प हो चुका होगा। अपनी विशिष्ट कार्यशैली से नौकरशाही में खास पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व नौकरशाह नवनीत सहगल को प्रसार भारती का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उक्त आशय की संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

खबरों की दुनिया में भारत के सरकारी जन संचार तंत्र को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र करने के लिए 1997 में प्रसार भारती की स्थापना हुई थी और रेडियो, दूरदर्शन सहित कई सूचना माध्यमों को इसमें जोड़कर आजाद कर दिया गया था। लेकिन प्रसार भारती दिन पर दिन निजी जन संचार माध्यमों के मुकाबले पिटता चला गया। यही वजह है कि देश के कोने-कोने तक सबसे बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद आम जनता तक पहुंच में अभी भी काफी पीछे है। प्रसार भारती को पेशेवर मजबूती देने के लिए सरकार ने हाई प्रोफाइल कहे जाने वाले चार पत्रकारों को इसका अध्यक्ष बनाया लेकिन नतीजा शून्य रहा। करंट अफेयर्स के पूर्व संपादक निखिल चक्रवर्ती पहले अध्यक्ष बने थे। उनके बाद 3 वर्ष तक यह पद खाली रहा और सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डा.यूएस राव को इसका अध्यक्ष बनाया। प्रसार भारती की कार्य संस्कृति देखकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तीसरे अध्यक्ष के रूप में अमेरिका में तैनात टाइम्स आफ इंडिया के पत्रकार एमवी कामथ को नियुक्त किया गया। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण भटनागर को चौथा अध्यक्ष बनाया, वह भी एक वर्ष बाद ही हट गए। उनके बाद एक हिंदी अखबार की संपादक मृणाल पांडे 2011 तक इस पद पर रहीं। पायनियर के सलाहकार संपादक के सूर्य प्रकाश 2020 तक इस पद पर रहे। तब से 4 वर्षों तक अध्यक्ष पद रिक्त था। उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित समिति ने पिछले दिनों सहगल के नाम की सिफारिश की थी, इस समिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव व भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष भी एक सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति कर दी है और मंगलवार को पहली बार उन्होंने प्रसार भारती मुख्यालय में प्रवेश किया। एक मुलाकात के दौरान सहगल ने काफी सुधार के संकेत दिए हैं, कहा कि पहले अध्ययन करेंगे और फिर फैसले होंगे। सहगल की नियुक्ति के बाद प्रसार भारती के सभी विभागों में हलचल है। यह संकेत मिले हैं कि ऐसे लोगों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उनसे प्रसार भारती जल्द ही किनारा करेगा।

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी

- बेटे सार्थक यादव और समर्थकों के साथ ली कांग्रेस की सदस्यता

पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की जन आधार पार्टी का बुधवार को कांग्रेस में विलय हो गया। कांग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश , पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस के नेता शकील अहमद ने बुधवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में यादव और उनके पुत्र सार्थक यादव को अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। यादव के साथ ही उनके कई समर्थक कांग्रेस में शामिल हो गए। मोहन प्रकाश ने कहा कि पप्पू यादव के आने से कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन को भी बिहार में मजबूती मिलेगी।

पप्पू यादव ने कहा कि जनाधार पार्टी सेवा संघर्ष और न्याय पर विश्वास करती है। वह पांच बार सांसद और एक बार विधायक रहे लेकिन उनकी विचारधारा कांग्रेस की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक मजबूत नेता बताते हुए कहा कि वह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज हैं। उन्होंने राहुल गांधी को सबसे सशक्त नेता बताया।

बसपा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली समर्थकों के साथ बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे तथा पार्टी संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस में शामिल कराया। उन्होंने कहा कि अमरोहा के सांसद दानिश अली के कांग्रेस में शामिल होने से देश में न्याय की लड़ाई को बल मिलेगा। अली ने कहा कि आज जो देश की परिस्थितियां हैं, वह किसी से छिपी नहीं है।

फंदे पर लटका मिला किशोर का शव, हत्या का आरोप

गांव में एक युवक से हो गया था विवाद, आरोपी ने दी थी जान से मारने की धमकी

संवाददाता, शाहजहांपुर/अल्हागंज

अमृत विचारः गांव भुंडामई में किशोर का शव गांव के बाहर पेड़ से रस्सी से लटका हुआ मिला है। मृतक के परिवार वालों का आरोप है कि उसकी हत्या करके शव को पेड़ से लटकाया है। पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अल्हागंज क्षेत्र के गांव भुंडामई निवासी रामकिशोर का पुत्र निरबेश(16) मंगलवार शाम सात बजे बिना बताए घर से निकल गया था। वह रात 10:30 बजे तक वापस नहीं आया तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिवार वालों ने गांव में उसके दोस्तों व अन्य लोगों से उसके बारे में जानकारी की लेकिन कोई उसके बारे में सही जानकारी नहीं दे पाया। इससे परिवार वालों के मन में अनहोनी की आशंका गहरा गई। परिजनों उसकी तलाश करने गांव के बाहर निकले तो उसका गांव के बाहर शव पेड़ से रस्सी से लटका हुआ मिला। शव मिलने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। मौके पर गांव वाल एकत्रित हो गए। सूचना पर

- थानाध्यक्ष बोले- तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी कार्रवाई

मृतक निरबेश।

एसओ ओमप्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और शव को उतारा। उन्होंने परिवार वालों से जानकारी की। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है।

परिवार वालों ने बताया कि निरबेश का कुछ दिन पहले गांव में एक युवक से विवाद हो गया था। आरोपी ने उसको जान से मारने की धमकी दी थी। मृतक के पिता बदायूं में सिक्योरिटी गार्ड है। खबर सुनकर रात ही में बदायूं से आ गए। मृतक तीन भाइयों में छोटा था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

> मृतक के परिवार वालों की तरफ से अभी कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर मिलने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> –ओमप्रकाश शर्मा, थानाध्यक्ष अल्हागंज

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ

तिलहर। संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत खराब होने पर उसे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। नगर के मोहल्ला मौजमपुर निवासी राजेश भारती की 12 वर्षीया पुत्री ने बुधवार को परिजनों की किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। चौकी इंचार्ज अनुज चौधरी ने बताया माता-पिता की ओर से किसी बात पर डांट देने के कारण किशोरी ने यह कदम उठाया है।

दो स्थानों पर लगी आग, छह मवेशियों की जलकर मौत, तीन झुलसे, सामान जला

संवाददाता, शाहजहांपुर/ तिलहर

अमृत विचारः तिलहर क्षेत्र के गांव हरनोखा में झोपड़ी में लगने से छह मवेशियों की मौत हो गई, जबकि तीन मवेशी झुलस गए। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। राजस्व टीम ने मौका मुआयना किया। वहीं बंडा में खुटार रोड पर राइस मिल में शार्ट सर्किट वारदाना में आग लग गई। जिसमें वारदाना जल गया। दो दमकल युनिट ने बमुश्किल एक घंटे बाद आग पर काबू पाया।

तिलहर क्षेत्र के गांव हरनोखा निवासी वेदपाल ने बताया कि बुधवार शाम लगभग चार बजे मां के साथ गांव में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर गल्ला लेने गया था। इसी दौरान उनके घर पर झोपड़ी में अचानक आग लग गई। गांव के लोगों की सूचना पर वह लौटा और 112 पुलिस को सूचना दी। एसआई रजनीश कुमार टीम के साथ पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आज पर काबू पाया। एसआई रजनीश ने

हरनोखा में आग लगने के बाद पड़ा मलबा। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

बताया कि चूल्हे से उठी चिंगारी से आग लगने का अंदेशा हो रहा है। आग लगने से छप्परदार घर में एक पड्डा, चार बकरी, एक बकरा की मौत हो गई और एक भैंस, दो बकरी और लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। तहसीलदार जयप्रकाश यादव के निर्देश पर लेखपाल और पशु चिकित्सा अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जांच पड़ताल कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने के साथ ही आर्थिक मदद का परिवार को भरोसा दिलाया।

उधर, बंडा में खुटार रोड पर राइस मिल में विद्युत शार्ट सर्किट वारदाना में आग लग गई। दमकल विभाग के दो गाड़ी पहुंची और एक घंटे में आग पर काबू पाया। बंडा थाना क्षेत्र में खुटार रोड पर श्रीश्याम जी राइस मिल है। राइस मिल में बोरों का वारदाना पड़ा था। बुधवार दोपहर दो बजे अचानक वारदाना में आग गई। तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बंडा पुलिस ने पुवायां उप केंद्र अग्निशमन को सूचना दी। मिल पहुंचे दो दमकल वाहनों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण विद्युत शार्ट सर्किट बताया जाता है।

जेठ के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर : कलान क्षेत्र के गांव सरफरा निवासी रेनू देवी पत्नी शैलेंद्र यादव की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट करने वाले आरोपी जेठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़िता ने बताया कि उसके पति बाहर मजदूरी करते है। उसने डेढ़ बीघा जमीन बटाई पर लेकर बरसीम लगाई है। बरसीम की सुरक्षा के लिए खेत के चारों तरफ तार लगा रखे है। महिला का आरोप है कि उसका जेठ शोमेंद्र अपने जानवर खेत में कर बरसीम की फसल चरवा देता है और चोरी से काट भी लेता है। सोमवार शाम को उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे पीटकर घायल कर दिया और तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ मारपीट आदि की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला को पीटकर किया घायल

शाहजहांपुर। पुवायां थाना क्षेत्र के मोहल्ला आनंद वाटिका निवासी सरिता देवी ने बताया कि सोमवार की सुबह आठ बजे जगन्नाथ उसके दरवाजे पर आए। पैसे के लेनदेन को लेकर कहासुनी होने लगी और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपी ने उसे पीटकर घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी जगन्नाथ के खिलाफ मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रंजिशन धारदार हथियार से किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर। कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला पट्टी पूर्वी निवासी रमेश ने बताया कि सोमवार की शाम छह बजे उसका पुत्र मनोज मजदूरी करके घर आ रहा था। रास्ते में मोहल्ले के भइयालाल आदि ने उसके बेटे को रोक लिया और गाली देने लगे। विरोध करने पर उसके बेटे को आरोपियों ने धारदार हथियार से प्रहार करके घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। पुलिस ने आरोपी भइयालाल, ननकू के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पुलिस ने की जिला बदर बार्डर पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- नौ मार्च को कांट के रावतपुर में मौजूदगी का वीडियो वायरल
- उपनिरीक्षक के मोबाइल में पहुंचे वीडियो के बाद हुई कार्रवाई

अमृत विचारः जिला बदर शातिर अपराधी सुहेल खां उर्फ बार्डर को कांट क्षेत्र में दिखाई देने का वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर कांट पुलिस ने जिला बदर अपराधी के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। इधर रोजा पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को तमंचा समेत गिरफ्तार किया है।

कांट थाना के उप निरीक्षक देवेश कुमार ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट ने शातिर अपराधी सुहेल उर्फ बार्डर निवासी अलीजई थाना सदर बाजार को 31 अक्टूबर 23 को जिला बदर किया गया था। उसके मकान पर जिला बदर का नोटिस चस्पा किया गया था। उप निरीक्षक को सूचना मिली कि जिला बदर अपराधी बार्डर नौ मार्च 24 को जिले की सीमा में आया था। उसे कांट क्षेत्र के गांव रावतपुर गांव में देखा गया था, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। किसी ने उसका वीडियो व्हाट्सएप उप निरीक्षक के मोबाइल पर भी भेज दिया, जिसमें वह लोगों से बात करते हुए दिखाई दे रहा है। उप निरीक्षक ने बताया कि सुहेल उर्फ बार्डर ने जिला बदर के नियमों का उल्लंघन किया है। अपराधी पर पहले से एक दर्जन मुकदमे विभिन्न धाराओं में दर्ज है। पुलिस ने बार्डर के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। इधर रोजा प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने दो अभियुक्त प्रकाश व मोहित निवासी मठिया कालोनी थाना रोजा को अटसलिया पुल के निकट से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किए है। दोनों अभियुक्तों पर पहले से कई मुकदमे दर्ज है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। निगोही प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त कृष्णपाल सिंह निवासी पीलीभीत के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो के तहत दस दिन पूर्व मुकदमा दर्ज किया गया था, जो फरार चल रहा था। पुलिस ने बुधवार की सुबह नौ बजे कैमुआ पुल के पास से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

बिना ऑपरेशन गुर्दे की पथरी का इलाज होम्योपैथी द्वारा
सिन्कोना होम्योपैथिक सेन्टर
डा. ब्रजेश कुमार
होम्योपैथिक फिजीशियन बी.एच.एम.एस. (आगरा)
सम्पर्क करें : 9058575790 8077383286
● चर्म रोग (सोराइसिस, दाद, एक्जीमा, मस्से इत्यादि) ● बच्चों का रात में बिस्तर गीला कर देना ● बालों का झड़ना, गंजापन, बालों की सफेदी ● महिलाओं की माहवारी सम्बन्धित समस्याएं ल्यूकोरिया आदि ● बवासीर, फिशर ● मानसिक रोग (डिप्रेशन) ● चेहरे के कील, मुहांसे ● मिर्गी ● माइग्रेन (आधे सिर का दर्द) ● ब्लड प्रेशर, शुगर ● सियाटिका का दर्द ● मानसिक दुर्बलता ● मोटापा ● पेट संबंधी रोग, जिगर के रोग ● साइनस ● टॉसिल का बढ़ जाना ● थायराइड ● जोड़ों का दर्द ● गुप्त रोग
पता : 116 बी-1, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, (निकट संजय नगर पेट्रोल पम्प) बरेली
समय : सोमवार से शनिवार प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक, शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक
रविवार 12 बजे से 2 बजे तक

ओम शान्ति हॉस्पिटल
डॉ. पुलकित अग्रवाल
M.B.B.S., D.L.O., D.N.B. (ENT)
(नाक, कान, गला, थायराइड व कैंसर रोग विशेषज्ञ)
रिसर्च इंस्टीट्यूट से नवीनतम टेक्नोलॉजी की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त दूरबीन विधि द्वारा नाक, कान, गले के सभी ऑपरेशन में माहिर
● कान का बहना, कम सुनाई देना ● चक्कर आना ● सिर में दर्द ● नाक, कान, गले में चुभन या दर्द होना ● नाक बंद होना, सायनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्याधिक छींक आना ● सोते समय खर्राटे आना ● आवाज का बैठ जाना ● मुंह न खुलना ● चेहरे पे दाग या दाने होना, आंखें व चेहरे का भारीपन होना ● खाना निगलने में दिक्कत, मुँह में छाले ● गले में गाँठें
नाक, कान व गले के ऑपरेशन जैसेः-
● कान के पर्दे में छेद ● नाक में टेढ़ी या बढ़ी हुई हड्डी ● गले में टांसिल ● मुँह में कैंसर ● गले में घेंघा या अन्य किसी तरह की गांठ ● लार ग्रंथि में पथरी से आई सूजन ● नाक अथवा जबड़े की टूटी हड्डी ● गले में मांस के कारण बैठी आवाज ● आँख में नासूर का बिना चीरे के ऑपरेशन
दूरबीन द्वारा आधुनिक विधि से कान के पर्दे का चीरा व टाँका रहित ऑपरेशन
मुंह से आंतों तक की दूरबीन विधि की आधुनिक जाँच (ENDOSCOPY CENTRE)
दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा एलर्जी का जड़ से इलाज (Immunotherapy)
डॉ. प्रियांशी अग्रवाल
BDS, FDIP, MIDA
(दन्त रोग विशेषज्ञ व इम्प्लांटोलॉजिस्ट)
उपलब्ध सुविधायें
● दाँतों का डिजिटल X-Ray ● दाँतों की नस का इलाज (RCT) ● अत्याधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई (Ultrasonic Scaling) ● दाँतों के कलर की फिलिंग व चाँदी भरना ● फिक्स दाँत (Bridges) ● बत्तीसी बनाना (Complete Denture) ● बिना दर्द के दाँत निकालना ● लेजर द्वारा दाँत के कलर का मसाला भरना (Composite Filing) ● हड्डी में फिक्स दाँत लगाना (Dental Implant) ● टेढ़े-मंढ़े दाँतों का इलाज (Orthodontic Treatment) ● बच्चों के दाँतों की सभी बीमारियों का इलाज
विभाग :- ● नाक, कान, गला रोग ● दन्त रोग ● हड्डी व जोड़ रोग ● चर्म रोग ● जनरल फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
ओम शान्ति हॉस्पिटल
निकट बरेली कॉलेज मेन गेट, काली बाड़ी, बरेली
7500692860

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पताः- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157

डा. सतेन्द्र शर्मा
M.D. (Ayu.)
बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ
क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है
जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।
क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।
श्रद्धा केयर अस्पताल
मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड बरेली सम्पर्क सूत्र : 9758284825, 8077550393

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
आयुष्मान योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ मुफ्त
MIZAN E.N.T. & URO Care Centre निकट आयरिश लॉन पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली सुबह 10.30 से 11.30 तक शाम 7 से 8 बजे तक 8394838281, 9897838286
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री मोतियाबिन्द व नाखूना के ऑपरेशन
TPA कैशलेस की सुविधा, ECHS द्वारा मोतियाबिन्द की सुविधा
नेत्र सर्जन
डॉ. आफताब आलम
एम.बी.बी.एस., डी.ओ.एम.एस. (ए.एम.यू.)
रोहिलखंड रत्न व अचीवर अवार्ड से सम्मानित
मोतियाबिन्द के ऑपरेशन की शुरूआत मात्र 2000/- रु. से
मिलने का समय-प्रातः 10 से 3 बजे तक, शाम : 6 से 8 बजे तक
डॉ. आफताब आई केयर मो. 9758934778
ऑर्थोडेन्ट क्लीनिक, निकट आकाश पुरम गेट, जगतपुर रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
ECG+ECHO+TMT+HOLTER
हृदय रोग के लक्षणः- ♦ घबराहट ♦ छाती में दर्द या भारीपन ♦ सांस फूलना ♦ पैरों में सूजन ♦ हाई ब्लडप्रेशर ♦ हाई कोलेस्ट्रोल ♦ डाइबिटीज (शुगर) ♦ सीने या पेट में जलन या दर्द ♦ हार्ट अटैक ♦ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. गयास अहमद
MBBS, DCH, DNB (Paediatric) NEW DELHI
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
भू.पू. चिकित्सक सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली
NEW BORN AND CHILD CARE CLINIC
1. मुंशी नगर गेट, डेलापीर मण्डी, पीलीभीत रोड, बरेली
समय – प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक, शाम 4 बजे से 8 बजे तक
सुविधायें :- ♦ वेन्टीलेटर/BIPAP/CPAP युक्त NICU/PICU की सुविधा, ♦ प्रीमेच्योर बच्चों के लिए सफेस्टेन्ट एवं विशेष देखभाल की सुविधा, ♦ नवजात निमोनिया व जन्मजात दौरे पड़ने का इलाज, ♦ पीलिया का इलाज, ♦ दिमागी बुखार, ♦ मलेरिया, डेंगू, टायफाइड का इलाज
HELP LINE - 7017920279, 8920198518

रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ
उत्तर प्रदेश व भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
महेन्द्र गायत्री नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी कालेज
धनवन्तरी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
रहपुरा रोड, फ्तेहगंज पश्चिमी, बरेली मो. 7599203105
G.N.M. A.N.M. B.Sc. Nursing
DIPLOMA O.T. ♦ D.P.T. ♦ D.Opt.
D. Pharma 12th Pass Science Side
B.A.M.S.
● उच्च शिक्षा ● उच्च प्रैक्टिस ● उच्च क्लीनिक ट्रेनिंग

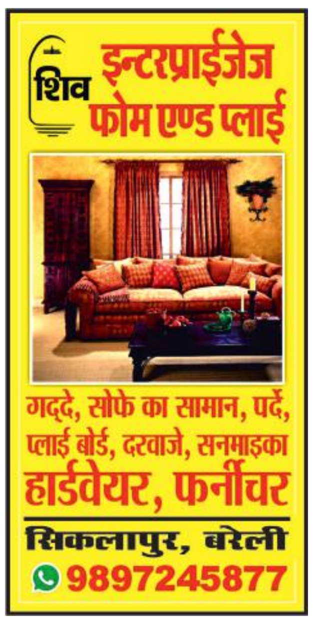

मानकों पर खरा नहीं उतरा 'नुकसान' मुआवजे की दौड़ से बाहर हुए किसान

जिले का एक भी किसान मुआवजा और फसल बीमा पाने को नहीं निकला पात्र

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बीते दिनों हुई ओलावृष्टि व बारिश से खेतों में बिछ गई थी फसल

अमृत विचार: बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान होने के बाद भी जिले का कोई किसान मुआवजा व बीमा के लिए पात्र नहीं मिला है। 25, 33 और 50 प्रतिशत नुकसान के मानक पर एक भी किसान खरा नहीं उतर सका है। जबकि हजारों किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। इन किसानों को न तो सरकारों की ओर से कोई मुआवजा दिया जा सका और न ही फसल बीमा योजना के तहत बीमा का पैसा दिया जा सका है। नियमों की जटिलता में किसानों की मुआवजे की मांग उलझ कर रह गई है। शहर से सटे गांव मिश्रीपुर के किसान मोहम्मद उवैस, कांट क्षेत्र के रोहित कुमार, पिपरौला के अभिषेक ने बताया कि किसान फसल का नुकसान होने पर सरकार से मुआवजे की मांग करते हैं लेकिन उनकी मांग नियमों की जटिलताओं में उलझ कर रह जाती है। किसानों का कहना है कि वह विषम परिस्थितियों में खेती कर पूरी जमा पूंजी लगा देते हैं। उनका भविष्य आने वाली फसल पर निर्भर होता है। इसके बाद भी अगर प्राकृतिक आपदा में उनकी फसल बर्बाद हो जाती है तो उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वह अगली फसल कैसे बोएं, जिन लोगों से खाद, दवा, बीज लेकर लगाया है, उनका उधार कैसे चुकाएं। इसके अलावा बैंक का कर्ज कैसे चुकाएं। कई बार ऐसी स्थिति हो जाती है कि दूसरों का पेट भरने वाले किसानों को खुद आधे पेट सोना पड़ता है।

फसलों का दाम सरकार तय करती है तो उसे किसानों के साथ मुसीबत के समय खड़ा भी रहना चाहिए। अगर किसानों की फसल बर्बाद होती है तो उन्हें कुछ राहत भी देनी चाहिए वरना किसान ऐसे ही खेती छोड़ते रहेंगे। प्राकृतिक आपदा में अगर किसानों की फसल को नुकसान होता है तो सरकार को मुआवजा देना चाहिए। बीमा के नियमों में भी बदलाव किया जाना चाहिए। ताकि फसल खराब होने पर किसान दोबारा फसल बोने की स्थिति में रहे। किसान ज्यादा पढ़े लिखे नहीं होते हैं। उन्हें सरकार से ही उम्मीद है। सरकार को दस प्रतिशत नुकसान होने पर भी मुआवजा और फसल बीमा का लाभ किसानों को देना चाहिए।

जिले में आंका गया था 15 प्रतिशत तक नुकसान

किसानों का कहना है कि दो, तीन और चार मार्च को जिले में हुई बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं से गेहूं, तंबाकू और मसूर सहित कई फसलों को नुकसान हुआ था। कहीं दस तो कहीं-कहीं 15 प्रतिशत से भी ज्यादा नुकसान हुआ था। प्रशासन ने सर्वे कराया तो उसमें भी आया कि आठ से दस प्रतिशत तक फसलें बर्बाद हुई हैं। इसके बाद भी एक भी किसान को नुकसान का मुआवजा नहीं दिया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत तमाम किसानों ने बीमा कराया था। उनमें से सात ने बीमा पाने के लिए आवेदन भी किया। इसके बाद भी उन्हें बीमा का लाभ नहीं मिल सका।

25, 33 और 50 प्रतिशत नुकसान पर मिलता है मुआवजा

किसान भले ही मुआवजे की मांग कर रहे हों, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी नियमों का हवाला देकर किसानों की मद्द कर पाने में असमर्थता जता रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर किसी क्षेत्र में 25 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है तो वहां किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ मिलेगा। इसी तरह 50 प्रतिशत उत्पादन घटने पर बीमा का पैसा दिया जा सकता है। फसल नुकसान मुआवजा कम से कम 33 प्रतिशत नुकसान होने पर दिया जाता है। अगर नियमों पर किसान खरे नहीं उतरते हैं तो उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाता है।

"जिले के किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया है, क्योंकि वह नियमों पर खरे नहीं उतरे। 33 प्रतिशत से कम नुकसान होने पर मुआवजा नहीं दिया जाता है। 33 प्रतिशत तक नुकसान पर मुआवजा दिया जाता है।
–**डॉ. सुरेश कुमार**, एडीएम वित्त।

"प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षेत्र में 25 प्रतिशत नुकसान होने व उत्पादन में 50 प्रतिशत तक कमी आने पर ही फसल बीमा योजना का लाभ दिया जाता है। जिले में ऐसा नहीं हुआ है।
–**सतीश चंद्र पाठक**, जिला कृषि अधिकारी।

सरकार धर्म के नाम पर वोट लेना चाहती है, लेकिन किसानों को कुछ राहत नहीं देना चाहती है। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है सरकार को उन्हें राहत देनी चाहिए।

–**तलविंदर सिंह मोमी**,
जिलाध्यक्ष किसान यूनियन चढ़ूनी गुट।

किसी किसान का दस प्रतिशत भी नुकसान होता है तो भी मुआवजा मिलना चाहिए। जिसका कम हुआ उसे कम और जिसका ज्यादा नुकसान हुआ है उसको ज्यादा मुआवजा मिलना चाहिए। –**सचिन मिश्रा**,
तहसील महासचिव राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन

डीएम ने किया कंट्रोल रूम का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते एडीएम वित्त डॉ. सुरेश कुमार।

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव को शुचितापूर्ण, शांतिपूर्ण, पारदर्शी व निर्विघ्न रूप से कराने के दृष्टिगत डीएम उमेश प्रताप सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित निर्वाचन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं का जायजा ले संबंधित कार्मिकों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने एफएसटी टीमों की लोकेशन की स्थिति स्क्रीन पर देखी। सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर पेड न्यूज़ व फेक न्यूज़ के संबंध में भी जानकारी ली।

जिलाधिकारी बोले- कहीं भी एमसीसी का उल्लंघन न होने पाए। विभिन्न माध्यमों से मिलने वाली शिकायतों का गुणवत्तापरक समय से निस्तारण कराया जाए। शिकायत व उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि जिन अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी कंट्रोल रूम में लगी है वह समय से उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही कंट्रोल रूम में निगरानी के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की दिन-रात की पालीवार ड्यूटी लगाई जाए। कंट्रोल रूम की पूरी टीम अलर्ट रहकर निगरानी करें। किसी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

● इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर पेड व फेक न्यूज की ली जानकारी, दिए दिशा निर्देश

एडीएम वित्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

शाहजहांपुर। एडीएम वित्त डॉ. सुरेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को लोकसभा निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। बैठक में एडीएम ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन करना है। निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुसार ही कार्य करें। निर्वाचन व्यय का लेखा-जोखा समय से कार्यालय को उपलब्ध कराते रहे। उम्मीदवार 95 लाख रुपये तक ही खर्च कर सकेंगे। निर्वाचन के दौरान किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणियां न की जाएं। जनपद में चुनाव चतुर्थ चरण में 13 मई को होगा। मतगणना 4 जून को होगी। उन्होंने चुनाव संबंधी तैयारियों पर विस्तार से जानकारी दी।

एक नजर

24 व 25 मार्च को बंद रहेंगी शराब की दुकानें

शाहजहांपुर। शहर निरीक्षक सौरभ यादव ने बताया कि होली पर 24 व 25 मार्च को देशी व विदेशी मदिरा की दुकानें बंद रहेगी। उन्होंने कहा कि कोई सेल्समैन शराब बेचते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया और सूचना मिलने बराबर दबिश दी जा रही है। आबकारी विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है।

एडीएम प्रशासन को मिला व्यय अनुवीक्षण का दायित्व

शाहजहांपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम उमेश प्रताप सिंह ने नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण (जांच-परख अधिकारी) के पद का दायित्व एडीएम वित्त डॉ. सुरेश कुमार से हटा दिया है। अब यह कार्य एडीएम प्रशासन संजय कुमार पांडेय करेंगे। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट दुर्गेश यादव को उनके सहयोग के लिए सह नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण नामित किया है। डीएम ने आदेश का तुरंत पालन करने के निर्देश दिए हैं।

बंदूक के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

तिलहर। चठिया खिरियामाल निवासी शातिर अपराधी वीरेश को पुलिस ने बुधवार को उसके गांव से गिरफ्तार किया। उसके पास से 12 बोर की डबल बैरल बंदूक, दो कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर चालान कर दिया। उपनिरीक्षक रजनीश कुमार ने बताया कि वीरेश के खिलाफ हत्या का प्रयास, गुंडा एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में 14 मामले दर्ज हैं।

पति सहित तीन पर रिपोर्ट

खुटार। क्षेत्र के गांव छापाबोझी निवासी पंकज की पत्नी रीमा ने पुलिस को बताया कि उसके पति, सास सावित्री देवी, ससुर जगदीश बेवजह आए दिन गाली गलौज और पिटाई करते हैं। बुधवार सुबह उक्त लोगों ने एक राय होकर गाली गलौज करते हुए पिटाई कर दी। इस मामले में पीड़ित रीमा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाजरा की जगह गेहूं न देने पर कोटेदार को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● आरोपियों ने की गाली गलौज बचाने आई मां को किया घायल

अमृत विचार: ऐठा हुसैनपुर गांव में बाजरा की जगह गेहूं न देने पर राशन उपभोक्ताओं ने कोटेदार व उसकी मां को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने उपभोक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रोजा क्षेत्र के गांव ऐठा हुसैनपुर निवासी रमन सिंह ने बताया कि वह गांव के सरकारी सस्ते राशन का कोटेदार है। मंगलवार सुबह नौ बजे कोटेदार गल्ला बांट रहा था। गांव के विनोद, प्रमोद कुमार, अनूप, रामऔतार गल्ला लेने के लिए आए। आरोपियों ने कहा कि बाजरा नहीं चाहिए और बाजरा के स्थान पर गेहूं दे दो। कोटेदार ने आरोपियों से कहा कि गेहूं, चावल, बाजरा तीनों लेना होगा। इस बात से आरोपी नाराज हो गए और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कोटेदार को पीटकर घायल कर दिया। कोटेदार की मां माया देवी बचाने के लिए आयी तो आरोपियों ने उसे पीटकर घायल कर दिया। आरोपियों ने धमकी दी कि मशीन तोड़ दूंगा। सरकारी राशन बांटने में बाधा डाली। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। रोजा पुलिस ने कोटेदार की तरफ से आरोपी विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, रामऔतार, अनूप के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

एसपी ने देखा जुलूस का रूट, पैदल गश्त की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

रामचंद्र मिशन क्षेत्र में फोर्स के साथ पैदल गश्त करते एसपी अशोक कुमार मीणा।

● कलान, बंडा, परौर में भी पुलिस ने किया पैदल मार्च, होली और चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट

अमृत विचार: एसपी अशोक कुमार मीणा ने टीम के साथ छोटे लाट साहब जुलूस के मार्ग का निरीक्षण कर पैदल गश्त की। वहीं, कलान, बंडा, परौर में पुलिस बल ने पैरामिलिट्री फोर्स के साथ पैदल मार्च किया गया।

बुधवार को निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि कहां बेरीकेडिंग की जाए और कहां मकान की छत पर फोर्स रहेगा। सीओ सिटी व थाना प्रभारी निरीक्षक को निर्देश दिए कि जुलूस से एक दिन पहले ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाए। अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाए और निरोधात्मक कार्रवाई की जाए। पैदल गश्त में एएसपी सिटी संजय कुमार, प्रभारी निरीक्षक सीपी शुक्ला, यातायात प्रभारी बालकृष्ण यादव आदि मौजूद रहे। वहीं, बंडा, परौर पुलिस ने भी त्योहारों व चुनाव को लेकर अर्द्धसैनिक बल, पीएसी के साथ कानून व शांति व्यवस्था के लिए प्रमुख चौराहों, मार्गो, बाजार व भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में पैदल मार्च निकाला। संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली। आमजन से संवाद कर शांतिपूर्ण त्योहारों के प्रति आश्वस्त किया।

कलान। उप जिलाधिकारी कलान महेश कुमार कैथल, थाना प्रभारी कलान प्रभाष चंद्र ने पुलिस फोर्स व पैरामिलिट्री के जवानों के साथ अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों वाले गांव पैदल मार्च किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में कोई भी अफवाह फैलाकर या गैर कानूनी कार्य कर आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई कर उसे जेल भेजा जाएगा।

हॉकी: खेलो इंडिया ने टाउनहाल को हराया

दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के समापन पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी ने बांटे पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी जितेंद्र यादव के साथ एथलेटिक्स के विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खेल निदेशालय के निर्देश पर परमवीर चक्र नायक जदुनाथ सिंह स्टेडियम में चल रही दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हो गया। अंतिम दिन जिला स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स एवं हॉकी प्रतियोगिता कराई गई।

हॉकी में खेलो इंडिया सेंटर ने टाउनहाल क्लब को 3-0 से पराजित कर विजयश्री हासिल की। प्रतियोगिता की शुरुआत क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी जितेंद्र यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर की। निर्णायक मंडल में अरुण कुमार,सुशील भारती, आशीष कुमार, वैभव ठाकुर, उदित, सुरजीत, मुजाहिद अली, शकील अहमद, पंकज कुमार, साजन, कुलदीप, वसीम, पंकज, राजन ने आदि ने निभाई। समापन पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी जितेंद्र यादव और जिला क्रीड़ा अधिकारी एसपी बमनिया ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों तथा टीमों को पुरस्कृत किया। अशोक कुमार, डॉ. पुनीत मनीषी, शिव प्रताप सिंह आदि का सहयोग रहा।

एथलेटिक्स में नमन का जलवा: 100 मीटर दौड़ में अफरोज बाबू, 200 मीटर में सुहेल कादिर 400 मीटर में सत्यम यादव, 800 मीटर में अनुज, 1500 मीटर में नमन दीक्षित, 5000 मीटर में नमन दीक्षित, दो किलोमीटर वाक रेस में आदित्य गोला फेंक में संजय, चक्का फेंक में अभय पाल, भाला फेंक में अफरोज, लंबी कूद में आमिर और ऊंची कूद में अनुराग मिश्रा प्रथम रहे।

बालिकाओं ने दिखाया दमखम

बालिका वर्ग की 100 मीटर में मनीषा, 200 मीटर में मनीषा, 400 मीटर में कुमुद राजपूत, 800 मीटर में दुर्गा, 1500 मीटर में प्रांजलि, 3000 मीटर में गुनगुन मौर्य, दो किलोमीटर वाक रेस में कुमुद राजपूत, गोला फेंक में सपना, चक्का फेंक में सपना, भाला फेंक में प्राची वर्मा, लंबी कूद में शिवानी, ऊंची कूद में कामिनी को पहला स्थान मिला।

महिला कांस्टेबल को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: अपराधियों को उनके किए की सजा दिलवाने में भूमिका निभाने वाली कोर्ट मोहर्रिर महिला कांस्टेबल बीनू यादव को संयुक्त निदेशक अभियोजन दिलीप कुमार सोनकर ने नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बीनू यादव न्यायालय एडीजे-10 में कोर्ट मोहर्रिर के पद नियुक्त हैं। उन्होंने नियुक्ति के दौरान छह अभियोगों में आजीवन कारावास व एक अभियोग में मृत्यु दंड की सजा कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ बीनू को पुरस्कार स्वरूप 1000 नगद की धनराशि प्रदान की गई। इस दौरान शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल व अन्य लोग मौजूद रहे।

कांस्टेबल बीनू यादव को सम्मानित करते संयुक्त निदेशक अभियोजन दिलीप कुमार।

अलग-अलग स्थानों पर हादसों में चार घायल

पुवायां। अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पर भर्ती कराया गया है। क्षेत्र के गांव मुड़िया कुर्मीयात निवासी रामचंद्र(60) बुधवा शाम लगभग पांच बजे साइकिल से मझिगंवा चौराहे पर सब्जी लेने आए थे। तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए। इधर, गांव मझिगवा निवासी आनंद वर्मा(32) और प्रधान पति मनोज वर्मा(40) और उदना गांव के भगवानदास (65) एक ही बाइक से पुवायां आ रहे थे। बंडा रोड स्थित गांव भिलावा के पास बाइक आपस में झगड़ रहे सांड से टकरा गई। जिससे तीनो लोग घायल हो गए। गंभीर घायल आनंद को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

फर्जी तरीके से बैंक से किया लेनदेन, रिपोर्ट

तिलहर। गांव रूजवारी निवासी विपिन कुमार ने पुलिस को बताया किसी व्यक्ति ने उसके आधार का इस्तेमाल कर उसके नाम से जीएसटी में फर्जी तरीके से रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उसके आधार पर ओवरसीज बैंक में फर्जी खाता खोल 67 लाख रुपये का लेनदे कर लिया। जानकारी उसे तब हुई, जब उसे असम टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई द्वारा एक पत्र मिला। जिसमें कोर्ट का एक आर्डर लगा था और उक्त पत्र में 67 लाख 46 हजार 754 रुपये का लेनदेन होना दर्शाया गया था।

रिजल्ट के साथ मिले पुरस्कार खिल उठे बच्चों के चेहरे

पुरस्कृत बच्चों के साथ प्रधानाचार्य तराना जमाल, निदेशक मो . जमाल।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : लीड कांवेंट स्कूल बुधवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक के बाद वार्षिक परीक्षाफल वितरित किया गया। इस अवसर पर कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों समेत अन्य गतिविधियों में शामिल श्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

स्कूल के निदेशक मोहम्मद जमाल और प्रधानाचार्य तराना जमाल ने प्री नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चों का परीक्षाफल घोषित किया। विद्यालय के कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों के अतिरिक्त शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए जोहा ताहिर,अरीब अली, मो. तलहा अंसारी, नवाज अहमद खां, मदिया खान, ब्योम वाजपेई, सात्विक मिश्रा, नबा खान, अमुक्ता सिंह, मदिया खान, ध्रुव, आयांश, अंशिका गुप्ता को पुरस्कृत किया गया। जूनियर कक्षाओं में आयत परवीन, सुभान अंसारी, अमुक्ता सिंह, नवा खान, मदिया खान, हादी खान, जैनब खान, सारा लईक ने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पाया। इससे पहले टीचर्स-पैरेंट्स मीटिंग भी हुई, जिसमें कालेज की प्रगति पर विचार-विमर्श कर सहयोग मांगा गया।

एआरटीओ ने पकड़ा कंटेनर, गड्ढे में घुसा

खुटार, अमृत विचार : पूरनपुर मार्ग पर एआरटीओ की टीम ने ओवरलोड वाहन को रोक लिया। खुटार की ओर लाकर कांटे पर तौल कराने के लिए ले जाने के दौरान गोला रोड पर एक स्कूल के पास कंटेनर गड्ढे में चला गया। यह देख एआरटीओ कर्मचारियों के साथ मौके से खिसक गए।

बरेली के फतेहगंज के कस्बा मीरगंज निवासी प्रेम बाबू ने बताया कि वह चालक है और उसके साथ शाहजहांपुर के कस्बा मदनापुर निवासी हेल्पर अरविंद काम करता है। वह असम के गुवाहटी से कंटेनर में बांस (बम्मू) लादकर उत्तराखंड जा रहा था। खुटार से पांच किलोमीटर दूर पूरनपुर मार्ग पर मंगलवार रात करीब दो बजे एआरटीओ ने वाहन को रोक लिया। वाहन ओवरलोड बता वापस खुटार ले आए। ट्रक गोल्डन फ्लावर स्कूल के पास वाहन पहुंच गया। जिससे अधिकारी नाराज हो गए। चालक ने बताया कि ट्रक बैक करने के दौरान गड्ढे में चला गया। इसके बाद अधिकारी वहां से खिसक गए। बुधवार सुबह क्रेन मंगवाकर ट्रक को निकलवाया। वहीं, एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने बताया कि मोड़ने के दौरान अचानक ट्रक गड्ढे में चला गया। क्रेन मंगाकर निकलवा दिया था। मौके पर रहा। वाहन अंडर लोड था।

दो पक्षों में मारपीट

निगोही। इंडियन ऑयल पंप के निकट बुधवार देर शाम दो पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जमकर बेल्टें चलाई। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की भीड़ लग गई। दूर से मारपीट की घटना देख रहे लोगों ने पुलिस को सूचना कर दी। इसके बाद पुलिस दोनों पक्षों को पकड़ कर थाने ले गई। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

महिला ने बैंक मैनेजर पर छेड़छाड़ का लगाया आरोप

- आटा चक्की लगाने के लिए ऋण की फाइल लेकर गई थी बैंक
- कोर्ट के आदेश पर जैतीपुर थाने में दर्ज हुआ मामला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जैतीपुर क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बैंक ऑफ बड़ौदा जैतीपुर शाखा के मैनेजर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि वह आटा चक्की के लिए ऋण स्वीकृत कराने के लिए मैनेजर के बुलाने पर बैंक पहुंची थी, तभी उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। विरोध करने पर फाइल निरस्त करने की धमकी दी।

पीड़िता ने बताया कि कस्बा में स्थित एक बैंक में गई। उन्होंने बैंक मैनेजर से संपर्क किया और कहा कि आटा चक्की के लिए ऋण स्वीकृत कराना है। मैनेजर महिला से कहा जिला उद्योग केंद्र से ऋण की फाइल स्वीकृत कराकर आओ और ऋण का दस प्रतिशत कमीशन पहले देना होगा। महिला जिला उद्योग केंद्र से दस लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराकर फाइल बैंक में ले आई। मैनेजर ने ऋण स्वीकृति के लिए महिला से सारी औपचारिकताएं पूरी करा ली। महिला से आटा चक्की के लिए जमीन खरीदने व फाउंडेशन करने के लिए कहा। महिला ने कोटेशन लाकर भी बैंक में जमा कर दिया। आरोप है कि मैनेजर सारी औपचारिकताएं पूरी हो जाने के बाद टालमटोल करने लगा। पीड़ित ने कहा कि रोजा बैंक में बुलाते हो और ऋण की धनराशि नहीं दे रहे हो। इस पर पांच दिसंबर 23 को शाम चार बजे बैंक में बुलाया और एक कमरे में बैठने के लिए कहा था। महिला का आरोप है कि आरोपी वहां आकर अश्लील हरकतें करना लगा। विरोध करने पर फाइल निरस्त करने की धमकी दी। किसी तरह वह उससे बचकर घर भाग आई। पीड़िता ने कहा कि थाने और पुलिस अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

> कोर्ट के आदेश पर बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा जैतीपुर के मैनेजर अतुल कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और विवेचना की जा रही है।- **अवधेश सेंगर**, थानाध्यक्ष जैतीपुर

सैक्स रोगी मिलें
सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक
समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)
बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी, बरेली। मो. 9319929913

नामर्दी Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए निःसंकोच मिलें।

ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।
- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं, जीवन में खुशियां लाएं।

ALA Herbal
ताकत, जोश, रुकावट का स्थायी समाधान
कैप्सूल मैनसूल (काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Stress, Depression में लाभ करता है।
यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है
Flipkart, Amazon पर उपलब्ध है।
Helpline No. 8439818102 7451039913
स्टॉकिस्ट आरोग्य सदन बरेली 9837007202

प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग (4 वर्षीय डिग्री कोर्स) शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग (2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम. (3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम. (2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :- मो. 9412151327, 7521001992
पता वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
पीलीभीत वाईपास रोड, बरेली
विशाल एण्डोस्कोपी शिविर
सहयोग से : बरेली ओब्स्टेट्रिक गाइनकालजी सोसाइटी
दूरबीन विधि द्वारा बच्चेदानी के ऑपरेशन

दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, चेन्नई, बैंगलौर एवं विदेश के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ द्वारा दूरबीन विधि से स्त्री रोग सम्बन्धित समस्त ऑपरेशन
जल्द से जल्द पंजीकरण कराकर इस सुविधा का लाभ उठायें।
ऑपरेशन दिनांक 19 अप्रैल 2024
पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) 31 मार्च 2024 तक ही किये जायेंगे। प्रथम 10 पंजीकृत मरीजों को प्राथमिकता दी जायेगी।

लैप्रोस्कोपी द्वारा दूरबीन विधि से ऑपरेशन
1) बच्चेदानी निकालने का ऑप्रेशन (हिस्ट्रेक्टमी)
2) रसौली निकालने का ऑप्रेशन (मायोमेक्टमी)
3) अण्डेदानी की रसौली निकालने का ऑप्रेशन (ओवेरियन सिस्टैक्टॉमी)
4) बांझपन की दूरबीन विधि द्वारा जांच
5) बन्द ट्यूब खोलने का ऑप्रेशन
6) बच्चेदानी की बनावट सम्बन्धी जन्मजात बीमारियों का इलाज ऑप्रेशन

हिस्ट्रोस्कोपी का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन
1) ऐशरमैन का इलाज
2) बच्चेदानी के अन्दर की रसौली (हिस्ट्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी)
3) ट्यूब खोलना (हिस्टेरोस्कोपी कम्युलेशन)
4) बच्चेदानी के अन्दर जन्मजात विकृति ठीक करना
5) बच्चेदानी के अन्दर का पॉलिप निकालना (हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीएटोनी)

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 9997015620, 9081800900
कमरा नं. 1178, स्त्री रोग विभाग, रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली
एन.ए.वी.एच.*'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह अभी फोन करें :
GURU AADIL JI 9717810465
1% विश्वास आप करें 99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

गुप्त रोगी मिलें
डा. मौर्य
जोश मर्दाना, कमजोरी, ताकत, शुक्राणु की कमी, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन
बरेली कृष्णा नगर मो. 7534002651

डॉ. अमन रस्तोगी
BAMS, MD
Consultant Physician

● शुगर से पूर्णतः निजात एवं परहेज से निजात ● पाइल्स का सम्पूर्ण आयुर्वेद द्वारा उपलब्ध है। ● पथरी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
● घुटने एवं गठिया का पूर्ण उपचार। ● सफेद दाग का गारंटिड इलाज।
● पित्त की थैली एवं किडनी की पथरी का बिना आपरेशन द्वारा इलाज।
लाईफ लाइन क्लीनिक
कर्मचारी नगर, गांधीपुरम, भारत गैस गोदाम के सामने, बरेली मो. 6398965384

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को जमानत नहीं

विधि संवाददाता, बरेली : शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की (15) को बहला फुसलाकर ले जाने के बाद दुष्कर्म करने के आरोपी शाहजहांपुर थाना निगोही भटूरा पृथ्वीपुर निवासी सुरजीत की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट रामदयाल ने खारिज कर दी। सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना फरीदपुर में तहरीर देकर बताया था कि 16 अगस्त 2022 की दोपहर में सुरजीत पुत्री को भगा ले गया है। पीड़िता ने बयान में आरोपी द्वारा दुष्कर्म करने की बात कबूली थी।

अपील: शांतिपूर्वक मनाएं होली और ईद का त्योहार

एसडीएम की अध्यक्षता में हुई पीस कमेटी की बैठक में बोले सीओ, चुनाव में निर्भीक होकर करें मतदान

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचारः एसडीएम की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन बुधवार को कोतवाली में किया गया। हालांकि बैठक में भाजपा और भाजपा के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता नजर नहीं आए। जिसको लेकर मौके पर चर्चा होती रही।

बुधवार शाम को कोतवाली परिसर में होली, ईद और लोकसभा चुनाव को लेकर हुई बैठक में पूर्व नगर पालिका सभासद सोनू खन्ना ने नगर वासियों की तरफ से प्रशासन को आश्वस्त करते हुए कहा कि यहां हर त्योहार शांतिपूर्वक मिलजुलकर मनाया जाता है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रयांक जैन ने शांतिपूर्वक होली और ईद का त्योहार मनाने के साथ ही लोकसभा चुनाव में भी शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस और सुरक्षा बल तैनात हैं। एसडीएम अंजलि गंगवार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि होली और ईद के त्योहार के दौरान आपसी सद्भाव बनाए रखने के साथ ही रमजान माह में भी हम सभी को व्यवस्था बरकरार रखनी है।

लोकसभा चुनाव में किसी के बहकावे या डराने में न आए। निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग करें। बैठक के दौरान अच्छन मियां, मोहम्मद सलीम, रफीक अंसारी, संदीप रस्तोगी, शैलेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद सीओ प्रयांक जैन व एसडीएम अंजलि गंगवार।

होली पर्व पर आपसी द्वेष-ईर्ष्या को मिटाएं

पुवायां। पवनसुत हनुमान जी महाराज की 93 वीं महाआरती का आयोजन बुधवार को बड़ा गांव संतोषी माता मंदिर निकट शिवालय प्रांगण में हुआ। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला की ओर से हुए कार्यक्रम में भजन गायक राधिकेश दास, राम, आकाश, अवि व विपिन मिश्रा ने सुंदर भजन प्रस्तुत कर मौजूद सैकड़ों भक्तों का मन मोहा। पिछले मंगलवार को कैंब्रिज कान्वेंट के डायरेक्टर विपिन अग्रवाल के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए राजेश शुक्ला ने कहा कि जीवन का पहिया कब और कहां थम जाए कुछ नहीं पता इसलिए व्यक्ति को अपना जीवन प्रभु चरणों में समर्पित कर देना चाहिए। वह एक ऐसी छाप छोड़ गए हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि होली आपसी द्वेष–ईर्ष्या मिटाने का त्योहार है। इस अवसर पर अविनाश शर्मा, पूरन मिश्रा, शिव शुक्ला, संजय चौधरी, विपिन मिश्रा, ऋषभ शुक्ला, सौरभ पांडे, उमाकांत पांडे, नरेश रस्तोगी, शैलेश वेश्य, शिवकुमार मिश्र, बृजेश त्रिवेदी, दीपक द्विवेदी, कृष्ण कुमार शुक्ला पोता, संजीव त्रिवेदी व मंदिर व्यवस्थापक निलेश गुप्ता अपने परिवार के साथ मौजूद रहे।

वीरांगना अवंतीबाई को दी श्रद्धांजलि

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय क्रांति पार्टी ने बुधवार को चिनौर स्थित वीरांगना अवंतीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। देश की आजादी के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार कश्यप, शिवनंदन सागर, आकाश वर्मा, श्यामवीर, लालजीत वर्मा आदि मौजूद रहे।

बैठक में धर्मांतरण की घटनाओं पर चर्चा

खुदागंज। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की बैठक बुधवार को खुदागंज के महादेवन मंदिर पर हुई, जिसमें धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जिला विद्यार्थी प्रमुख राजीव कश्यप ने कहा कि नगर के आसपास सत्संग के नाम पर धर्मांतरण का कार्य तेजी से चल रहा है, संगठन ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा करता है। मुख्य वक्ता मोहित सिंह ने हिंदू समाज को एकजुट करने पर जोर दिया। प्रखंड अध्यक्ष गुरपाल सिंह ने बताया कि धर्मांतरण की घटनाओं के बारे में हर किसी को जानकारी करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। बैठक में नगर अध्यक्ष रिशु गुप्ता, धर्मेंद्र राठौर, अनुराग सिंह, अभिषेक जैन, आयुष प्रताप सिंह, अथर्व प्रताप सिंह, अभय सिंह, सुमित कुमार आदि मौजूद रहे।

बदायूं की घटना के विरोध में सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, जलालाबाद

एसडीएम डॉ. रविंद्र कुमार को ज्ञापन देते बजरंग दल कार्यकर्ता। • अमृत विचार

- **बजरंग दल ने एसडीएम से की पीड़ित परिवार को सुरक्षा व दो करोड़ की आर्थिक सहायता देने की मांग**

अमृत विचारः बदायूं के बाबा कॉलोनी में दो बालकों की हत्या के विरोध में राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने तहसील पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

एसडीएम डॉक्टर रविंद्र कुमार को दिए गए ज्ञापन में बताया कि बदायूं जिले के बाबा कॉलोनी में कट्टरपंथियों द्वारा दो बालकों की गला काटकर हत्या कर दी गई है। जिससे राष्ट्रीय बजरंग दल सहित हिंदू समाज में रोष व भय व्याप्त है। उन्होंने हत्यारों का एनकाउंटर किए जाने, पीड़ित हिंदू परिवार को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराए जाने एवं पीड़ित परिवार को दो करोड़ की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों के अर्पित गुप्ता, सुमित गुप्ता, हरिओम, गुड्डू गुज्जर, केतन सक्सेना आदि भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मौलवी की अंक तालिका वर्ष 2015 रोल नं. 1241318 जो यू.पी. बोर्ड ऑफ मदरसा एजूकेशनल लखनऊ व मदरसा जामिया अशरफिया मसूदुल उलूम छोटी तकिया बहराइच की थी, जो फोटो कॉपी कराने जाते समय रास्ते में कहीं गिर गई है जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **नसरीन बानो पुत्री श्री हदीस अहमद निवासी 50, तुलसी नगर, बरेली।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्रवधू मृदुल पत्नी स्व. वेद मित्र शर्मा के गलत आचरण व दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं। **रामदेव शर्मा "शास्त्री" पुत्र श्री लेखराज, निवासी- गोपाल नगर, बरेली।**

सूचना

मेरा सही नाम Lalita Devi है Lalita नहीं, कृपया मेरे पति के सेना रिकॉर्ड मैं सही करें। पत्नी. हवलदार किशोर आर्मी नंबर 3203891L, निवासी ग्राम. बासना, पोस्ट, होलावास - तहसील बानसूर, जिला अलवर, राजस्थान।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सैंपल लेने गई टीम का व्यापारियों से विवाद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कलान क्षेत्र में खाद्य पदार्थों के नमूने लेने पहुंची खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम का व्यापारियों से विवाद हो गया। व्यापारियों ने टीम को नमूने नहीं भरने दिए। बाद में नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे, तब जाकर व्यापारियों ने नमूने भरने दिए। बुधवार को खाद्य आयुक्त द्वितीय चंद्रशेखर मिश्र के नेतृत्व में टीम कलान पहुंची और नमूना भरने का प्रयास किया। टीम का नमूना भरने को लेकर कुछ व्यापारियों से विवाद हो गया। व्यापारियों ने टीम को नमूना लेने से रोक दिया। जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने एसडीएम कलान को फोन कर फोर्स की मांग की। एसडीएम ने नायब तहसीलदार और पुलिस को मौके पर भेजा। जिसके बाद टीम ने एक बेसन, एक तेल, एक दाल और एक बेसन का नमूना भरा। जिसको जांच के लिए लखनऊ लैब भेज दिया गया है।

वरुण अर्जुन के कैंप में ग्रामीणों ने कराई ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर में लगाया गया नि:शुल्क मेडिकल कैंप**

अमृत विचारः वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से मंगलवार को कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर में लगे मेले में निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। उठाया।

शिविर में लगभग 75 लोगों ने ब्लड शुगर की जांच की गई। साथ ही एमआरआई, सीटी स्कैन समेत अन्य जांचों के लिए डिस्काउंट कूपन भी वितरित किए गए। शिविर में मेडिकल कॉलेज की टीम के साथ मेडिकल व कॉलेज के पीआरओ रईसुद्दीन मौजूद रहे। पीआरओ ने लोगो को नियमित जांचे करवाने के लिए जागरूक भी किया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के 200 रुपये में परिवार स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाता है जो एक वर्ष के लिए मान्य है। परिवार स्वास्थ्य कार्ड के द्वारा ही ओपीडी का पर्चा निःशुल्क बनाया जाता है। साथ ही ऑपरेशन, दवाइयां, आईसीयू, वेंटीलेटर, डायलिसिस, एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड आदि की सुविधा 24 घंटे सस्ते दरों पर उपलब्ध है।

शिविर में जांच करते चिकित्सक।

सूचना

सूचित किया जाता है कि श्रीमती कटोरी देवी खंडेलवाल पुत्री स्व. प्रयाग दास धर्मपत्नी स्व. राजा राम खंडेलवाल, निवासी–आलमगिरी गंज, मोहल्ला नया टोला, बरेली से बजरिये बयनामा मकान नं. 559/ए, सिकलापुर, बरेली मुवर्खा 25 जून सन् 1964 में खरीद किया था, जिसकी रजिस्ट्री से क्रय किया मृत्यु से पूर्व अपनी वसीयत उर्मिला देवी के नाम कर दी। जिनकी मृत्यु दिनांक 21.01.2000 में हो गयी। उर्मिला देवी की मृत्यु दिनांक 03.10.2022 को हो गयी। मैं उर्मिला देवी का पोता हूँ। मेरे द्वारा या उसके परिवार के सदस्यों के द्वारा कपूरो देवी का मूल बयनामा किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था के पास ऋण के रूप में या किसी अन्य गारन्टी बैंक बन्धक नहीं रखा गया है और न ही किसी अन्य को दिया गया बयनामा काफी ढूंढने पर भी नहीं मिल पा रहा है। खोये हुए बयनामे का कोई उपयोगा करेगा तो गैर कानूनी माना जायेगा। यह सम्पत्ति मेरी व अन्य अनमोल अग्रवाल पुत्र श्री अतीश चन्द्र अग्रवाल, निवासी 428 गंगापुर बरेली द्वारा क्रय की जा रही है। **अनमोल पुत्र गोपाल, निवासी- 234, मेन मार्केट, वार्ड नं. 11, उधम सिंह नगर, रूद्रपुर उत्तराखण्ड**

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग–द्वितीय, बरेली
परिवाद सं.- 151/2023

नोटिस बनाम- Zonal/Regional Manager, Trinity multistate Co-operative Credit Society Ltd.
पता:- Near Chandralok Hospital, Pilibhit bypass Road, Bareilly

आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध श्रीमती नाजमा बानो पत्नी श्री जाकिर हुसैन मंसूरी निवासी 100, चौधरी तालाब, मस्जिद गौसियान के पास, बरेली ने दिनांक 03.08.2023 को एक शिकायत पत्र उभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत इस आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसकी प्रतिलिपि इस नोटिस के साथ संलग्न है।
अत: आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस सम्बन्ध में अपना उत्तर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा इस आयोग के समक्ष दिनांक 04.04.2024 को प्रात: 10:30 बजे तक प्रस्तुत करें तथा अपने कथन के समर्थन में जो अभिलेख दाखिल करना चाहें, दाखिल कर दें। यदि आप नोटिस मिलने पर अपना उत्तर उपरोक्त अवधि के अन्दर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो आपके विरूद्ध एक तरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 15.02.2024 को जारी किया गया।

आज्ञा से:- अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग–द्वितीय बरेली

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग–द्वितीय, बरेली
परिवाद सं.- 150/2023

नोटिस बनाम- Zonal/Regional Manager, Trinity multistate Co-operative Credit Society Ltd.
पता:- Near Chandralok Hospital, Pilibhit bypass Road, Bareilly

आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध श्री जाकिर हुसैन मंसूरी पुत्र श्री अनवार हुसैन मंसूरी निवासी 100, चौधरी तालाब, मस्जिद गौसियान के पास, बरेली ने दिनांक 03.08.2023 को एक शिकायत पत्र उभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत इस आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसकी प्रतिलिपि इस नोटिस के साथ संलग्न है।
अत: आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस सम्बन्ध में अपना उत्तर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा इस आयोग के समक्ष दिनांक 04.04.2024 को प्रात: 10:30 बजे तक प्रस्तुत करें तथा अपने कथन के समर्थन में जो अभिलेख दाखिल करना चाहें, दाखिल कर दें। यदि आप नोटिस मिलने पर अपना उत्तर उपरोक्त अवधि के अन्दर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो आपके विरूद्ध एक तरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 15.02.2024 को जारी किया गया।

आज्ञा से:- अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग–द्वितीय बरेली

प्रशिक्षण की विधाओं से बच्चों को लाभान्वित करें

शिक्षकों को प्रमाण पत्र देते प्रभारी प्राचार्य/डीआईओएस हरिवंश कुमार।

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय विज्ञान किट प्रशिक्षण का बुधवार को समापन हो गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य/डीआईओएस हरिवंश कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण में समझाई गई गतिविधियां और सैद्धांतिक बारीकियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, लिहाजा उनका शत प्रतिशत अनुपालन विद्यालयों में किया जाए।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वह प्रशिक्षण की विधाओं से बच्चों को लाभान्वित करें। इस अवसर पर डीआईओएस ने वरिष्ठ प्रवक्ता सोनिया गुप्ता, प्रशिक्षण प्रभारी बी एल मौर्य और नोडल सुभाष चंद्र सिंह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण में संदर्भदाता के रूप में रामसेवक शर्मा, नंदिनी कश्यप, अतुल कुमार, अनुराग गंगवार, कुलदीप, विनोद कुमार, संतोष कुमार आदि का सहयोग रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में टी आर गंगवार, राकेश कुमार पटेल, अतुल कुमार शुक्ला, अजीत कुमार मिश्रा, अंजनी कुमार भारती, अमित कुमार, वरुणा उपाध्याय, जमाल अख्तर, अमन कुमार आदि का सहयोग रहा।

सुपर स्पेशलिटी विभाग
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-24 बंथरा, शाहजहाँपुर द्वारा संचालित
पीडियाट्रिक सर्जरी एवं प्लास्टिक सर्जरी ओ.पी.डी.
अब शाहजहाँपुर में
हमारे विशेषज्ञ पीडियाट्रिक एवं प्लास्टिक सर्जन प्रत्येक दिन OPD में उपलब्ध रहेंगे।
समय- प्रातः 9:00 बजे से सायं 3:00 बजे तक
स्थान: पीडियाट्रिक सर्जरी ओ.पी.डी. कमरा नं. 202 / प्लास्टिक सर्जरी ओ.पी.डी. कमरा नं. 172 } रोहिलखण्ड अस्पताल, बंथरा
परामर्श शुल्क पर 80% की छूट ₹~~1000~~ ₹200
24 घण्टे उपलब्ध सविधायें
दूरबीन विधि द्वारा आपरेशन की सुविधा उपलब्ध
MRI, C.T. Scan एवं I.C.U. की सुविधा उपलब्ध

पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग से संबंधित बीमारियों के लक्षण :
हर्निया, हाईड्रोसिल, अंडकोष का सही स्थान पर न होना, अपेंडिक्स, शरीर व पेट में गांठे, जीव का तालु से चिपका होना, गर्दन के सुराग से पानी आना, गर्दन में को सूजन/गांठ, नाभी से खून आना, पानी आना, मल आना, नाभी का फूल जाना व गांठ होना, पेट की समस्या, लम्बे समय से पेट में दर्द या अचानक दर्द, पेट का बार-बार फूलना व अचानक फूलना, बार-बार उल्टी होना, जन्मजात मलद्वार का नहीं होना, मलद्वार सामान्य जगह पर नहीं होना या छोटा होना, मल में खून आना, मलद्वार में खून आना, मलद्वार की गांठ, मलद्वार बाहर निकलना, बच्चों की स्तन की गांठ, लड़कों के स्तन का असामान्य बड़ा होना, लिंग का तिरछापन, लिंग की खाल न खुलना, पेशाब के छेद का सामान्य स्थान पर न होना, पेशाब में बार-बार संक्रमण होना, गुर्दे में पानी भर जाना, सर में पानी भर जाना, रीड की हड्डी पर गांठ।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग से संबंधित बीमारियों के लक्षण :
- जन्मजात कटे-फटे होठ, तालू, मुँह व पैदाइशी निशानों की सर्जरी।
- जबड़े की हड्डियों के फ्रैक्चर व चेहरे की फटी चमड़ी की सर्जरी।
- जन्मजात विकृत जननांग व विकृत सिर की सर्जरी।
- जन्मजात कान, नाक का टेढ़ापन, चिपका या विकृत होने की सर्जरी।
- जन्मजात हाथों व पैरों की चिपकी उंगुलियों व पंजों की सर्जरी।
- जलने या दुर्घटना में फटे-कटे नाक, कान, होठ व कैंसर इलाज के घाव की सर्जरी।
- दुर्घटना में जलने व चोट के सभी प्रकार के निशानों की सर्जरी।
- स्तन, चेहरे व चमड़ी के कैंसर मुक्त टिशू की सर्जरी।
- चेहरे के दाग धब्बों आदि की कास्मेटिक सर्जरी।
- बिना दाग धब्बों के शरीर की किसी प्रकार की रसौली की सर्जरी।

- आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों के लिए भर्ती होने पर निःशुल्क इलाज की सुविधा।
- पं. दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा।
- परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा 200 में 1 वर्ष के लिए मान्य।
- ईसीएचएस एवं रेलवे के अंतर्गत कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- Mob. 7521001988, 7521001989

सुपर स्पेशलिटी विभाग
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-24 बंथरा, शाहजहाँपुर द्वारा संचालित
यूरो सर्जरी एवं न्यूरो सर्जरी ओ.पी.डी.
अब शाहजहाँपुर में
हमारे विशेषज्ञ यूरो सर्जन एवं न्यूरो सर्जन प्रत्येक दिन OPD में उपलब्ध रहेंगे।
समय- प्रातः 9:00 बजे से सायं 3:00 बजे तक
स्थान: यूरोलॉजी सर्जरी ओ.पी.डी. कमरा नं. 173 / न्यूरो सर्जरी ओ.पी.डी. कमरा नं. 182 } रोहिलखण्ड अस्पताल, बंथरा
परामर्श शुल्क पर 80% की छूट ₹~~1000~~ ₹200
24 घण्टे उपलब्ध सविधायें
दूरबीन विधि द्वारा आपरेशन की सुविधा उपलब्ध

यूरोलॉजी विभाग में सम्बन्धित बीमारियों के लक्षण :
- गुर्दे व गुर्दे की नली में पथरी।
- पेशाब की थैली में पथरी।
- पेशाब रुक-रुक कर आना।
- पेशाब का बार-बार आना।
- पेशाब में खून व पस आना।
- पेशाब दूधिया आना।
- पेशाब की नली में रुकावट होना।
- किडनी का कैंसर।
- पेशाब की थैली का कैंसर।
- Erectile disfunction (लिंग का ढीलापन)

आदि का समुचित उपचार

न्यूरो सर्जरी विभाग से सम्बन्धित बीमारियों के लक्षण :
सिर व दिमाग की चोट, ब्रेन हैमरेज, ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक, लकवा, माइग्रेन, दिमागी बुखार, दिमागी टी.बी., मिर्गी के दौरे, रीढ़ की हड्डी में दर्द अथवा टी.बी. स्लिप डिस्क, सियाटिका, दिमाग में पानी या खून का थक्का जमना, कमर व गर्दन में दर्द, चलने में लड़खड़ाहट इत्यादि। टाँग या पैर व त्वचा का सुन्न होना, कमर की नस दबना, टांगो में कमजोरी महसूस होना, कमर में दर्द होना, दर्द का बैठने या खाँसने पर गम्भीर होना इत्यादि रोगों का समुचित परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण :-
1. कान से कम सुना देना, आँख की रोशनी कम होना।
2. सर में दर्द, विशेष रूप से सुबह के समय होने वाला दर्द।
3. बार-बार उल्टी आना, मिर्गी आना, शरीर में कमजोरी आना व व्यवहार में परिवर्तन आदि।

- आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों के लिए भर्ती होने पर निःशुल्क इलाज की सुविधा।
- पं. दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा।
- परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा 200 में 1 वर्ष के लिए मान्य।
- ईसीएचएस एवं रेलवे के अंतर्गत कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बरेली संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222
हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

VARUN ARJUN UNIVERSITY
N.H.-24, Banthra, Shahjahanpur
Pharmacy PCI Approved
D.Pharm/B.Pharm
We focus on interdisciplinary research though collaboration with industry, medical college & develop students for future endeavors in healthcare We educate student to serve society by take care of challenges Pharmaceutical industry. We prepare our students for various competitions like exit Exam. Experienced and dedicated faculties are the hallmarks of our institute, who are continuously helping student in publishing research & obtaining patent.
Direct Admission Open
Session 2024-25
100% Placement
Admission Helpline:9455113105
Website:-www.varunarjunmedicalcollege.com, Email ID: varunarjun trust@gmail.com

संविधान में नहीं है आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लेख

- आदर्श चुनाव आचार संहिता राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिये बनायी गयी एकनियमावलीहै जिसका पालन चुनाव के समय आवश्यक है। चुनाव आचार संहिता चुनाव की तिथि की घोषणा से लागू होता है और यह मतदान के परिणाम आने पर समाप्त हो जाता है। इसका भारतीय संविधान में कोई उल्लेख नहीं है।

- सरकार लोक लुभावन घोषणाएँ नहीं करेगी।
- सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग की पाबंदी।
- जाति, धर्म व क्षेत्र से संबंधित मुद्दे नही उठा सकेंगे राजनीतिक दल
- चुनाव के दौरान धन-बल व बाहु-बल के प्रयोग पर रोक।
- आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी व्यक्ति को धन का लोभ न देना।
- आचार संहिता लागू हो जाने के बाद किसी भी योजनाओ को लागू नहीं कर सकते।

विकास के मुद्दे पर करेंगे वोट

लोकतंत्र के महासमर में पहली बार मतदान को लेकर उत्साहित हूं। मुझे पहली ही बार में केंद्र की सरकार चुनने का मौका मिल रहा है। पहला वोट विकास के मुद्दे पर करुंगा। जिले में रोजगार के अवसर सृजित करने वाला सांसद और केन्द्र में शिक्षा, समानता, सुरक्षा व रोजगार दे सकने सक्षम सरकार चुनने के लिए मतदान करुंगा।

– आशीष श्रीवास्तव, बरेली

बसपा को लोकसभा में चमत्कार की उम्मीद

टिमटिमा रही है दलित चेतना की लौ, बसपा की रणनीति पर टिकी राजनीतिक दलों की निगाहें

● लखनऊ कार्यालय

अमृत विचार : तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने जिस बहुजन समाज पार्टी के प्रदर्शन को लोकतंत्र के चमत्कार की संज्ञा दी थी। वह चमत्कार 2022 के विधानसभा चुनाव में नहीं दिखा। कारण काशीराम ने दलित चेतना की जो मशाल जलाई थी। वह अब दीपक बनकर टिमटिमा रहा है। बावजूद इसके सभी राजनीतिक दलों की निगाहें बसपा की रणनीति पर टिकी हुई हैं। तीन बार उत्तर प्रदेश में सरकार बना चुकी बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में मात्र एक सीट पर सिमट गई थी। उसके समक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019 का प्रदर्शन दोहराने के लिए चमत्कार करने जैसी चुनौती होगी। आंकड़े बताते हैं कि बसपा की दलित वोट बैंक पर वह पकड़ नहीं रही जो 2009 के लोकसभा चुनाव तक थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि उसे 19.43 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब उसने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया तो जरूर उसके सीटों की संख्या 10 तक पहुंच गई। चुनाव खत्म होते ही या गठबंधन टूट गया। जिसका खामियाजा बसपा को विधानसभा चुनाव में उठाना पड़ा। 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते बसपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सांसद दूसरे दलों में भागने लगे। कोई भाजपा में गया तो कोई कांग्रेस में तो किसी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। जो बचे हैं वह भी जाने की जुगत लगा रहे हैं। अब ऐसे सांसदों को चुनाव मैदान में शिकस्त देने के लिए बसपा चुनावी बिसात हर दांव आजमा रही है। यह चुनाव सिर्फ़ मायावती के लिए ही नहीं बल्कि उनके भतीजे जिसे उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है के लिए भी अग्नि परीक्षा साबित होने जा रहा है। प्रत्याशी में घोषणा में सबसे आगे रहने वाली बसपा इस चुनाव में अभी तक चंद सीटों पर ही अपना उम्मीदवार उतार सकी है।2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने अंबेडकर नगर, अमरोहा, बिजनौर, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर लालगंज, सहारनपुर, श्रावस्ती तथा नगीना सीट जीती थी। इन सीटों पर फिर से काबिज होने के लिए बसपा की जद्दोजहद जातीय समीकरणों पर ही टिकी हुई है। बसपा इस बात के लिए पूरा प्रयास कर रही है कि जो सांसद पार्टी छोड़कर गए वह किसी तरह भी दोबारा सदन में न पहुंच सकें। फिलहाल बहुजन समाज पार्टी इस बार पूरे उत्तर प्रदेश में अकेले दम पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। इसका मूल कारण यह है कि समाजवादी पार्टी के समर्थन से चुनाव लड़ने के दौरान उनके कई नेता और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के ही होकर रह गए। पार्टी एक बार फिर से नए सिरे से पूरे प्रदेश में संगठन खड़ा करना चाहती है। ताकि अगले विधानसभा चुनाव में वह पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतर सके।

बसपा का प्रदर्शन एक नजर में

1996	6 सीट	20.6
1998	4 सीट	20.9
1999	14 सीट	22.08
2004	19 सीट	24.67
2009	20 सीट	27.42
2014	00 सीट	19.77
2019	10 सीट	19.43

2019 में बसपा से जीते सांसद

अंबेडकर नगर	रितेश पांडे
अमरोहा	कुंवर दानिश अली
बिजनौर	चौधरी बृजेंद्र सिंह
गाजीपुर	अफजाल अंसारी
घोसी	अतुल कुमार सिंह
जौनपुर	श्याम सिंह यादव
लालगंज	संगीता आजाद
सहारनपुर	हाजी फजलुर रहमान
श्रावस्ती	राम शिरोमणि
नगीना	गिरीश चंद्र

कमलकांत उपमन्यु होंगे बसपा से लोकसभा प्रत्याशी

मथुरा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मथुरा में पंडित कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट को लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। पंडित कमलकांत उपमन्यु वर्ष 1999 में बसपा से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। वे छावनी परिषद मथुरा के पूर्व पार्षद पूर्व वाइस चेयरमैन एवं सिविल एरिया और फाइनेंस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा अधिवक्ता भी है। उनके बसपा से मथुरा का प्रत्याशी बनने के बाद रोचक राजनीतिक मुकाबला होगा। भाजपा ने इस सीट पर दो बार की सांसद सिने तारिका स्टार प्रचारक हेमामालिनी को चुनाव मैदान में उतारा है।

अन्नाद्रमुक ने लोकसभा चुनाव के लिये डीएमडीके से समझौता किया

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने बुधवार को डीएमडीके के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया। डीएमडीके की स्थापना अभिनेता-राजनेता 'कैप्टन' विजयकांत ने की थी, जिनका हाल ही में निधन हो गया। यहां पार्टी मुख्यालय में चुनावी समझौते की घोषणा करते हुए, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि डीएमडीके तिरुवल्लूर (एससी), मध्य चेन्नई, कुड्डालोर, तंजावुर और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी। डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने अन्नाद्रमुक को स्वाभाविक सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि 2011 के विधानसभा चुनाव की तरह एक बार फिर बड़ी जीत वाला गठबंधन बन गया है। उन्होंने कहा, यह विजयी गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा।

साइकिल से वोट मांगते थे रामप्रकाश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। किसी भी चुनाव में अब प्रत्याशी के साथ कारों का काफिला होता है और सैकड़ों लोग उसके आगे-पीछे होते हैं। हाईटेक प्रचार होता है तो सोशल मीडिया पर मनुहार होती है। पहले ऐसा नहीं होता था। प्रत्याशी अपने कुछ समर्थकों के साथ गांव जाते थे और पैदल घर-घर जाकर और खेत-खलिहानों में वोट मांगते थे। कन्नौज से सांसद रहे रामप्रकाश त्रिपाठी तो साइकिल से वोट मांगने जाते थे और जहां रात हो जाती थी, उसी गांव में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाते थे।

बात 1977 के लोकसभा चुनाव की है। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से लोकदल से रामप्रकाश त्रिपाठी उम्मीदवार थे। क्षेत्र के बुजुर्ग बताते थे कि रामप्रकाश त्रिपाठी ने नामांकन करने के बाद घर का मुंह नहीं देखा था और साइकिल से ही क्षेत्र का भ्रमण करते थे। वह साइकिल से कुछ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह निकलते थे। उस समय अधिकतर लोग खेतों और खलिहानों में रहते थे तो वोट मांगने के लिए वहां जाना पड़ता था। जिस गांव में रात हो जाती उनका डेरा वहीं जम जाता था। रात में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर चुनावी चर्चा करते थे। यही वजह थी कि उस चुनाव में वह सबसे अधिक वोटों से जीते थे।

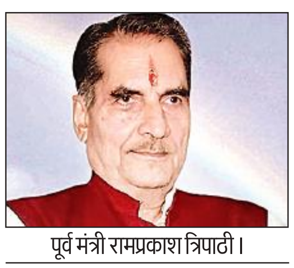

पूर्व मंत्री रामप्रकाश त्रिपाठी।

गुड़ व सत्तू साथ लेकर चलते थे

भारतीय जनसंघ के पूर्व कार्यकर्ता 88 वर्षीय मन्नीलाल द्विवेदी बताते हैं कि रामप्रकाश त्रिपाठी हमेशा अपने साथ देसी गुड़ और सत्तू लेकर चलते थे। प्रचार के दौरान भूख लगने पर किसी कुएं या रहट के पास सत्तू बनाकर खाते थे। उनके साथ कार्यकर्ता भी सत्तू खाकर अपनी भूख मिटाते थे।

पेट्रोमेक्स की रोशनी में लगती थी चौपाल

राजकिशोर द्विवेदी बताते हैं कि पहले गांवों में बिजली नहीं थी। ऐसे में रात के समय किसी सार्वजनिक स्थान पर चौपाल लगती थी, जिसमें रोशनी के इंतजाम के लिए गांव के लोग मिट्टी के तेल से जलने वाली पेट्रोमेक्स जलाते थे, जिसमें रेशम के धागों से बना मेंटल बर्नर लगता था और पंप से हवा भरी जाती थी। गांव के मुखिया इसका इंतजाम करते थे।

विरोधियों में दिखता था राजनीतिक शिष्टाचार

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष देवप्रकाश पालीवाल बताते हैं कि उस दौर में विरोधियों में राजनीतिक शिष्टाचार प्रबल था। लोकदल प्रत्याशी रामप्रकाश त्रिपाठी और जनता दल के प्रत्याशी छोटे सिंह यादव जब प्रचार के दौरान आमने-सामने आ जाते थे, तो छोटे सिंह उनके पैर छूकर जीत का आशीर्वाद मांगते थे और सहृदय रामप्रकाश त्रिपाठी उन्हें खुले मन से आशीर्वाद दे देते थे।

55 साल से मचल रही रियासत की सियासत

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

अमृत विचार : लोकसभा के 72 साल के चुनावी सफर में बाहर से लेकर अंदर तक के कई सूरमा आए और जीत कर इतिहास रचा, लेकिन इस 72 साल के इतिहास में 55 साल पहले मनकापुर रियासत की राजनीति में इंट्री हुई तो आज तक जारी है। पहले चार कार्यकाल मनकापुर के कुंवर आनंद सिंह फिर उनके पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह सियासत के मैदान में उतरे। पिता के बराबर कीर्तिवर्धन सिंह भी चार बार सांसदी का चुनाव जीत चुके हैं। 1998 में राजनीतिक सफर शुरू करने वाले कीर्तिवर्धन सिंह को दो बार हार का भी सामना करना पड़ा। अब 2024 में सातवीं बार भाजपा के टिकट पर फिर मैदान में हैं। इस बार हैट्रिक लगेगी या नहीं यह मतदाताओं के मूड पर है।1951-52 में जब पहला चुनाव हुआ तो वैरिस्टर हैदर हुसैन, 1957 में दिनेश प्रताप सिंह, 1962 में रामरतन गुप्ता, 1967 में सुचेता कृपलानी ने जीत हासिल की। ये सभी लोग गोंडा जिले के बाहर के थे। लेकिन मनकापुर रियासत के राजा कुंवर आनंद सिंह का चुनाव में प्रवेश हुआ और 1971 में कांग्रेस के टिकट पर उन्होंने जीत हासिल की। आनंद सिंह भारतीय जनता दल के प्रत्याशी रहे देवेंद्र प्रताप सिंह से मात्र 631 मत से जीते और राजनीति में अपनी भागीदार तय कर दी। लेकिन 1977 में बीएलडी से प्रत्याशी रहे सत्यदेव सिंह से चुनाव हार गए। सत्यदेव सिंह ने आनंद सिंह को 71 हजार के करीब वोटों से शिकस्त दी। लेकिन राजनीति के इस उतार चढ़ाव में आनंद सिंह ने हौसला नहीं छोड़ा और 1980 में गोंडा सीट पर फिर काबिज हो गए। इस बार उन्होंने जेएनपी से कौशलेंद्र दत्त को भारी मतों से शिकस्त दी। इसके बाद 1984 तथा 1989 में भी हैट्रिक लगाकर चुनाव जीत गए। 1984 में एलकेडी से लड़ रहे दीप नरायन को चुनाव हराया और 89 में जनता दल से फजलुलबारी उर्फ बन्ने भाई को शिकस्त दी। 1991 भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से उदय हो गया और राम जन्मभूमि आंदोलन में शिरकत करने वाले बृजभूषण शरण सिंह की राजनीति में इंट्री हुई। इसमें बृजभूषण शरण सिंह ने आनंद सिंह से कुर्सी छीन ली। इसके बाद कुंवर आनंद सिंह कांग्रेस छोड़ समाजवादी पार्टी में चले गए और 1996 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़े। इस बार भी उन्हें बृजभूषण शरण सिंह की पत्नी केतकी सिंह के हाथ से शिकस्त मिली। इसे देख राजनीति के पितामह कहे जाने वाले आनंद सिंह के पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह ने राजनीति में प्रवेश किया। और 1998 में कीर्तिवर्धन सिंह ने बृजभूषण शरण सिंह को हराकर अपने पिता की हार का बदला ले लिया। कीर्तिवर्धन सिंह ने सपा से चुनाव लड़ा था। लेकिन एक साल बाद 1999 में फिर हुए चुनाव में कीर्तिवर्धन सिंह को बृजभूषण सिंह ने फिर चुनाव हरा दिया। 2004 के आते ही भाजपा ने बृजभूषण सिंह को बलरामपुर सीट से चुनाव लड़ाया और गोंडा से घनश्याम शुक्ला भाजपा से चुनाव लड़े लेकिन इसमें कीर्तिवर्धन सिंह चुनाव जीत गए। 2009 में हुए परिसीमन से गोंडा लोकसभा का परिदृश्य बदल गया। इसमें बेनी मात्र 23 हजार वोट से जीत गए। इसके बाद रियासत खानदान को बसपा रास नहीं आई और वह 2014 में पलटी मारते हुए भाजपा का दामन थाम लिया। 2014, 2019 में वह भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते और भाजपा के टिकट पर तीसरी बार मैदान में हैं। जिनका मुकाबला इस बार इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी बेनी प्रसाद वर्मा की पौत्री श्रेया वर्मा से होगा।

पिता पुत्र के हाथ में रही आठ बार सांसद की कुर्सी

कुंवर आनंद सिंह।

रियासत की इमारत।

कीर्तिवर्धन सिंह।

भगवा प्रेम में गंवानी पड़ी थी राजा को कुर्सी

2014 में समाजवादी पार्टी की सूबे में सपा की सरकार थी। इसमें कुंवर आनंद सिंह कृषि मंत्री रहे और सपा में उनकी कद्दावर नेताओं में गिनती थी। लेकिन पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह के भगवा प्रेम के कारण आनंद सिंह को कृषि मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद आनंद सिंह ने राजनीति से सन्यास ही ले लिया।

वर्ष	सांसद	दल
1951	चौधरी हैदर हुसैन	कांग्रेस
1957	दिनेश प्रताप सिंह	कांग्रेस
1962	राम रतन गुप्ता	कांग्रेस
1967	सुचेता कृपलानी	कांग्रेस
1971	आनंद सिंह	कांग्रेस
1977	सत्यदेव सिंह	बीएलडी
1980	आनंद सिंह	कांग्रेस
1984	आनंद सिंह	कांग्रेस
1989	आनंद सिंह	कांग्रेस
1991	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
1996	केतकी सिंह	भाजपा
1998	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
1999	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
2004	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
2009	बेनी प्रसाद वर्मा	कांग्रेस
2014	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा
2019	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा

85 साल, 17 लोकसभा चुनाव, संसद पहुंचीं मात्र दो महिलाएं

गंगादेवी पहली तो प्रियंका रावत चुनीं गईं थी दूसरी महिला सांसद

आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने का पार्टियों में नहीं रहा विश्वास

आधी आबादी को पूरी भागीदारी का वादा भले ही सभी राजनीतिक दल कर रहे हों। लेकिन आजादी के बाद हुए सत्रह चुनाओं में सिर्फ दो बार महिलाओं को प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। उनमें भी जीतकर सदन में पहुंची महिला सांसद को दोबारा चुनाव लड़ने का अवसर ही नहीं दिया गया। प्रस्तुत है बाराबंकी से **रीतेश श्रीवास्तव की रिपोर्ट...**

गंगा देवी

प्रियंका सिंह रावत

बाराबंकी लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस समय यह सीट भारतीय जनता पार्टी के कब्जे में है। पहले इस सीट को कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था। इस आम चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया की साख दांव पर लगी हुई है।

प्रमुख दलों की बात करें तो इसमें से पांच बार कांग्रेस ने इस सीट पर विजय पताका फहरायी है। दो बार समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है जबकि दो बार भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। एक बार बसपा प्रत्याशी भी यहां से जीतने में कामयाब रहा है। अब तक सिर्फ दो बार महिलाएं सांसद के रुप में चुनकर संसद पहुंची हैं।

बाराबंकी लोकसभा सीट पर सबसे पहले 1952 में गंगा देवी चुनाव जीत कर संसद पहुंचने वाली पहली महिला बनीं थी। 62 साल के इंतजार के बाद 2014 में भाजपा के टिकट पर प्रियंका रावत ने जीत हासिल कर इस सूखे को खत्म किया था। 1989, 1991 और 1996 में रामसागर रावत ने इस सीट पर जीत दर्ज करके जीत की हैट्रिक लगाई थी। वर्ष 1998 में पहली बार भाजपा का इस सीट पर खाता खुला था। तब बैजनाथ रावत ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी।

अगले चुनाव में राम सागर रावत ने सपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी। 2004 में बसपा के कमला प्रसाद को जीत मिली थी लेकिन 2009 में कांग्रेस के पीएल पुनिया 25 साल बाद इस सीट से जीत दर्ज करके सांसद निर्वाचित हुए। लेकिन 2014 में भाजपा की प्रियंका रावत ने जीत दर्ज की।

53 लोकसभा सीट बाराबंकी से अब तक चुने गए सांसद

वर्ष	प्रत्याशी का नाम	पार्टी	वोट
2019	उपेंद्र सिंह रावत	भाजपा	5,35,917
2014	प्रियंका सिंह रावत	भाजपा	4,54,214
2009	डॉ.पीएल पुनिया	कांग्रेस	328418
2004	कमला प्रसाद	बीएसपी	1,96,370
1999	राम सागर	समाजवादी	2,10,958
1998	बैजनाथ रावत	भाजपा	2,28,368
1996	राम सागर	समाजवादी	1,80,912
1991	राम सागर	जेपी	1,21,803
1989	राम सागर	जेडी	1,99,180
1984	कमला प्रसाद	कांग्रेस	2,02,790
1980	राम किंकर	जेएनपी(एस)	1,35,481
1977	राम किंकर	बीएलडी	2,06,061
1971	कुंवर रुद्र प्रताप सिंह	कांग्रेस	1,52,477
1967	आर एस यादव	एसएसपी	1,18,233
1962	राम सेवक यादव	एसओसी	76,545
1957	स्वामी रामानंद	कांग्रेस	1,58,270
1952	गंगा देवी	कांग्रेस	1,23,427

चुनाव को रोचक बनाते थे नारे...

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

● **दमदार नारों से हमेशा चुनावी मैदान में ताल ठोकते रहे हैं धुरंधर**

अमृत विचार: किसी भी पार्टी के प्रत्याशी को जीत हासिल करने में नारों की भी अहम भूमिका रही है। हर बार नारे बदलते रहे। पक्ष और विपक्ष कटाक्ष करते हुए नारे तैयार करता था और शहर से लेकर गांव तक पहुंच कर इन नारों के माध्यम से चुनाव में वैतरणी पार की जाती थी, लेकिन अब नारों की अहमियत कम हो रही है।

एक नारा ऐसा था जो हर प्रत्याशी के समर्थन में लगाया जाता था 'कोई नहीं टक्कर में क्यों पड़े हो चक्कर में।' लेकिन जैसे-जैसे चुनाव का परिदृश्य बदला नारों की अहमियत भी कम होने लगी और इसकी जगह नोट और बाहुबल ज्यादा दिखने लगा। आजादी के बाद 1952 में जनसंघ की स्थापना हुई। जनसंघ का चुनाव निशान था दीपक। उस दौरान नारा दिया गया 'हर हाथ को काम हर खेत को पानी, घर-घर दीपक जनसंघ की निशानी।' 1967 के चुनाव में जनसंघ का नारा था 'उज्ज्वल भविष्य की है तैयारी, बच्चा-बच्चा अटल बिहारी'। वर्ष 1974 में इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं और महंगाई चरम पर थी। उस दौरान हुए चुनाव में इंदिरा और महंगाई को लेकर विपक्ष ने नारा दिया 'ये देखो इंदिरा का खेल, खा गईं राशन पी गई तेल।' वर्ष 1980 में ऐसा दौर भी आया जब कई नेताओं ने कांग्रेस को छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वाइंट कर ली। इसे लेकर भी नारा बना 'दलबदलू फंसा शिकंजे में मुहर लगेगी पंजे में।' 1985 में कांग्रेस शासन के दौरान चीनी की कीमत सात रुपये किलो तक पहुंच गई थी, जबकि उसके पहले की सरकार में चीनी तीन रुपये किलो थी। विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियों ने नारा दिया 'चीनी मिलेगी सात पर जल्दी पहुंचोगे खाट पर, इंदिरा जी की बात पर पहुंच जाओगे घाट पर। वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का नारा था 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार।' वर्ष 1996 के विधानसभा चुनाव में बसपा का नारा था 'चढ़ गुंडन की छाती पर, बटन दबाओ हाथी पर'। इसके जवाब में विपक्ष ने नारा दिया 'चढ़ बहुजन के हाथी पर, गोली मारो छाती पर। बुजुर्ग एवं राजनीति में सक्रिय रहने वाले 80 वर्षीय हरिश्चंद्र सिंह बताते हैं कि पहले नारों की बहुत अहमियत थी। अब तो लोभ और लालच दे दिया जाता है। नारे लगते थे रैलियां निकलती थीं और जोश के साथ लोग नारे लगाते हुए आगे बढ़ते थे। इन्हीं नारों से चुनाव की नैया पार लगती थी।

भाजपा प्रत्याशी पर टिकीं सबकी निगाहें

हाईप्रोफाइल सीट सुलतानपुर में मेनका या फिर कोई और ...

गठबंधन से सपा ने भीम निषाद को बनाया है उम्मीदवार, भाजपा की जारी दो सूची में मेनका गांधी का नाम न होने से मिल रही हवा

मनोज कुमार मिश्र, सुलतानपुर

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। सभी राजनीतिक दलों में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन तकरीबन अंतिम चरण में है। भाजपा की दो सूची में सांसद मेनका गांधी का नाम नहीं होने से सुलतानपुर लोकसभा सीट सर्वाधिक चर्चित सीटों में शुमार हो गई है। भाजपा के दावेदारों से लेकर अन्य दलों तक की निगाह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के रुख पर टिकी है। सब पर पल-पल भारी पड़ रहा है। चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूर्व में अमेठी का जिला मुख्यालय होने के कारण गांधी-नेहरू फैमिली की आमद-रफ्त यहां होती रही है। संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी तक नामांकन के लिए यहां आते रहे हैं। अमेठी से बिल्कुल सटी होने के कारण इसका खास रुतबा रहा। रायबरेली, अमेठी के साथ ही इस सीट के प्रत्याशी पर भी गांधी नेहरू परिवार ही अंतिम मुहर लगाता था। वरुण गांधी और मेनका गांधी के यहां से चुनाव लड़ने के बाद सियासी लिहाज से यह सीट और अहम हो गयी। वर्तमान में मेनका संजय गांधी यहां से सांसद हैं, लेकिन मौजूदा चुनाव में उनकी उम्मीदवारी चर्चा का विषय बनी है। नेपथ्य में इसकी वजह उनके पुत्र वरुण गांधी को माना जा रहा है। पिछले पांच सालों में उन्होंने कई बार अपनी ही सरकार के खिलाफ बोलकर पार्टी को असहज किया है। वरुण के रुख से भाजपा में ही मेनका गांधी के विरोधियों के साथ ही नए दावेदार भी टिकट के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हैं। यहां से भाजपा प्रत्याशी के रूप में सरोजनीनगर लखनऊ के विधायक राजेश्वर सिंह, पिछली बार गठबंधन से बसपा उम्मीदवार रहे पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू, रायबरेली के ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय, लंभुआ के पूर्व भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व जिले के मूल निवासी प्रेम शुक्ला, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व विधान परिषद सदस्य डा. वीणा पांडेय समेत कुछ अन्य नाम चर्चा में हैं। फिलहाल भाजपा यहां से अगर फिर जीतती है तो उसकी हैट्रिक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड भी बनेगा।

मां मेनका गांधी के साथ वरुण गांधी।

दो बार भाजपा ने दर्ज की जीत

2014

वरुण फिरोज गांधी भाजपा	4,10,348
पवन पांडेय बसपा	2,31446
शकील अहमद सपा	2,28144
अमिता सिंह कांग्रेस	41,983

2019

मेनका संजय गांधी भाजपा	4,58,196
चंद्रभद्र सिंह सोनू बसपा	4,44,670
डॉक्टर संजय सिंह कांग्रेस	41,681

कब कौन बना सांसद

सन	विजयी प्रत्याशी	पार्टी
1952	काजिम अली	कांग्रेस
1957	गोविंद मालवीय	कांग्रेस
1961	गनपत सहाय (उप चुनाव)	निर्दलीय
1962	कुंवर कृष्ण वर्मा	कांग्रेस
1967	गनपत सहाय	निर्दलीय
1969	श्रीपति मिश्र (उप चुनाव)	बीकेडी
1971	केदारनाथ सिंह	कांग्रेस
1977	जुल्फिकार उल्ला	जनता पार्टी
1980	गिरिराज सिंह	कांग्रेस
1984	राज करन सिंह	कांग्रेस
1989	रामसिंह	जनता दल
1991	विश्वनाथ दास शास्त्री	भाजपा
1996	देवेंद्र बहादुर राय	भाजपा
1998	देवेन्द्र बहादुर राय	भाजपा
1999	जयभद्र सिंह	बसपा
2004	मो. ताहिर खान	बसपा
2009	संजय सिंह	कांग्रेस
2014	वरुण गांधी	भाजपा
2019	मेनका गांधी	भाजपा

चुनाव कमाल का...

- 1971 में विपक्ष के 'इंदिरा हटाओ' नारे पर इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा भारी पड़ा। उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस ने लोकसभा की 545 सीटों में से 352 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस (ओ) के खाते में सिर्फ 16 सीटें ही आईं। भारतीय जनसंघ ने चुनाव में 22 सीटें जीतीं। सीपीआई ने चुनाव में 23 सीटें जीतीं। जबकि सीपीआईएम के खाते में 25 सीटें आईं।
- 1977 जनवरी 23 ही वो दिन था जब अचानक इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के जरिए देश में आम चुनाव की घोषणा की। देश में तीन दिन में ही चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव 16 से लेकर 19 मार्च 1977 के बीच हुए।
- 22 मार्च 1977 को आए चुनाव नतीजे ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को मात्र 153 सीटें ही मिली थीं। इस चुनाव में पूरा विपक्ष समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में गोलबंद हुआ था। जनता पार्टी को चुनाव चिन्ह नहीं मिल पाया था, जिसकी वजह से पार्टी ने 'भारतीय लोक दल' के चिन्ह "हलधर किसान" पर चुनाव लड़ा और 298 सीटें जीतीं।

चुनावी तीर

मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा सीट हैं, लेकिन कांग्रेस के बड़े से बड़े नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस ने पद यात्रा निकाली, जहां-जहां से यात्रा निकली, लोग कहते हैं कांग्रेस छोड़ो यात्रा थी और वो जहां-जहां गए लोग कांग्रेस छोड़ते चले गये।

-डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भाजपा ने जे.पी. पटेल को खूब सम्मान दिया और सचेतक भी बनाया। भाजपा में उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल था। लेकिन, जब वह अपने राजनीतिक करियर को डुबोने के लिए डूबते जहाज पर सवार होना चाहते हैं तो हम क्या कर सकते हैं? उनके कांग्रेस में शामिल होने से चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

-प्रतुल शाहदेव, भाजपा प्रवक्ता

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन स्वार्थ पर आधारित है और इसका उनकी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह राजधानी की सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं और 10 साल के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं। अबकी बार 400 पार केवल नारा नहीं है बल्कि एक संकल्प है जिसे वास्तविकता में बदला जाएगा।

- बांसुरी स्वराज, भाजपा प्रत्याशी दिल्ली

सल्तनत समाजवादियों की, अब भाजपा के पक्ष में

सियासी समीकरण

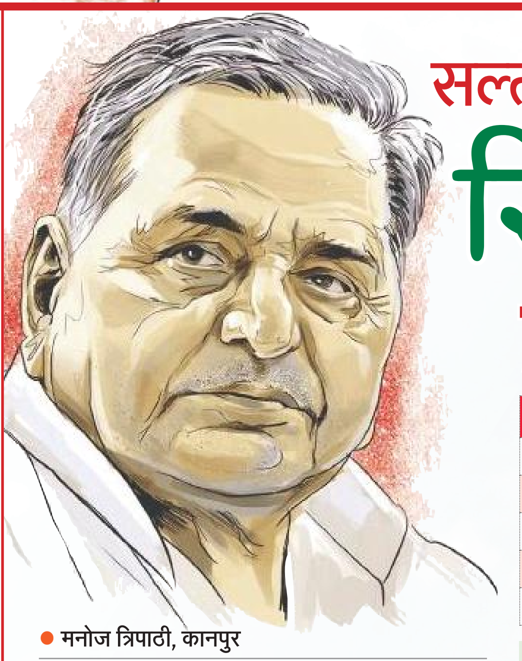

7 बार जसवंतनगर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए मुलायम सिंह

1989 में बसपा के संस्थापक कांशीराम को इसी सीट से मिली थी एकलौती जीत और पहुंचे थे संसद में

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2022 विस	41.6	37.0	17.3	1.10
2019 लोस	51.1	44.8	----	----
2017 विस	40.7	28.8	25.3	----
2014 लोस	46.8	28.4	20.5	1.4

विधानसभा	भाजपा	सपा
इटावा सदर	1,21,783	89,704
भरथना सु.	1,07,551	1,20,940
दिबियापुर	90,461	88,849
औरैया सु.	95,564	84,239
सिकंदरा	1,04,315	72,225

● मनोज त्रिपाठी, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा की सूबे में हॉट सीट इटावा में चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे। कानपुर मंडल का यह जिला कभी प्रदेश की राजनीति की धुरी था। नेताजी मुलायम सिंह यादव और वर्तमान में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जन्म और कर्मस्थली के रूप में पहचान वाले इस जिले को यादव लैंड भी कहा जाता है। मुलायम सिंह जिले की जसवंतनगर विधान सभा सीट से सात बार विधायक चुने गए, जबकि उनके भाई शिवपाल सिंह यादव चार बार इसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। हालांकि जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र इटावा लोकसभा में नहीं आता है और मैनपुरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है।

इटावा सुरक्षित लोकसभा सीट है। इसमें तीन ज़िलों की पांच विधानसभा सीटें शामिल है। कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा, औरैया जिले की औरैया और दिबियापुर तथा इटावा जिले की भरथना और सदर विधान सभा सीट को मिलाकर इटावा लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। दो सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के डॉ राम शंकर कठेरिया विजयी रहे थे। उन्होंने सपा के कमलेश कठेरिया को 64,359 वोटों से हराया था।

इटावा लोकसभा सीट कांग्रेस के एकाधिकार वाले जमाने में भी समाजवादियों के गढ़ जैसी रही है। 1957 में यहां से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत हासिल की थी। हालांकि 1962 में कांग्रेस के गोपीनाथ दीक्षित ने सोशलिस्ट पार्टी को मात दी, लेकिन 1967 में अर्जुन सिंह भदौरिया ने वापस सीट कांग्रेस से छीन ली। 1971 में कांग्रेस के श्रीशंकर तिवारी विजयी रहे पर 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर एक बार फिर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत का परचम लहरा दिया। इसके बाद 1980 में जनता पार्टी के राम सिंह शाक्य फिर 1984 में कांग्रेस के चौ. रघुराज सिंह जीते। 1989 के चुनाव में जनता दल से दोबारा राम सिंह शाक्य के बाद इटावा ही वह एकलौती लोकसभा सीट रही जहां से 1989 में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को जीत मिली और वह संसद में पहुंचे। 1996 में यहां से सपा के टिकट पर तीसरी बार राम सिंह शाक्य सांसद बने। लेकिन 1998 में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरीं सुखदा मिश्रा ने जीत के साथ पहली बार यहां भाजपा का झंडा फहरा दिया। लेकिन 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह तो 2009 में प्रेमदास कठेरिया सफल रहे। 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने पुनः इस सीट पर कब्जा किया और उसके प्रत्याशी अशोक दोहरे विजयी रहे। 2019 में भाजपा ने आगरा से दो बार सांसद रहे डॉ राम शंकर कठेरिया को इटावा से टिकट दिया तो उन्होने पार्टी का कब्जा इस सीट पर बरकरार रखा। इस बार फिर भाजपा ने भरोसा जताते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित किया है। सपा ने इस बार यहां से जितेंद्र दोहरे को टिकट दिया है।

दलित बाहुल्य पर यादव-मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में

इटावा लोकसभा सीट पर 18 लाख से ज्यादा कुल मतदाताओं में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग पांच लाख है। ब्राह्मण मतदाता दो लाख से कुछ ज्यादा तो यादव वोटर लगभग दो लाख और मुस्लिम मतदाता डेढ़ लाख तक हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इटावा में 58 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। सपा के कमलेश कठेरिया को 4 लाख 57 हजार 454 वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा के डॉ रामशंकर कठेरिया को 5 लाख 21 हजार 815 वोट मिले थे। भाजपा ने सांसद अशोक कुमार दोहरे का टिकट काटकर डॉ. राम शंकर कठेरिया को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर आए अशोक कुमार दोहरे को टिकट थमा दियाथा। 2014 के लोकसभा चुनाव में इटावा सीट पर 55.04 फीसदी मतदान हुआ था। भाजपा के अशोक कुमार दोहरे ने सपा के प्रेमदास कठेरिया को एक लाख 72 हजार 946 वोटों से मात देकर जीत हासिल की थी। अशोक कुमार दोहरे को 4,39,646 वोट मिले थे, जबकि प्रेमदास कठेरिया ने 2,66,700 वोट पाए थे। बसपा के अजय पाल सिंह जाटव को 1,92,804 वोट हासिल हुए थे। कांग्रेस उम्मीदवार हंस मुखी कोरी 13397 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे थे।

2019 में भरथना विधानसभा पिछड़ गई थी भाजपा

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भरथना सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र में सपा ने बढ़त बनाई थी, हालांकि अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा आगे रही थी। विधानसभा वार दोनों दलों के प्रत्याशियों को मिले मत इस प्रकार थे।

नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों से हारे थे धर्मेंद्र यादव

● प्रदीप सक्सेना, बदायूं

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। जिले में तीसरे चरण 7 मई को मतदान होना है। सपा ने धर्मेंद्र की जगह शिवपाल यादव प्रत्याशी घोषित किया है। अभी भाजपा और बसपा के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होना शेष है। बदायूं लोकसभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। हालांकि 2019 में सपा उम्मीदवार को 18 हजार से कुछ अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा था। तब करीब 19 हजार वोट नोटा और निर्दलीय उम्मीदवारों को तिले थे। वहीं राजनीतिक पंडित सपा बसपा के बीच गठबंधन होने से लोगों की नाराजगी को भी सपा उम्मीदवार की होने की वजह बता रहे हैं। बहरहाल शिवपाल के आने से मुकाबला दिलचस्प होगा।

1951 से 2014 तक हुए लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक छह बार जीत दर्ज की है। 2014 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव एक लाख 40 हजार से अधिक वोटों से जीते थे। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने 28 वर्षों से चले आ रहे सूखे को खत्म करते हुए जीत दर्ज की थी। सपा के धर्मेंद्र यादव की हार में नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को बजह माना जा सकता है। उस समय चार निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। उन्हें 10621 वोट मिले थे। वहीं 8606 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। निर्दलीय और नोटा को कुल 19,227 वोट पड़े थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्य की जीत 18,454 वोटों से हुई थी।

2019 के चुनाव में 18000 से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी की हुई थी हार

19,000 से अधिक मिले थे वोट नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को

2019 के चुनाव में यह रहा था परिणाम

भाजपा	5,11,352
समाजवादी पार्टी	4,92,898
कांग्रेस	51,947
ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लाक	4,347
निर्दलीय उम्मीदवार	10,621
कल्याणकारी जनता पार्टी	1,336

कैराना से चार बार महिलाएं बनी सांसद

सहारनपुर

- किसी भी प्रमुख पार्टी ने इस बार महिला को नहीं बनाया है अपना उम्मीदवार
- सहारनपुर सीट कभी भी कोई महिला सांसद नहीं हुई निर्वाचित

पहले नंबर की लोकसभा सीट सहारनपुर को इस बात के लिए भी जाना जाता है कि आजादी के बाद से हुए लोकसभा चुनावों में कभी भी यहां से कोई महिला सांसद निर्वाचित नहीं हुई है। दूसरी ओर इसी मंडल की कैराना सीट इस मामले में सौभाग्यशाली है कि वहां से चार बार महिलाएं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। इनमें सबसे पहले 1980 में प्रधानमंत्री रहे चौधरी चरणसिंह की पत्नी गायत्री देवी, रालोद से अनुराधा चौधरी और दो बार तबस्सुम हसन लोकसभा चुनाव जीती।

तबस्सुम हसन एक बार समाजवादी पार्टी से और दूसरी बार राष्ट्रीय लोकदल से सांसद बनीं। महत्वपूर्ण है कि इस बार भी कैराना सीट पर प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी से इकरा हसन मैदान में हैं। आजादी के बाद से सहारनपुर लोकसभा सीट से कभी भी कोई महिला सांसद लोकसभा में नहीं पहुंची है। इस बार भी किसी प्रमुख पार्टी ने महिला को अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। छह बार कांग्रेस, तीन बार बसपा, तीन बार भाजपा के सांसद बने जबकि पांच बार रसीद मसूद सांसद निर्वाचित हुए। इस चुनाव में रसीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद कांग्रेस-सपा गठबंधन से प्रत्याशी हो सकते हैं। दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व उनके नाम पर मोहर लगा चुका है।

सहारनपुर लोकसभा में महिला सांसद भेजने में तो नाकाम रहा है लेकिन जहां तक विधानसभा का सवाल है तो कई महिलाएं जैसे दलित समाज की शकुंतला देवी, विमला राकेश, राजपूत समाज से शशिबाला पुंडीर, रानी देवलता, बसपा प्रमुख मायावती और सत्तो देवी विधायक रही हैं। शकुंतला देवी कांग्रेस की दिग्गज महिला नेत्री रही हैं। वह चार बार विधायक बनीं। विमला देवी विपक्ष में रहीं और छह बार विधायक चुनी गईं। सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर से बहन मालती शर्मा भाजपा की ओर से राज्यसभा सदस्य रही हैं। वहां से भी कभी कोई महिला लोकसभा में नहीं गई है। पड़ौस की बिजनौर लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री मायावती, लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस की मीरा कुमार और ओमवती तीनों दलित समुदाय से सांसद चुनी गईं और बिजनौर की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

18वीं लोकसभा के चुनाव में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर से कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं है। केंद्र सरकार ने आगामी चुनावों के लिए महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण का कानून बना दिया है। लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद दयनीय है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या पुरूषों की तुलना में थोड़ी-बहुत ही कम है लेकिन उनकी मतदान में भागीदारी पुरूषों से कहीं भी पीछे नहीं है।

युवा व महिला के हाथ सियासी घमासान की बागडोर

● बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

- दोनों वर्गों को साधने के लिए राष्ट्रीय दलों का गणित हुआ तेज
- छह विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों से महिला मतदाता अधिक

लोकसभा चुनावों की तिथि और मुख्य राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अब सियासी दलों ने भी अपने राजनीतिक दावपेच चलने शुरू कर दिए हैं। कुमाऊं के चार पहाड़ी जिलों वाली अल्मोड़ा लोकसभा सीट की बात करें तो यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहा है। इसलिए इस बार भी दोनों राष्ट्रीय दल एक दूसरे को पटखनी देने के लिए तैयार बैठे हैं। अगर बात सत्ता की बागड़ोर की करें तो इस सीट पर इसका फैसला यहां की महिला और युवा मतदाता करेंगे। क्योंकि चार इस सीट पर सबसे अधिक संख्या महिला और युवा मतदाताओं की है।

हिमालयन रीजन की अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर इस बार कुल 13,59,815 मतदाता हैं। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 6,50,677 है। जो करीब कुल मतदाताओं का 48 फीसद के आसपास है। चौदह विधानसभाओं वाली इस सीट में से छह विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से काफी अधिक है। इससे भी मजबूत स्थिति इस सीट पर अलग-अलग आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की भी है। ऐसे में इन दो वर्गों का रुझान जिस दल की तरफ सबसे अधिक होगा। जीत का परचम लहराने में उसी दल को कामयाबी मिलेगी। इसलिए सियासी दलों की नजर महिला और युवा मतदाताओं पर सबसे अधिक है। सियासी दल इन चुनावों के प्रति महिलाओं और युवाओं में उत्साह जगाने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

महिला मतदाताओं की संख्या में कितना हुआ इजाफा

जिला	2019	2024	कुल वृद्धि
अल्मोड़ा	2,57,573	2,60,529	2,956
पिथौरागढ़	1,84,143	1,85,292	951
बागेश्वर	1,02,701	1,06,647	3,946
चंपावत	91,090	98,209	7,119
कुल	6,35,705	6,50,677	14,972

चारों जिलों में युवा मतदाताओं की स्थिति

18 से 19 साल	21,000 से अधिक
20 से 29 साल	2,60,000 के पार
30 से 39 साल	3,37,000 के ऊपर

इस चुनाव में बढ़ गई 15 हजार के करीब महिला मतदाता

अल्मोड़ा सीट पर इस बार कुल 6 लाख 50 हजार से अधिक महिला वोटर्स हैं। यह आंकड़ा बीते लोकसभा चुनावों को देखते हुए तकरीबन 15 हजार अधिक है। अल्मोड़ा जिले में 2,60,529 महिला मतदाता हैं। पिथौरागढ़ जिले में 1,85,292, बागेश्वर जिले में 106647 और चंपावत जिले में 98209 महिला मतदाता हैं। सबसे कम महिला मतदाता वाले जिले चंपावत में पिछली बार के बजाय इस बार सबसे अधिक 7119 महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

चार दशक पहले बदली राजनीति फिर पटरी पर नहीं लौटी

● राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- अयोध्या के इर्द गिर्द घूमती रही सूबे की सियासत
- आंदोलन के समानांतर चला जातीय सियासत का दौर
- भगवा संग विकास ने बदल दी सियासी तस्वीर

अमृत विचार: चार दशक पहले प्रदेश की राजनीति बदली तो फिर पटरी पर नहीं लौटी। सत्ता और सियासत, अयोध्या के इर्द-गिर्द घूमती रही। कई उतार-चढ़ाव आए। राम मंदिर आंदोलन के समानांतर जातीय सियासत का दौर चला तो सत्ता आती-जाती रही। तीन दशक तक प्रदेश की सियासत में पहले जैसी स्थिरता नहीं रही। भगवा संग विकास ने एक बार फिर प्रदेश को सियासत की नई दिशा दी है।

सियासी उथल-पथल का यह दौर अयोध्या से ही शुरू होता है। राम मंदिर निर्माण को लेकर साल 1984 में अयोध्या से दिल्ली के लिए रथयात्रा निकली। उस दौरान प्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के चलते यात्रा रोकनी पड़ी, लेकिन आंदोलन की तासीर गर्म ही रही। उन दिनों कांग्रेस के साथ जनता दल की रस्साकशी शुरू हो गई थी। 1989 में प्रदेश के चुनाव में मंदिर आंदोलन और मंडल कमीशन की सियासत कुछ इस तरह गरमाई की विधानसभा चुनाव में जनता दल 208 सीटों तक पहुंच गई। कांग्रेस को झटका लगा। वह 54 पर ठहर गई। बीजेपी का 57 सीटों के साथ उदय हुआ। मंदिर आंदोलन परवान चढ़ा। अयोध्या छावनी बनी। 30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 की घटनाओं ने कई मायनों में नया इतिहास रच दिया। जनमानस को झकझोरा।

वर्ष 1991 के चुनाव में रामलहर ने भाजपा को 425 में से 221 सीटों तक पहुंचा दिया। जनता दल जेडी 92 पर सिमट गई। यह दौर आंदोलन के चरम का था। राजनीति के महारथियों ने आंदोलन से उपजी सहानुभूति को रोकने की कोशिश शुरू कर दी। जातीय सियासत के चलते बसपा और सपा का प्रभाव बढ़ा। 1996 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। आंदोलन के बावजूद भाजपा 174 पर ठहर गई। सपा के 110 के साथ बसपा ने 67 सीटें हथिया लीं। साझा सरकारों का दौर शुरू हुआ। सत्ता की चासनी में सियासत करवट लेने लगी। अयोध्या के मंदिर आंदोलन से शुरू हुए दो ध्रुव भाजपा और सपा के साथ बसपा कदमताल करने लगी। 2002 का चुनाव आते-आते जातीय समीकरणों ने भगवा ब्रिगेड को 88 सीटों पर समेट दिया। आमने-सामने सपा और बसपा आ गईं। सपा के 143 के सामने बसपा 98 सीटों के साथ खड़ी हो गई। वोटों के आंकड़ें बताते है कि अंतरधारा में अयोध्या आंदोलन का प्रभाव बरकरार रहा, लेकिन बसपा की जातीय सियासत ने पांच साल में सपा को भी पीछे छोड़ दिया। नए ध्रुव के रूप में 2007 में बसपा 206 सीटों के साथ सत्ता में पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन के साथ खड़ी भाजपा 51 पर और विरोध करने वाली सपा 97 पर ठहर गई, लेकिन राजनीति की अंतरधारा में इन दोनों के टकराव ने अयोध्या को केंद्र में बनाए रखा। जातीय समीकरण के साथ आंदोलन पर सपा के रुख का प्रभाव बढ़ गया। 2012 में सपा सत्ता की शीर्ष पर फिर एक बार पहुंच गई। उसे 224 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला गया। 80 सीटों के साथ बसपा सत्ता से फिसल गई। 1991 में 221 सीटें हथियाने वाली भाजपा 47 पर आ गई।

क्रिकेट के खेल और राजनीति में कुछ भी संभव है। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में दिखा। राम मंदिर आंदोलन की पृष्टभूमि और विकास के नए नारे ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्तासीन कर दिया। असर यह हुआ कि 2017 में एक बार फिर भाजपा को प्रदेश में सत्ता शीर्ष तक पहुंच गई। ऊफान पर चढ़ी जातीय सियासत जमीन की ओर लुढ़कने लगी। सत्ता में रहने वाली सपा 47 सीटों पर सिमटी तो बसपा का हाल इससे भी खराब रहा, वह 19 पर अटक गई। विकास और भगवा का चटख रंग न केवल केंद्र बल्कि प्रदेश में बरकरार रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भगवा बिग्रेड 255 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज रह गई। सपा 111 तक पहुंच पाई। बसपा परिदृश्य से ओझल होने की स्थिति में पहुंचने लगी। 90 के दशक के पहले राजनीति के एक ध्रुव पर कांग्रेस और दूसरे ध्रुव पर विपक्षी हुआ करते थे लेकिन अयोध्या की सियासी ऊर्जा ने कांग्रेस और विपक्ष के बीच होने वाली सियासी जंग को अतीत की बात तक सीमित कर दिया। 40 साल बाद भी उत्तर प्रदेश की राजनीति उस दौर में नहीं लौट पाई।

लोस चुनाव के लिए आयकर विभाग का नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली

चुनाव आयोग को चुनाव में काले धन के उपयोग को रोकने के लिए सहायता करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत आयकर विभाग निवासियों को लोकसभा आम चुनाव, 2024 में स्वच्छ और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए राजधानी दिल्ली में सातों दिन और चौबीस घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है और टॉल फ्री नंबर जारी किया जिसके माध्यम से शिकायत की जा सकती है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयकर निदेशालय (अन्वेषण), दिल्ली ने आदर्श आचार संहिता के दौरान चुनावी उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संभावित / संदिग्ध बेहिसाब नकदी, सर्राफा और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए एनसीटी दिल्ली में कई व्यवस्थाएं की हैं। लोकसभा आम चुनाव, 2024 के संबंध में, अन्य उपायों में, निदेशालय ने सिविक सेन्टर, नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष खोला है एवं एक टोल-फ्री नंबर 1800112300, लैंडलाइन नंबर 011-23232312/31/67/76 और मोबाईल नंबर 9868168682 भी जारी किया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति एनसीटी दिल्ली में बेहिसाब नकदी, बूलियन और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की संदिग्ध आवाजाही/वितरण के संबंध में आयकर विभाग से बातचीत कर सकता है और जानकारी भी दे सकता है। निवासी टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, और फोन करने वाले को नियंत्रण कक्ष के समक्ष किसी भी व्यक्तिगत विवरण, जैसे नाम या पहचान के अन्य विवरण, का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि प्राप्त जानकारी विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य हो।

नियंत्रण कक्ष आदर्श आचार संहिता की संपूर्ण अवधि के दौरान दिल्ली में क्रियाशील रहेगा यानी आम चुनाव, 2024 की घोषणा की तारीख से, जब तक दिल्ली में ये खत्म नहीं हो जाते। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के साथ नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे दिल्ली एनसीटी के संबंध में, प्रासंगिक जानकारी उपर्युक्त नंबरों के माध्यम से निदेशालय से साझा करके, अपनी सहायता प्रदान करें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। (एजेंसी)

नाप्राप्यमभिवाञ्छन्ति नष्टं नेच्छन्ति शोचितुम्।
आपत्सु च न मुह्यन्ति नराः पण्डितबुद्धयः॥

जो व्यक्ति दुर्लभ वस्तु को पाने की इच्छा नहीं रखते, नाशवान वस्तु के विषय में शोक नहीं करते तथा विपत्ति आ पड़ने पर घबराते नहीं हैं, डटकर उसका सामना करते हैं, वही ज्ञानी हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर भूटान जा रहे हैं। इस दौरान वह भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनके पिता जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (भूटान के पूर्व नरेश) से मुलाकात करेंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को पारस्परिक हित के द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए हमारी अनुकरणीय साझेदारी को विस्तारित एवं मजबूत करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगी। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोसी प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है। चीन के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री की इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूटान पारंपरिक तौर पर भारत के करीब रहा है। भारत और चीन भूटान में अपने सामरिक और सीमाई हित देखते हैं। बीते सालों में भूटान में भारत से निर्भरता घटाने और अपने हितों में विस्तार के लिए, इतर भी संभावनाएं तलाशने पर राय बन रही है। भूटान भारत और चीन के मध्य अवस्थित है। चीन ने हाल के दशकों में वैश्विक स्तर पर तरक्की की है और भूटान पर उसके साथ सीमा विवाद को सुलझाने का दबाव बढ़ रहा है। भूटान चीन के साथ 477 किमी का बॉर्डर साझा करता है। चीन 1961 से ही भूटान के एक इलाके पर दावा करता आ रहा है। भूटान और चीन 1984 से सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

इस बीच भूटान ने अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ किए और चीन के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने का मार्ग अपनाया। चीन और नेपाल की नजदीकियां सामरिक और व्यापारिक तौर पर बढ़ी हैं तथा चीन अपने पूर्वी तट से भी सामरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में भूटान को अपने आंतरिक घेरे में लेने की चीन की कवायद गौर करने लायक है। जबकि भूटान की विकास परियोजनाओं का भारत ने न सिर्फ खाका खींचा है, बल्कि उनमें भारी निवेश भी किया है। भारत ने भूटान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। अपनी तरफ से भारत भूटान का सबसे बड़ा विकास साझेदार बना रहेगा। विश्लेषकों के मुताबिक यह यात्रा दोनों पक्षों को अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत भूटान के बीच मित्रता व सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

अभी बहुत दूर है लोकतंत्र की मंजिल

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है।

अभी हम लोकतंत्र के मार्ग पर चल रहे हैं, फिर भी लोकतंत्र की मंजिल अभी बहुत दूर है। रास्ते में अनेकानेक रुकावटें और बाधाएं आ रही हैं और हमारा संघर्ष उन बाधाओं से चल रहा है, लेकिन हम लोकतंत्र के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। ये बाधाएं और रुकावटें बहुत ही शक्तिशाली हैं। सामंती मानसिकता हो या व्यक्ति और वर्ग के स्वार्थ हों। कदम-कदम पर कांटों की तरह चुभते हैं। कोई दल ऐसा नहीं, जहां जनता के प्रति निष्ठा का महत्व हो। कहने को तो सभी यही कहते हैं कि हम जनता के सेवक हैं और जनता के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे, किंतु वास्तविकता यह है कि प्रत्येक दल में नेता या सुप्रीमो के प्रति व्यक्तिगतनिष्ठा का महत्व है। नेता के जयजयकार और यश-गायन से ही मेवा मिलती है तो कोई जनता की सेवा भला क्यों करेगा?

हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी समस्या है, लोक से अपरिचय। लोक के प्रति हमारे शासकों का अंग्रेजों के जमाने से चला आया नजरिया। महात्मा गांधी ने भारत की पैदल यात्राएं भी कीं, लोक को जगाया और लोकमानस में जगह बनाई, लेकिन उनके बाद लोक संपर्क के सरकारी विभाग बन गए। चुनाव के समय जनता में गए जरूर पर लोकजागरण के लिए नहीं, भ्रमित करके वोट पाने के लिए। अनेक देशों में लोकतंत्र का विस्तार और उसकी प्रकृति को समझने के लिए विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग हैं। भारत के अधिकांश विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग नहीं हैं।

हमारे लोकतंत्र की समस्याओं के समाधान का रास्ता विदेशों से होकर आता है। विशेषज्ञों के दल विदेशों में जाते रहे हैं, अभी भी जाते हैं। वे कुछ शब्द विदेशों से आयात कर के ले आए, लोकतंत्र के प्रतिनिधियों ने कमर कस ली कि भारत के लोकतंत्र को इन शब्दों के चौखटे में जड़ के ही मानेंगे। हथौड़ा चला रहे हैं, परेशान हैं कि भारत का लोकतंत्र इन शब्दों के चौखटे में क्यों नहीं आता? दूसरों को देखकर हम चलना सीख सकते हैं, दूसरों के पैरों से नहीं चल सकते। चलने के लिए पैर भी अपने होंगे और रास्ता भी अपना होगा। ग्लोबल युग है तो संसार के देशों से मेलजोल, आदान-प्रदान जरूरी है, होगा। विशेषज्ञों के दल आएंगे और जाएंगे, ठीक है, सवाल यह है कि क्या किसी एक विशेषज्ञों के दल ने भी इस विशाल देश के लोगों के जीवन में गहरे स्तरों पर पंहुचकर लोकमानस की विषमताओं, विडंबनाओं, संगतियों, विसंगतियों, आस्थाओं, कल्पनाओं, सपनों को समझने का कोई एक भी सच्चा और योजनाबद्ध प्रयास किया?

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था। उन्होंने जान लिया था कि जनता उनको शासक मान रही है, तभी तक वे शासक हैं, जिस क्षण जनता उनको अस्वीकार कर देगी, उसके बाद वे शासक नहीं रह जाएंगे। इसलिए उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया। नमक कानून को तोड़ना तो एक प्रतीक भर था, लेकिन यह साम्राज्य को एक चुनौती थी। हम तुमको और तुम्हारे कानून को अस्वीकार करते हैं, तुम्हारी अवज्ञा करते हैं, हम तुमसे अब नहीं डरते। लोगों का मन बदल गया, लोग निर्भय हो गए। शासक भय दिखाकर शासन करता है, किंतु जब उसके सामने यह चुनौती आ गई कि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है। भय समाप्त, शासन समाप्त। भारत छोड़ो आंदोलन वाले दिन गांधीजी ने बतला दिया कि संप्रभुता के स्रोत तुम स्वयं हो। तय कर लो कि अब अंग्रेज तुम्हारे शासक नहीं हैं।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता-परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय जीवन की सामजिक-राजनैतिक, सांस्कृतिक-आर्थिक-साहित्यिक समस्त गतियों का केन्द्र लोकजीवन है। विचार कीजिए कि क्या यह लोकतंत्र किसी राजा-बादशाह अथवा सम्राट ने कृपा पूर्वक दे दिया था। क्या यह लोकतंत्र एक दिन आसमान से बरस पड़ा था। क्या संविधान सभा ने किसी सनक या उत्तेजना में लोकतंत्र के मार्ग का वरण कर लिया था। वास्तव में लोकतंत्र लोक जीवन के युगयुगीन संघर्ष का प्रतिफल है। संप्रभुता राज सिंहासन या राजमुकुट में से नहीं निकलती, संप्रभुता का स्रोत तो लोकचेतना ही है। लोकमानस की स्वीकार्यता। लोकमानस अस्वीकार कर दे तो सम्राटों के सिंहासन भी हिल जाते हैं।

देशी हों या विदेशीः क्रूर राजाओं आक्रांताओं, दस्युओं, बादशाहों, सामंतों, जमींदारों ने क्या-कुछ कम जुल्म ढाए थे? लोक जीवन-लोक संस्कृति, लोक आस्था एवं लोकविश्वास को कुचलने में कोई कसर छोड़ी थी क्या? बार-बार निर्मम प्रहार किया, परंतु वे प्रहार करने वाले इतिहास के मलबे में दबकर खाद बन गए और विजयिनी लोक संस्कृति का विटप महक रहा है। संप्रभुता का स्रोत अस्त्र-शस्त्रों में नहीं होता। अस्त्र-शस्त्रों या सैन्यबल से कुछ समय के लिए जनता को दबाया तो जा सकता है, किंतु जैसे ही जनता अपनी एकता की शक्ति को पहचान कर खड़ी हो जाती है, तब वह सैन्य बल बिखर जाता है। संप्रभुता का स्रोत लोकचेतना में है। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारी आधारभूत समस्याओं का मूल है, तंत्र की लोक से अनपहचान। तंत्र में वे सभी बुद्धिजीवी भी हैं, जो लोक को अभी भी रैयत या प्रजा समझ रहे हैं।

एक न्यायमूर्ति के मुंह से तंत्र के मन की बात रपट पढ़ी थी, जब उसने कहा था कि देश की 90 जनता ईडियट है और क्या सामंतवाद के सींग होते हैं? यही वृत्ति उन शिक्षाशास्त्रियों की है, जो अपने राजनैतिक आश्रयों के मत-वाद को परम-तत्व के समान मानकर उनका साहित्यिक भाष्य करते रहे हैं।

प्रसंगवश

उम्र के जालिम जाल-फरेब

चंद्रभूषण
वरिष्ठ पत्रकार

लोगों की उम्र उनकी जन्मतिथि से निकाली जाती है। वैज्ञानिक दायरों में इसे समयबद्ध आयु (क्रोनोलॉजिकल एज) कहते हैं। इस नाप के साथ कुछ बुनियादी मुश्किलें जुड़ी हैं। पचास-पचपन साल का एक इंसान मजे से हाफ मैराथन दौड़ लेता है। जबकि उसी उम्र के दूसरे मनुष्य के लिए अक्सर बाजार से सब्जी लाना भी पहाड़ हो जाता है। इस फर्क को समझने के लिए जैविक उम्र (बायोलॉजिकल एज) की धारणा आई जिसका इस्तेमाल सेक्सोलॉजी, संतानोत्पत्ति और जीवनशैली से जुड़े चिकित्सा क्षेत्रों में किया जा रहा है, लेकिन इंसान की उम्र का खेल समझना उसकी शारीरिक बारीकियों में जाने से कहीं ज्यादा कठिन है।

क्या इस खेल में कुछ भूमिका उसके मन की भी होती है? यदि हां तो कितनी? इसे ठोस रूप में समझने के लिए आत्मगत आयु, सब्जेक्टिव एजिंग की शब्दावली चलन में आई जिसके दो पहलू हो सकते हैं। एक यह कि आप खुद को कितने साल का महसूस करते/करती हैं (फेल्ट एज) और दूसरा यह कि आप कितने साल के होना/दिखना चाहते/चाहती हैं (आइडियल एज)। इस बारे में कामकाजी आंकड़ें पूरी दुनिया में अभी केवल एक संस्था नॉर्वेजियन लाइफ कोर्स, एजिंग एंड जेनरेशन स्टडी (नोरलाग) के पास हैं जिसने सन् 2001 में 40 से 80 साल की उम्र वाले विविध संस्कृतियों और शैक्षिक स्थिति के कुल 6292 स्त्री-पुरुषों से फोन पर फॉर्म भराकर उनकी राय लेना शुरू किया और इस क्रम में 2002, 2007 और 2017 में यानी पहले एक, फिर पांच और दस साल के अंतर पर उनके आयु संबंधी सारे वस्तुगत और मनोगत ब्यौरे इकट्ठा किए।

दुनिया की कई नामी शोध संस्थाएं फिलहाल इन आंकड़ों पर काम करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाल रही हैं जिनमें सन् 2020 में आई कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बहुत खास है। उम्र के उत्तरार्ध में पैदा होने वाली समस्याओं पर केंद्रित इसके विशद निष्कर्षों में एक यह है कि हर इंसान खुद को अपनी वास्तविक उम्र से छोटा महसूस करता है और उससे भी छोटा होना/दिखना चाहता है, लेकिन कमसिन होने की यह इच्छा जीवन को लेकर उसका असंतोष बढ़ा देती है। नतीजा यह कि उसके जीवन की गुणवत्ता और कम हो जाती है।

विलुप्ति की कगार पर कई वन्यजीव प्रजातियां

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों।

पहाड़ी क्षेत्रों के संदर्भ में विकास के कथित मॉडल को पहाड़ के लोगों के उत्थान से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन स्थानीय जैव विविधता से खेलकर बनाई जा रही सड़कें, बांध व कंक्रीट के बढ़ते जंगल दरअसल विकास की दोषपूर्ण अवधारणा की उपज है। हिमालय ने देश के उत्तरी भाग में जीवन और सभ्यता के विकास के लिए आवश्यक जलतंत्र की रचना सहित वन और जैव संपदा के विशाल भंडार से हमें नवाजा है, लेकिन बीते कुछ दशकों में हमने अपने हितों के लिए जिस बेरहमी से हिमालय और उसकी उपत्यकाओं से अंधाधुंध छेड़छाड़ की, उसी का परिणाम है कि आज कई वन्य जीवों की प्रजातियां या तो पूरी तरह से लुप्त हो गई हैं या फिर विलुप्ति की कगार पर हैं।

उत्तराखंड के संदर्भ में जिन पशु-पक्षियों के जीवन पर वन व वनस्पतियों के विनाश, मौसम परिवर्तन, जंगल की आग, हिम रेखा के सिकुड़ने, भोजन की कमी तथा वन तस्करों की बढ़ती सक्रियता के कारण संकट उत्पन्न हुआ है, उनमें हिमबाघ, गुलदार, कस्तुरी मृग, भालू, जंगली सुअर, काकड़, घुरड़, जंगली मुर्गी, मोनाल, चितराल, जंगली बिल्ली, खरगोश, चकोर, बटेर, मछलियों में महासीर आदि शामिल हैं। वन पक्षी एवं पशु संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आदि कई कानून जंगल के जानवरों की सुरक्षा के लिए बने हैं, परंतु कथित विकास के सामने ये तमाम कानून बेअसर हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे सड़क व बांध निर्माण तथा पर्यटन विकास के नाम पर हो रहे कार्यों से जहां पहले से ही अस्थिर भू-क्षेत्र में अनेक खतरे पैदा हो रहे हैं, वहीं कभी हजारों की संख्या में पाई जाने वाली विशिष्ट हिमालयी प्राणियों की नस्लें लुप्त होने को अभिशप्त हैं। हिमालय में मौसम परिवर्तन तथा वन्य क्षेत्र में मानव की बढ़ती दखलंदाजी की सर्वाधिक मार हिमबाघ पर पड़ी है। ऊपरी हिम आच्छादित क्षेत्र में हिमबाघ अब दिखाई नहीं देते। अस्सी के दशक में उत्तराखंड में छह हिमबाघ पाए जाने की सूचना वन विभाग के पास थी।

इसी तरह भागीरथी, मंदाकिनी व अलकनंदा के जल ग्रहण क्षेत्र में पाई जाने वाली जंगली बिल्ली व पैंथर भी अब दिखलाई नहीं देते। घटते वन क्षेत्र, नदियों से छेड़छाड़, अवैध अतिक्रमण तथा मानव प्रभाव से भयभीत ये वन्य जीव लुप्त होने को बाध्य हैं। यदि सरकार ने समय रहते गंभीरता से इनके संरक्षण के प्रयास किए होते तो ये जीव आज हिमालय के अपने प्राकृतिक आवासों पर विचरण रह होते। अनेक सुंदर हिमालयी जीव अपने को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तुरी मृग। इसकी नाभि में मौजूद सुगंधित कस्तुरी के कारण इसका बहुत महत्व है, पर यह कस्तुरी ही इस खुबसूरत जीव के विनाश का कारण बन रही है। एक कस्तुरी मृग से एक समय में 25 से 30 ग्राम कस्तुरी प्राप्त होती हैं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लाखों में है। यही कारण है कि यह खुबसूरत मृग शिकारियों द्वारा मारे जा रहे हैं। कभी पहाड़ में इनकी अच्छी खासी संख्या थी, पर आज ये अंगुलियों में गिनने लायक रह गए हैं। जाड़ों में भारी हिमपात के कारण मृग निचले इलाकों में चले आते हैं और आसानी से मारे जाते हैं।

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों। सड़क निर्माण के लिए हो रहे विस्फोटकों की भयावह आवाज से भयभीत वन्य जीव पलायन को विवश है। प्रतिकूल परिस्थितियों को सहनकर जो विजयी है, वही जीवित भी है। जंगली बकरा भी विलुप्त होने के कगार पर है। यह बुरांस तथा बेतुला के वृक्षों से आच्छादित जंगल में रहना पसंद करता है, पर मानवीय हस्तक्षेप और हर साल जंगलों में आग लगने से कई वन्यजीवों की तरह यह जीव भी जल कर मरने को शापित है। अगर गुलदार और बाघ की बात करें तो ये नरभक्षी हो चले हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि जंगल में न तो इनके लिए सघन वन क्षेत्र रह गया है और न ही शिकार के लिए पर्याप्त जानवर। कहीं संसाधनों की कमी है तो कहीं मैनपावर की। एक अन्य रक्षित प्रजाति का जीव हिमालयी थार भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है। 90 से 100 सेमी ऊंचे इस जीव का वजन सौ किलो से अधिक होता है। यह भी अब विलुप्त हो रही प्रजातियों की सूची में है। अधिकांश वन्यजीव अब राष्ट्रीय अभयारण्यों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इनकी संख्या कम होती देखकर लगता है कि उजड़ना और खत्म होना ही वन्य जीवों की नियति बनकर रह गई है। यह क्रम जारी रहा तो एक दिन हिमालय की घाटियों में पशु-पक्षियों के कलरव व चहचहाट के स्थान पर केवल सन्नाटा ही सुनाई देगा।

सोशल फोरम

अब तो कहानी हो गई गौरैया

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

गौरैया! हां, जानी-पहचानी चिड़िया। एक जमाना था जब ढेर दिखती थीं। बिजली और टेलीफोन की लाइव लाइनों पर दूर तक एक लाइन से बैठीं दिखती थीं। मुंडेरों पर, खिड़कियों पर और आंगन में कपड़े सुखाने के लिए बंधी रस्सी पर भी।

घर से स्कूल जाने के रास्ते और फिर स्कूल में ढेर चिड़ियां इधर-उधर बैठी दिखतीं। कभी-कभी ऐसा भी होता कि मास्साब पढ़ा रहे होते और मैं ऊपर रोशनदानों में बैठी चिड़ियों के कार्यकलाप देख रहा होता था। मास्साब जाने कब आकर कान उमेठ कर डपट देते-ये चिड़ियां इम्तिहान पास कराने नहीं आएंगी।

दुमंजिले पर घर में एक स्टोर। उसकी खिड़की बाहर की ओर खुलती है। ये कभी-कभार ही खुलती। खिड़की के ऊपर के हिस्से में कांच था। एक दिन कांच थोड़ा सा टूट गया। यानी चिड़ियों के आने जाने के लिए पर्याप्त रास्ता बन गया। किताबों से भरे घर में और किताबें रखने की जगह कम पड़ गई तो पिताजी ने स्टोर में दो रैक टांगकर पुस्तकें भर दीं। चिड़ियों को मौका मिल गया। पुस्तकों के पीछे एक जोड़े ने तिनका-तिनका जोड़कर घौंसला बनाया। थोड़ी मदद मैंने भी कर दी। थोड़ी सूखी घास-फूस लाकर खिड़की पर रख दी। ताकि चिड़िया को तिनका बीनने दूर न जाना पड़े। फिर वो दिन भी आया कि चिड़िया का घोंसला पूर्ण हुआ। उसने अंडे दिए। कुछ दिन बाद उसमें से तीन बच्चे निकले। चिड़िया कहीं से दाना-दुनका चुग कर लाती। बच्चे मां की आहट पाते ही चीं-चीं करके शोर मचाना शुरू कर देते।

बच्चे थोड़ा बड़े हुए। चिड़िया मां ने उन्हें उड़ना सिखाया। चिड़िया का चिड़ा कुछ नहीं करता था। बस बैठा देखा करता था। एक दिन मैंने देखा तीन की जगह दो ही बच्चे हैं। एक पता नहीं कहां चला गया। मां ने आशंका जताई बिल्ली इधर-उधर घूमती रहती है। स्टोर बंद रखा करो। फिर वो दिन आया, बच्चे बड़े हो गए। उन्होंने अपना जोड़ा बना लिया। पुराना जोड़ा जाने कहां फुर्र हो गया। वक्त आगे बढ़ता रहा और उधर पेड़ों के साथ-साथ चिड़ियों की संख्या भी कम होती रही। आज मुझे दूर-दूर चिड़ियां नहीं दिखाई देती हैं। पेड़ भी कट गए हैं।

-फेसबुक वॉल से

पशु पालना स्वास्थ्य संबंधी मुसीबत को निमंत्रण

डॉ. धीरज सिंह
मुंबई

पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वासनली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

आजकल जानवर पालने का फैशन सा चल पड़ा है। गांवों में रोजी-रोटी के लिए तो शहरों में आधुनिकता की आड़ में अभी यह फैशन चलन में बहुत है। सिर्फ कुत्ता या बिल्ली पालने का शौक होता तो गनीमत भी थी, लोग तो खरगोश, सफेद चूहा, कबूतर, तोता, गिरगिट तक पालने लगे हैं। इनके पालने से जानलेवा बीमारियों का खतरा बना रहता है। पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वास नली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

पक्षियों का निमोनिया श्वांस नली के जरिए ही पक्षी से मानव तक फैलता है। किसी भी पक्षी से इस रोग का फैलाव होने की संभावना रहती है। बत्तख और हंस के जरिए तक यह रोग फैल सकता है। आहारनाल के जरिए टाइफाइड रोग फैल सकता है। अगर कोई आदमी अक्सर पशुओं को चूमता है तो उसे इस रोग का खतरा हो सकता है। श्लेषमा के जरिए पागल कुत्ते का रोग होने का खतरा होता है। पागल कुत्ते के काटने या बिल्ली के पंजे से चोट लगने के बाद मनुष्य के शरीर में रोग के विषाणु पहुंचते हैं। कुछ वैज्ञानिक शोध की माने तो कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवर पालने वाले ज्यादातर लोग किसी न किसी उन बीमारीयों का शिकार/ ग्रसित हुए रहते हैं, जो पालतू जानवरों से आती है। पालतू बिल्लियों से एक बीमारी फैलती है जिसे वैज्ञानिक भाषा में "कैट स्क्रैच डिसीज" कहा जाता है, जो बिल्लियों की खरोंच से फैलती है, जरूरी नहीं है कि बिल्ली गुस्से में ही खरोंचे, वह आप से खेलते और प्यार जताते हुए भी खरोंच सकती है और इस बीमारी को फैला सकती है। पालतू जानवरों से इंसानों में "रिंगवर्म" जैसी बीमारी का खतरा कुछ ज्यादा ही होता है। यह बीमारी आम तौर पर कुत्तों के द्वारा फैलती है। घरों में कुत्तों के साथ सोने बैठने वाले लोगों में त्वचा संबंधित इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। यह एक प्रकार के फंगस की बीमारी है। त्वचा पर चकते, दाने और लगातार खुजली इसके प्रमुख लक्षण है। घरेलू पक्षी जैसे तोता, कबूतर, मैना पालने वाले लोगों को आम तौर पर "सिटाकोसिस" नामक बीमारी का खतरा बना रहता है। इसे पैरट फीवर भी कहते हैं, ये बीमारी संक्रमित पक्षी के शरीर से हवा के जरिए फैलती है और अगर हम भी उसी हवा में सांस ले रहे हैं तो बीमारी के वायरस नाक के जरिए हमारे फेफड़ों में पहुंच जाते हैं। बीमारी के लक्षणों में बुखार, डायरिया, सूखी खांसी और शरीर में ठिठुरन शामिल है। इस के लिए एंटीबायोटिक की खुराक लेनी पड़ती है वरना इसे नजर अंदाज करने पर लेने के देने पड़ सकते है।

भारत में दूध, दही के लिए गाय और मांस के लिए बकरी व ऊन के लिए भेड़ का पालन किया जाता है। एक बीमारी है, ब्रुसेलोसिस जो बीमार गाय, बकरी और भेड़ से होती है। आमतौर पर संक्रमित गायों या बकरियों का दूध पीने पर ये बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप इन पशुओं को पालने के शौकीन हैं तो शरीर पर हुए हल्के-फुल्के जख्मों के जरिए भी इस बीमारी के बैक्टीरिया भीतर पहुंच जाते हैं। इसके लक्षण मौसमी फ्लू से मिलते-जुलते होते हैं। बूढ़े-बुजुर्ग लोगों को इससे सबसे ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। साल 2015 से 2018 में दक्षिण, उत्तर और यूरोप में "मैड काऊ डिजीज" फैली थी। तब मनुष्य ने अपनी जान बचाने के लिए ही लाखों गायों को बेवक्त ही गला काट दिया था। यह बेहद खतरनाक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मरीज की जान भी ले सकती है। पूरी दुनिया को दहशत जदाकर तब इस बीमारी नें सैकड़ों जानें ली थीं। रेबीज पालतू जानवरों से होने वाली सबसे खतरनाक बीमारियों में गिनी जाती है। वायरस से फैलने वाली ये बीमारी पालतू जानवरों में आसपास रहने वाले जंगली जानवरों से आती है और जानवरों की सफाई के दौरान इंसानी शरीर में इसके वायरस प्रवेश कर जाते हैं। याद रखें असावधान होकर पशु पालना जहरीला सांप पालने के बराबर है। सांप काटेगा तो जहर ही निकलना है और जहर जानलेवा होता है।

व्यंग्य

सीटें आईं हैं

मृदुल पांडेय
सहायक अध्यापक

चुनाव की घोषणा हो गई है। छल-दंभ, द्वेष-पाखंड, झूठ-अन्याय से निस दिन लिप्त रहने वाला गाना प्रत्येक बोलेरो में सुनने को मिलेगा। सीटों का सवाल। हर पांच साल में सीट मिलती हैं। कहीं न कहीं कोई उस पर बैठता है। पंचवर्षीय सीटें पंचकोसी परिक्रमा के बाद प्राप्त हो जाती हैं। दूर से दिखने में कठिन लगता है, पर सीटें मिलना आसान है। जनता है किसी न किसी को सीट दे ही देती है। खुद हमेशा अपने पैरों पर खड़ी रहती है। पैरों पर खड़े रहना काफी अच्छा बताया गया है। खासकर अगर पैर खुद के हों, जो अपने पैरों पर खड़ा है, वो होनहार है।

कहावतें कितनी झूठी बना दी गई हैं। होनहार वो है, जो खुद बैठा रहे और दूसरों को खड़ा रखे। शायद इसीलिए बड़े-बड़े ऑफिसों में साहब के आगे सिर्फ दो कुर्सी होती हैं। खैर अब सीटों का बंटवारा होगा। कुछ सीटें इधर जाएंगी, कुछ उधर जाएंगी। सीटों के पैर होते हैं। हर पांच साल में कहीं न कहीं भागदौड़ लगाती रहती हैं, लेकिन कुछ सीटें हैं, जो जल्दी नहीं मिलती। सत्तर सालों में तो नहीं मिली। इनको पाने में बहुत मशक्कत है। पहले प्रधान के घर जाना पड़ता है, प्रधान ब्लॉक भेजता है, ब्लॉक जिले पर भेजता है और जिला फिर वापस स्कूल। हां, ये प्राथमिक विद्यालय की सीटें हैं जिसको पाना सांसद की सीट पाने से मुश्किल काम है। क्योंकि इस पर विधायक नहीं बैठते, सांसद नहीं बैठते, अधिकारी नहीं बैठते। खेत मे हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले हल्कू का लड़का बैठता है, शहर जाकर 500 रुपये की दिहाड़ी करने वाले आत्माराम की बिटिया बैठती है। बप्पा को खेत में काम पर सीट नहीं मिली और उनके संतानों को स्कूल में। यही बप्पा-अम्मा हर पांच साल में सबको एक-एक करके सीट देते हुए आएं हैं और इनका खुद का भविष्य जाड़ा-गर्मी बरसात में चटाई पर बैठ सरस्वती की उपासना कर रहा है। क्या किसी को कभी खाक मतलब रहा है? भारत जहां चुनाव को पर्व माना जाता है, वहां सीटें प्रसाद हैं, जो गिन-गिन कर लोगों को दी जाती है। ऐरे गैरे बच्चों को बैठने के लिए नहीं। ऊपर बैठे लोग भी जानते हैं, अगर इनको बचपन में ही सीटें दे दी गईं तो शायद ये हर जगह सीट की ही मांग करेंगे। फिर उनको विश्वविद्यालय में भी सीट चाहिए होगी, नौकरी की भी सीट चाहिए होगी, चुनाव में भी सीट चाहिए होगी। सीट की आदत ही ऐसी है कि अगर लग जाए तो आदमी बिना सीट के नहीं रह पाता। फिर क्यों न उसे कुछ भी करना पड़ जाए। इसलिए इनको सीट नहीं देना है, पर सीटें आई हैं सत्तर साल बाद ही सही सीटें आई हैं। लड़-झगड़कर ही सही। बच्चे खुश हैं। अपनी सीटें ढो रहे हैं। रिक्शे से क्लास तक ले जा रहे हैं। ललचाई आंखो से देख रहें हैं। साफ कर रहे हैं। बंटवारा कर रहे हैं। इनका बंटवारा चुनाव की सीटों से ज्यादा कठिन है, क्योंकि ये पूरा ख्याल रखा गया है कि सीटें पर्याप्त न हों, सबको सीट न मिल सके, कुछ न कुछ कमी जरूर रखनी है। देश के बच्चों में एडजस्ट करने की आदत बचपन से ही डालना है। इसलिए सीट सिर्फ इतनी हों कि लटक-लटक कर एक पर चार-पांच बैठ सकें। किसी स्कूल में सिर्फ कुछ क्लास के बच्चे ही बैठ सकें। ताकि उनको अपने कर्तव्यों का अहसास हमेशा बना रहे कि उनको बस एडजस्ट करना है। आधे में लटकना है और दिखावा करना है कि उनके पास भी सीट हैं। भारत सीटों का देश है और सीटें आईं हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा: पांच आरोपियों की रिमांड मंजूर, खुलेंगे कई राज

आरोपियों को लेकर रिजॉर्ट और अहमदाबाद जाएगी एसटीएफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले मे पांच आरोपियों की कोर्ट ने रिमांड स्वीकार कर ली है। गुरुवार सुबह एसटीएफ पांचों को रिमांड पर ले लेगी। इसके बाद एसटीएफ आरोपियों को गुरुग्राम के रिजॉर्ट और अहमदाबाद की टीसीआई कम्पनी ली जाएगी। आरोपियों से सवालों की सूची मेरठ एसटीएफ ने तैयार कर ली है। आरोपियों से रवि अत्री और राजीव नयन के बारे में जानकारी की जाएगी। माना जा था है कि इस रिमांड से कई और चेहरे बेनकाब होंगे।

एसटीएफ मेरठ इकाई के एएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जिन पांच आरोपियों का रिमांड मिली है, उनमें टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी मिर्जापुर के शिवम गिरि, भदोही निवासी रोहित पांडेय, प्रयागराज निवासी अभिषेक शुक्ला, बिहार निवासी डॉ. शुभम मंडल और

मोनू हैं। कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड दी है। एसटीएफ गुरुवार सुबह जिला जेल मेरठ से पांचों को अपनी कस्टडी में ले लेगी।

एसटीएफ पांचों आरोपियों को गाड़ी से सुरक्षा में अहमदाबाद ले जाया जाएगा। किस तरह से पेपर लीक किया गया, इसका क्राइम सीन दोहराने के समय वीडियोग्राफी की जाएगी। इसके अलावा गुरुग्राम के जिस रिजॉर्ट में एक हजार के करीब अभ्यर्थियों को पेपर लीक कराया गया था, उसका भी निरीक्षण किया जाएगा। एएसपी ने बताया कि कंकरखेड़ा थाने में दर्ज रिपोर्ट में जेल गए आरोपियों की संपत्ति भी खंगाली जा रही है। इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी।

ये है मामला

उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती की दो पाली की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। जांच के बाद खुलासा हुआ कि अहमदाबाद स्थित टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी से पांच और आठ मार्च को पेपर लीक हुआ था। एसटीएफ इस मामले में 15 मुकदमे दर्ज कराकर 54 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। गिरोह के मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा अभी फरार चल रहे हैं।

आरोपियों का दूसरे राज्यों के लोगों से कनेक्शन भी खंगाला जा रहा है। माना जा रहा है कि आरोपी दूसरे राज्यों में भी पहले कई परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुके हैं। एएसपी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं ताकि उन्हें जल्द जमानत न मिल सके। उनका कहना है कि लीक कांड का मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा हैं।

अमरमणि त्रिपाठी के मामले में फैसला सुरक्षित

विधि संवाददाता, प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण के एक मामले में पूर्व बसपा सांसद अमरमणि त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को फैसला सुरक्षित करते हुए कहा कि वर्तमान मामले में याची ने अपना आपराधिक इतिहास का उल्लेख नहीं किया है, जबकि उसका एक लंबा आपराधिक इतिहास है। कोर्ट ने पूर्व में पारित अपने आदेश में ट्रायल कोर्ट को पूरी आर्डर शीट एक सील बंद लिफाफे में भेजने का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में ट्रायल कोर्ट द्वारा भेजी गई 17 दिसंबर 2022 से 29 फरवरी 2024 तक चलने वाले पूरे मामले की आर्डर शीट को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, साथ ही सरकारी अधिवक्ता ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बस्ती द्वारा याची के खिलाफ 36 आपराधिक मुकदमों की सूची प्रस्तुत की। यह मामला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ के समक्ष चल रही है। याचिका में स्पेशल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। याची का कहना है कि वह मूल केस अपहरण मामले में जमानत पर है।

सुलतानपुर में दुष्कर्म के दोषी इमाम को 10 साल की कैद

- किशोरी को अरबी पढ़ाने के लिए बहला फुसलाकर रायबरेली ले गया

सुलतानपुर,एजेंसी : जिले की एक अदालत ने बुधवार को मस्जिद के इमाम को दुष्कर्म के मामले में दस साल कैद की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार इमाम एक किशोरी को अरबी पढ़ाने के लिए बहला फुसलाकर रायबरेली ले गया और वहां बंधक बनाकर कई दिनों तक दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में में पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने आरोपी इमाम पर तीस हजार का अर्थदंड भी लगाया है।

मामले में विशेष लोक अभियोजक रमेश चंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की मां ने 6 सितम्बर 2022 की रात में सुलतानपुर के नगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसकी दो नाबालिग बेटियां एक बजे घर से मौसा के यहां जाने के लिए निकली। रास्ते में 17 वर्षीय बड़ी बेटी ने अमहट में इश्तेखार से मिलने जाने की बात कही और छोटी बहन को छोड़ चली गई। शाम तक जब बेटी नहीं आई तो परिजन घर के पास मस्जिद में नमाज पढ़ाने तथा बेटियों को अरबी पढ़ाने वाले इश्तेखार के घर बिबिया करनपुर चिलबिला प्रतापगढ़ गए। इश्तेखार के पिता व भाई ने बताया कि वह शादीशुदा है और तीन महीने से घर नहीं गया था। एफआईआर लिखने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तो पांच दिन बाद वह किशोरी के साथ पकड़ा गया। किशोरी ने बताया कि जब वह इश्तेखार से अमहट में मिली तो वह उसे बाइक से रायबरेली ले गया। वहां एक कमरे में पांच दिन बंद रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मार डालने की धमकी देता था। फिर वापस लाया तो दोनों पकड़े गए। अभियोजन ने 6 व बचाव पक्ष ने न्यायालय में एक गवाह परीक्षित कराया। जज पवन कुमार शर्मा ने साक्ष्यों के आधार इश्तेखार को सजा काटने के लिए जेल भेज दिया व अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़िता को देने का आदेश दिया हैं।

सार-संक्षेप

भरण पोषण मामले में पति को देने होंगे ठोस साक्ष्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण- पोषण से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण आदेश देते हुए कहा कि एक सक्षम युवा व्यक्ति को पर्याप्त पैसा कमाने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए सामर्थ्यवान माना जाना चाहिए। यह कथन स्वीकार्य नहीं है कि वह पारिवारिक मानक के अनुसार उतना नहीं कमा सकता है, जिससे उसके परिवार का भरण-पोषण हो सके। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्ति को कोर्ट के समक्ष ऐसे ठोस आधार प्रस्तुत करने होंगे जिससे यह सिद्ध हो सके कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण के कानूनी दायित्व को पूरा करने के लिए पर्याप्त कमाई करने में असमर्थ है। वर्तमान याचिका प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, ललितपुर द्वारा पारित निर्णय से व्यथित होकर दाखिल की गई है। साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि याची को अतिरिक्त दहेज के लिए शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2015 में उसने अपना वैवाहिक घर छोड़ दिया और घरेलू काम करके अल्प कमाई द्वारा अपना भरण-पोषण कर रही थी। कोर्ट ने आदेश में कहा कि पति की मासिक आय का एक तिहाई हिस्सा पत्नी और दो बेटियों को भरण-पोषण के रूप में प्रदान करना आवश्यक है, क्योंकि पति कुशल श्रमिक के रूप में लगभग 12000 से 14000 रुपए प्रति माह कमा लेता है। अंत में कोर्ट ने विपक्षी को याची को 2 हजार रुपए और दोनों बेटियों को 1-1 हजार रुपए प्रतिमाह देने का निर्देश दिया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह (प्रथम) की पीठ ने श्रीमती जमुना और दो अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

बहराइच में बाघ के हमले में युवक की मौत

बहराइच, एजेंसी : जिले के कतर्नियाघाट में बाघ के हमले में युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक पिछले दो दिनों से लापता था जिसका शव बुधवार की दोपहर को जंगल के किनारे बेंत की झाड़ियों से बरामद हुआ है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत सुजौली रेंज अंतर्गत जंगल में बेंत की झाड़ियों में बुधवार की दोपहर को ग्रामीणों ने युवक के शव को देखा जिसकी सूचना लोगों ने वन विभाग व पुलिस को दी। मौके पर पहुची पुलिस और वन विभाग की टीम ने जंगल के किनारे बेंत की झाड़ियों से युवक के शव को बरामद किया है। युवक की पहचान सुजौली गांव निवासी जुगुल (27) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सौरभ सिंह व रेंजर सुजौली रोहित यादव ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। वहीं ग्रामीणों के मुताबिक शव दो दिन पुराना बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि युवक पिछले दो दिनों से घर से लापता था।

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

लखनऊ, अमृत विचार : अवधपुरी के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं, वैज्ञानिकों ने गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है। बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है।

कृष्ण कूप मामले में ईदगाह कमेटी से मांगी आपत्ति

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग वाले वाद की पोषणीयता को चुनौती देने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई बुधवार को एक अप्रैल तक के लिए टाल दी। मूल वाद में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह मस्जिद, कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर बनाई गई है। इस मामले में बुधवार को दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने अगली तिथि तक के लिए सुनवाई टाल दी।

मुस्लिम पक्ष ने बुधवार को सुनवाई के दौरान वादी आशुतोष पांडेय द्वारा दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) की धारा 151 के तहत किए गए आवेदन पर आपत्ति जताई। ईदगाह कमेटी से इसे लेकर आपत्तियां मांगी गई है। वादी आशुतोष पांडेय ने अपने आवेदन में कहा है कि हर साल विवादित संपत्ति परिसर में हिंदू भक्तों द्वारा बासोड़ा पूजा की जाती है। इस वर्ष यह पूजा एक अप्रैल 2024 को माता शीतला सप्तमी और दो अप्रैल 2024 को माता शीतला अष्टमी को पड़ेगी। इन तिथियों पर पूर्व की तरह बासोड़ा पूजा की जानी है, जबकि प्रतिवादी कृष्ण कूप में यह पूजा करने से वादकारियों को रोक रहे हैं। इस पर, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वाद की पोषणीयता को लेकर दाखिल आवेदन पर सुनवाई लंबित रहने के दौरान ऐसे आवेदन पर कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं दूसरी ओर, हिंदू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि हिंदुत्व में आस्था रखने वाले लोगों को पूजा अर्चना करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। ऐसा आवेदन हमेशा से ही पोषणीय है और इस पर आदेश पारित करना कोर्ट के विवेकाधिकार पर निर्भर है।

एआई तकनीक से बढ़ेगी दक्षता: मुख्य सचिव

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि एआई तकनीकि से विभागों की दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के लिए परिवर्तनकारी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए एआई को दैनिक कार्यों में शामिल करें। वह बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित उच्च स्तरीय कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने सरकारी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में एआई प्रशासन के महत्व पर भी जोर दिया। इसके पहले इनमोबी में वैश्विक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुख्य कॉर्पोरेट मामले और सार्वजनिक नीति अधिकारी डॉ. सुबी चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यशाला ने नीति निर्माताओं और अधिकारियों को एआई शासन ढांचे और सरकारी कार्यों में जिम्मेदार एआई तैनाती के प्रथाओं की जानकारी दी।

बच्चों की हत्या और एनकाउंटर के बाद बदायूं में गर्मायी राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की चल रही प्रक्रिया के बीच उत्तर प्रदेश की राजनीति बदायूं में दो बच्चों की हत्या पर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जहां इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही है। भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री दानिश अली अंसारी ने सपा को ही कटघरे में खड़ा किया है।

भाजपा ने कहा कि सपा अपराधियों को संरक्षण देती है। पार्टी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ पूरी कठोरता बरती गई है। इससे पहले बदायूं कांड पर सपा मीडिया सेल के अकाउंट से लिखा गया- भाजपा उप्र. में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है। इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही। इसी मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- सपा में नैतिकता नाम की कोई चीज़ बची है तो बदायूं मामले में राजनीति न करे। उधर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी बदायूं घटना को दुखद बताते हुए पुलिस-प्रशासन से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शिवपाल ने कहा कि इस सरकार में कानून व्यवस्था फेल हो गई है।

जितनी तरजीह हिंदुओं को उतनी मुसलमानों को भी

वहीं, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी बुधवार को बेगुसराय में रहते हुए बयान दिया कि, अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी समझ रहे हैं कि उनका जनाधार खिसक रहा है इसलिए अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। योगी की सरकार में जितनी तरजीह हिंदुओं को मिली उतनी ही मुसलमानों को भी मिली है। इसी बीच मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि प्रशासन से जो भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए वो की है।

वर्ग पहेली-16

बाएं से दाएं

2. 1. वह सफ़ेद या हलका पीला तरल पदार्थ जो गाय भैंस से प्राप्त होता है
3. 1. खुरखुर शब्द होना 2. छूने में ऊबड़-खाबड़ या खुरखुरा लगना।
4. 1. गोश्तख़ोर, मांसाहारी 2. 'निरामिषभोजी' का विलोम।
8. दे. तलुवा।
10. 1. पेंदी 2. हाथ और पैर का तल 3. तलवा 4. तलछट।
11. 1. चिह्न लगाने वाला 2. हिसाब लिखने वाला, आंकने वाला, मूल्य निरूपक 3. गिनती करने वाला, गणक 4. चिह्न या निशान लगाने का यंत्र।

ऊपर से नीचे

1. गंगा, भागीरथी।
5. 1. वधिक, ज़ल्लाद 2. बहेलिया, चिड़ीमार।
6. 1. धनुष 2. रुई धुनने वाला यंत्र, धुनकी।
7. 1. दोस्त, मित्र, साथी 2. प्रेमी 3. पति।
9. 1. मिट्टी के बरतनों पर चमक लाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक चमकीला रोगन या वार्निश 2. आग की लपट, लौ, ज्वाला, चिनगारी।

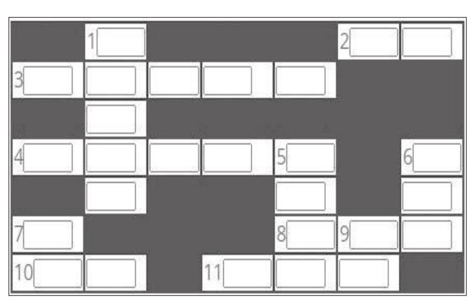

वर्ग पहेली -15 का हल

					1 सी	2 सा
3 अ	4 भ	या		5 चं		र
	ड़		6 पं	च	को	सी
7 म	क	ड़	जा	ल		
	दा		बी			8 पु
9 फ़ि	र	क़ा				छा
			10 स	नी	च	र

करंसी चेस्ट में पहुंचे 5.91 लाख के जाली नोट

विनय शुक्ला, लखनऊ

- औसतन हर माह आरबीआई को 49 हजार रुपये का हो रहा आर्थिक नुकसान

अमृत विचार: जाली नोट बाजार में तो मिल ही रहे हैं। बाजार से होते हुए यह नोट आरबीआई के करंसी चेस्ट तक पहुंच गए हैं। जाली नोट की आपूर्ति करने वाले गिरोह देश को आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। इसकी पुष्टि आरबीआई के करेंसी चेस्ट से मिले जाली नोटों के आंकड़े करते हैं। 14 माह में आरबीआई करेंसी चेस्ट से कुल 5.91 लाख रुपये के नकली नोट मिले हैं। नकली नोट मिलने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हर माह 49 हजार रुपये हो रहा आर्थिक नुकसान : औसतन, आरबीआई के करेंसी चेस्ट से हर माह 49 हजार रुपये के जाली नोट निकल रहे है। एक्सपर्ट की मानें तो, बैंकों के एटीएम करेंसी चेस्ट से जाली नोट निकलने के बाद ग्राहक इन्हें बैंक शाखा को वापस कर देता है, जिसे

बैंक शाखाओं की ओर से आरबीआई को भेजा जाता है। आरबीआई की ओर से इतनी ही रकम की जाली नोटों के बदले असली नोटों को संबंधित बैंक को अदा करना पड़ता है। यही वजह है बैंकों की लापरवाही के कारण आरबीआई को हर माह आर्थिक नुकसान हो रहा है।

हर माह एक एफआईआर : एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह ने बताया कि, हर माह आरबीआई के सहायक प्रबन्धक की तरफ से महानगर कोतवाली में जाली नोट मिलने की शिकायत दर्ज कराई जाती है। सभी मामलों की विवेचना की जा रही है, लेकिन अब तक पुलिस जाली करंसी का खेल करने वाले लोगों को चिन्हित नहीं कर सकती है। यही वजह है कि आरबीआई की तरफ से दर्ज कराए गए, जाली करेंसी के मामले लम्बित हैं।

कुछ मामलों में लगी अंतिम रिपोर्ट

एडीसीपी ने बताया कि पूर्व में भी आरबीआई की तरफ से जाली करेंसी में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में पुलिस ने कई पहलुओं में तफ्तीश की, लेकिन नतीजा शून्य रहा। मजबूरन पुलिस ने इन मामलों में एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगानी पड़ी। कहाकि, हांलाकि इस खेल के पीछे किसा हाथ है और जाली नोटों की सप्लाई कहां से हो रही है। पुलिस टीमें जांच में जुटी है।

सीएम डैशबोर्ड में बरेली को दूसरा स्थान, 11 जिले फिसड्डी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सीएम-डैशबोर्ड में विभागों की प्रदर्शित फ्लैगशिप यानी महत्वाकांक्षी योजनाएं, परियोजनाएं व सेवाओं की मॉनीटरिंग की गई तो फरवरी में बेहतरी पर जालौन प्रथम, बरेली द्वितीय व कन्नौज को तीसरा स्थान मिला है। जबकि लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर, औरैया, हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व प्रयागराज का सबसे खराब प्रदर्शन होने पर बॉटम में रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने 11 जिलों की खराब प्रगति पर संज्ञान लेकर असंतोष जताया है और प्रगति सुधार के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि सीएम-डैश बोर्ड से विभागों के पोर्टल एकीकृत किए गए हैं। इससे जो विभागों की प्रगति होती है वह सीएम-डैश बोर्ड पर दर्शाती है। इसी आधार पर मानीटरिंग कर रैंकिंग दी जाती है। इसमें फर्जी आंकड़े दर्शाये नहीं जा सकते हैं, बल्कि पारदर्शिता आने से प्रगति सुधरने लगी है।

तकनीकी समस्या का मुख्यमंत्री कमांड सेंटर करेगा समाधान : शासन से सभी जिलाधिकारी को रैंकिंग की रिपोर्ट भेजी गई है। यह भी दर्शाया कि सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर आईडी से जिले की मासिक रैंकिंग, योजना, परियोजना व सेवाओं को मिले अंक भी देख सकते हैं। पोर्टल में किसी तरह की कठिनाई होने पर मुख्यमंत्री कमांड सेंटर की प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के अधिकारी से समाधान के लिए संपर्क किया जा सकता है।

सुडोकू -95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू -94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 मार्च, गुरुवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-द्वादशी 22 मार्च 04.44 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

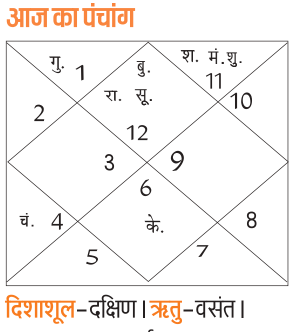

दिशाशूल-दक्षिण। **ऋतु**-वसंत। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ। ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अश्लेशा 22 मार्च 01.27 तक तत्पश्चात मघा।

मेष: आज आपको बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। उच्च अधिकारी आपकी निष्ठा की सराहना करेंगे। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे। आपके विचारों को समाज में ख्याति मिलेगी। विपरीत परिस्थितियों का सामना मजबूती से करें।

वृष: आज धन-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। आपके मन में एक साथ कई सारे विचार जन्म लेंगे। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती है।

मिथुन: आज अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में आनंद बढ़ेगा। धन कमाने के नए स्रोत मिल सकते हैं। मित्रों के साथ बैठकर चर्चा करेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी उन्नति होने के योग बन रहे हैं।

कर्क: आज आप एकांत में रहने का प्रयास करेंगे। व्यापार की परिस्थितियों में सुधार होगा। किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। मांसपेशियों में जकड़न होने की संभावना है। प्रेम संबंधों को विवाह की सहमति मिल सकती है।

सिंह: आज दिन की शुरुआत आपके लिए शुभ नहीं रहेगी। निजी रिश्तों को लेकर तनाव में आ सकते हैं। हिंसात्मक विचारों से आपको बचना चाहिए। जॉब में लक्ष्य को समय को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

कन्या: आज क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। वाहनों के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार के सदस्य आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। इसका दबाव भी आपके ऊपर काफी ज्यादा रहेगा। कारोबार को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

तुला: आज व्यापार में नए सौदे कर सकते हैं। जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे। करियर में आप बदलाव का विचार बना सकते हैं। लोग आपकी प्रतिभा के कायल रहेंगे। आपको कोई प्रपोज कर सकता है।

वृश्चिक: आज पिता आपके प्रति गर्व का अनुभव करेंगे। परिजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। लव लाइफ का तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु: आज आपके मन में यह धारणा उत्पन्न हो सकती हैं कि लोग आपसे झूठ बोल रहे हैं। बेकार की बातों में अपना समय बर्बाद न करें। परिजनों से किसी कारण बहस हो सकती है। करियर में उतार-चढ़ाव की सम्भावना है।

मकर: आज आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें। महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर दुविधा की स्थिति उभर सकती है। यदि आप कुछ नया सीखने के इच्छुक हैं तो समय बेहतरीन है। अप्रिय व्यक्तियों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है।

कुंभ: आज कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। आपका आत्मविश्वास आपके लिए काफी सहयोगी रहेगा। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से उत्तम है। आय के कई स्रोत बन सकते हैं।

मीन: आज अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर प्राप्त होगा। आप किसी सहयोगी कर्मचारी के ऊपर कुपित हो सकते हैं। अहंकार के कारण आपसे मित्र एवं संबंधी दूर हो सकते हैं। अनुभवी व्यक्ति आपका सही मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
आखरी गुलाम
दोपहर : 12.00
जख्मी सिपाही
रात : 07.00

SONY MAX
सूरमा
सुबह : 09.52
पीकू
रात : 07.00

SONY PIX
रश आॅवर 3
सुबह : 09.21
द वॉटर हॉर्स
रात : 09.00

ZEE CINEMA
सरफरोश
सुबह : 09.15
घायल : वन्स अगेन
रात : 08.55

colors CINEPLEX
आरक्षण
सुबह : 11.25
देवदास
रात : 07.04

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात : 07.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

एक लड़का स्कूल से जल्दी घर आ गया।
दादा- क्या हुआ बेटा, तुम बहुत जल्दी घर आ गए।
लड़का- हां दादा, मैंने एक मच्छर को मारा तो टीचर ने भगा दिया।
दादा- तुम सच बोल रहे हो, एक मच्छर मारने के लिए स्कूल से भगा दिया।
लड़का- मच्छर टीचर के गाल पर बैठा हुआ था।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए?
मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए।
मोटू की बात सुनकर टीचर की बोलती हो गई बंद।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1005 फ्लैग 1110 डीएमओ 885 बोल्ड 1175, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1010 फ्लैग 1125 बोल्ड 1180 डीएमओ 905।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 1910, राज श्री 1420, फ़ॉर्चून कि. 1850, रविन्द्रा 1880, फॉर्चुन ली0 1700, जय जवान 1495, सचिन 1640, सूरज 1520, अवसर 1680, राग गोल्ड 1715, गृहणी 1605, क्लासिक (किलो) 1790, मोर 1640, चक्र टिन 1725, ब्लू 1725, आशीर्वाद मस्टर्ड 1785, स्वास्तिक 1880, **किराना (प्रति कु.)**-हल्दी निजामाबाद 17500, जीरा 40000, लाल मिर्च 20000-24000, धनिया 9000-11000, अजवायान 16000-24000, मेथी 8600, सौंफ 12000-18000, सोंठ 45000, (प्रति कि.) लौंग 920-1000, बादाम 580-680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140-180, मखाना 650-950, **चावल (प्रति कु.)**-डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4300, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1 किलो, 5 किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4250, खजाना 4250, **दाल दलहन**-मूंग दाल इंदौर 10800, मूंग धोवा काला क्राउन 11100, राजमा चित्रा 13200-14100, राजमा भूटान नया 11500, मलका काली 6750-7100 मलका दाल 7150-7700, मलका छाँटी 7350, दाल उड़द बिलासपुर 9800-10500, मसूर दाल छोटी 9000-9600, दाल उड़द दिल्ली 12000, उड़द साबुत दिल्ली 11800, उड़द धोवा इंदौर 13500, उड़द धोवा 11500-12100, दाल चना 7250, लाल हिंदुस्तान 7350, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8100, चना अकोला 8200, डबरा 9000-11500, सच्चा हीरा 10700, मोटा हीरा 11700, अरहर गोला मोटा 12600, अरहर पटका मोटा 13000, अरहर कोरा मोटा 13300, अरहर पटका छोटा 13800-14300, अरहर कोरी छोटी 15000, **चीनी** -डालमियां 4040, पीलीभीत 4000, नवाबगंज (नई) 3980, बहेड़ी (नई) 4000 रुपये।

डायरेक्ट सेलिंग 21 हजार करोड़ रुपये के पार

आईडीएसए की सर्वेक्षण रिपोर्ट से हुआ खुलासा, भारत में कुल 86 लाख हैं विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री (भारत में डायरेक्ट सेलिंग) उद्योग कोरोना महामारी के दौर की चुनौतियों से उबर कर फिर तेजी की राह पर है और इसका कारोबार वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21282 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इंडियन डायरेक्ट सैलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की सर्वेक्षण रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट बाजार अनुसंधान फर्म कंतार द्वारा संकलित की गई है।

आईडीएसए के एक आयोजन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन राव ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए इसके लिए आईडीएसए को बधाई दी। रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की कुल बिक्री में वर्ष 2021-22 के मुकाबले वर्ष 2022-23 में 2252 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। आईडीएसए के अध्यक्ष विवेक कटोच ने बताया कि इस उद्योग के कारोबार में वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक के चार वर्षों के दौरान वर्ष-दर-वर्ष औसतन 8.3 प्रतिशत की संचयी वार्षिक दर (सीएजीआर) से वृद्धि की है। आईडीएसए अध्यक्ष को विश्वास है कि भारत अनुमानों से पूर्व ही प्रत्यक्ष बिक्री में विश्व के पांच शीर्ष बाजारों में जल्द अपनी जगह बना लेगा। वर्ष 2022 में भारत का स्थान 11वां था। वहीं भारत में इस कारोबार में कुल 86 लाख विक्रेता शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र ने सर्वाधिक 30 प्रतिशत का योगदान किया। पूर्वी, पश्चमी, दक्षिणी तथा पूर्वोतर क्षेत्र का योगदान क्रमशः 25, 22, 15 और नौ प्रतिशत है। राज्यों में महाराष्ट्र 12 प्रतिशत योगदान के साथ लगातार शीर्ष पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश शानदार प्रदर्शन कर दस प्रतिशत की भागीदारी के साथ पश्चिम बंगाल के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री बाजार में वेलनेस और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद लगातार उपभोक्ताओं के पसंदीदा बने हुए हैं। सौंदर्य प्रसाधन और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद इस वर्ग में दूसरे स्थान पर है। दोनों वर्गों का कुल कारोबार में क्रमशः 73.5 और 11.3 प्रतिशत योगदान रहा है। इस दौरान लगभग दो लाख और प्रत्यक्ष विक्रेता इस कारोबार से जुड़े और यह संख्या वर्ष 2021-22 के 84 लाख के मुकाबले बढ़ कर लगभग 86 लाख पहुंच गई है। इनमें लगभग 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं हैं।

वैश्विक रैंकिंग में भारत 11वें स्थान पर पहुंचा

आईडीएसए के अध्यक्ष कटोच ने कहा-मुझे यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि मजबूत वृद्धि दर के बलबूते भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग ने वैश्विक रैंकिंग में वर्ष 2022 में एक और पायदान का सुधार कर 11वां स्थान हासिल कर लिया है, जो 2019 में 15वां था।

गूगल के खिलाफ भारतीय ऐप कंपनियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने ऐप के माध्यम से भुगतान पर 11 से 26 प्रतिशत शुल्क लगाने की गूगल की नई प्ले स्टोर बिलिंग नीति के खिलाफ दायर भारतीय ऐप कंपनियों की चार याचिकाओं को बुधवार को खारिज कर दिया। भारतीय ऐप कंपनियों ने आरोप लगाया कि गूगल की प्ले स्टोर नीतियां प्रतिस्पर्धा-रोधी हैं। हालांकि, सीसीआई ने स्पष्ट किया कि इस आदेश में कही गई कोई भी बात मामले के गुण-दोष पर राय की अंतिम अभिव्यक्ति के समान नहीं होगी और महानिदेशक यहां की गई टिप्पणियों से किसी भी तरह प्रभावित हुए बिना जांच करेंगे। सीसीआई ने अपने आदेश में कहा-आयोग का मानना है कि इस बारे में याचिका दायर करने वाले शीर्ष कोर्ट द्वारा प्रस्तावित अंतरिम राहत देने के लिए मानदंडों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

नौकरियों के सृजन के लिए 8% की वार्षिक वृद्धि दर रखने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक सुब्रमण्यम ने कही बात

भारत को गरीबी और असमानता को कम करने तथा पर्याप्त संख्या में नौकरियों के सृजन के लिए निरंतर आधार पर आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने यह बात कही है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह पिछले डेढ़ साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

ओएमआई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यम ने कहा-भले ही हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ें, हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें आठ प्रतिशत और उससे अधिक की दर हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि देश को बहुत सारा बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने से हमारे पास बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी। इससे गरीबी और असमानता घटेगी। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर में वृद्धि दर पिछले तीन वर्षों की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	75,100
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,400
गिन्नी (प्रति नग)	50,200-50,400

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	66,050
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,900
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90, 500

बरेली

सोना जेवरात पक्के	65,850
सोना जेवरात गिन्नी	64,850
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	74,900।

भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी के पास 40 प्रतिशत संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2000 के दशक की शुरुआत से आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी की आय में हिस्सेदारी बढ़कर 22.6 प्रतिशत हो गई है। वहीं संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई है।

'भारत में आमदनी और संपदा में असमानता, 1922-2023: अरबपति राज का उदय' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि 2014-15 और 2022-23 के बीच शीर्ष स्तर की असमानता में वृद्धि विशेष रूप से धन के केंद्रित होने से पता चलती है। यह रिपोर्ट थॉमस पिकेटी (पेरिस स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब), लुकास चांसल (हार्वर्ड कैनेडी स्कूल एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) और नितिन कुमार भारती (न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) द्वारा लिखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, "2022-23 तक सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का आय और संपदा में हिस्सा ऐतिहासिक उच्चस्तर क्रमशः 22.6 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत पर था। भारत की शीर्ष एक प्रतिशत आमदनी हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है।

खराब गुणवत्ता वाली चाय के आने से छोटे उत्पादक चिंतित

कोलकाता। छोटे चाय उत्पादकों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने बाजार में कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ पर चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में चाय बोर्ड के हस्तक्षेप का आग्रह किया है। चाय बोर्ड के चेयरमैन ए एस भाटिया को लिखे एक पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि चाय पीने के स्वास्थ्य लाभों पर केंद्रित एक सामान्य अभियान उन युवाओं के बीच खपत को बढ़ावा देने के लिए जरूर चलाया जाना चाहिए।

4जी यूजरों के मुकाबले 5जी यूजरों का औसतन डाटा उपभोग 3.6 गुना अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

● दूरसंचार कंपनी नोकिया की रिपोर्ट में दी गई जानकारी

भारत में 5जी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल ग्राहक 4जी उपभोक्ताओं की तुलना में मोबाइल डेटा का इस्तेमाल 3.6 गुना अधिक कर रहे हैं। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में हुई थी। नोकिया की बुधवार को जारी 'मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का योगदान 15 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट कहती है, 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में लगभग 3.6 गुना अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक का उपयोग कर रहे हैं। 2023 में उपयोगकर्ताओं ने 17.4 एक्साबाइट प्रति माह की खपत की। पिछले पांच साल की तुलना में डेटा इस्तेमाल की सालाना वृद्धि 26 प्रतिशत रही है। एक एक्साबाइट एक अरब गीगाबाइट (जीबी) के बराबर होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में डेटा इस्तेमाल में बढ़ोतरी में 5जी ने उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहा।

नोकिया इंडिया के विपणन और कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित मारवाह ने कहा-भारत में डेटा की खपत साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 17.4 एक्साबाइट प्रतिमाह हो गई है।

राष्ट्रीय

राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की पड़ती है जरूरत : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में राहुल गांधी पर कसा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है जबकि स्टार्ट-अप की दुनिया में जब कोई एक असफल होता है तो इस स्थिति में दूसरा रास्ता अख्तियार कर लेता है। मोदी ने यहां स्टार्ट-अप महाकुंभ में किसी का नाम लिए बिना स्टार्ट-अप और राजनीति की तुलना करते हुए कहा, ''स्टार्ट-अप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ज्यादा... और बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर एक बार लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने और एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में कारोबारी चुनाव संपन्न होने तक बड़े आयोजनों को टाल देते हैं लेकिन आम चुनावों की घोषणा के कुछ दिन बाद तीन दिवसीय महाकुंभ में स्टार्ट-अप उद्यमियों और उस पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े लोगों का विशाल जमावड़ा आने वाली चीजों का संकेत है। उन्होंने 19 अप्रैल से चार जून तक होने वाले आम चुनावों के बाद भी शासन में बने रहने का विश्वास जताते हुए कहा-आप जानते हैं कि अगले पांच साल में क्या होने जा रहा है।

भारत एआई में दुनिया की अगुवाई करेगा: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप से दुनियाभर में आ रही चुनौतियों पर 'वैश्विक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय समाधान' पर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता में दुनिया का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर और क्वॉन्टम पर पहले शुरू किए गए तीन मिशन युवाओं के लिए रोजगार और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा-हम एआई प्रौद्योगिकी के एक नए युग में हैं और दुनिया मानती है कि एआई में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। अब यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि हम इस अवसर को जाने न दें। उन्होंने कहा कि एआई युवा नवप्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों के लिए असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा-एआई क्षमताओं का नेतृत्व भारत के हाथों में रहेगा और रहना चाहिए।

मोदी की गारंटी एक विश्वासघात है: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर दी गई 'मोदी की गारंटी' एक विश्वासघात है तथा यह 'चीनी गारंटी' है। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी की चीनी गारंटी! लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा की मांग के पक्ष में समर्थन की एक मजबूत लहर है।

कांग्रेस ने विभिन्न राज्यों के लिए उम्मीदवारों को लेकर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

● सीईसी की बैठक संपन्न, जल्द जारी होगी तीसरी सूची

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान के लिए लोकसभा उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा की। पार्टी के प्रत्याशियों की तीसरी सूची जल्द जारी हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाली सीईसी ने राजस्थान के लिए सात सीट पर उम्मीदवारों की नाम पर मुहर लगाई है। पार्टी राजस्थान के लिए पहले ही 10 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने सीईसी की बैठक के बाद कहा कि आज राज्य की 12 लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे दिया गया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "हमने महाराष्ट्र की कम से कम 18-19 सीट पर चर्चा की है। हमने कम से कम 12 सीट 'फाइनल' कर ली हैं। कल सुबह हमारी शरद पवार और उद्धव ठाकरे के साथ बैठक है। अंतिम चर्चा होगी और कल या परसों तक सभी सीट की घोषणा कर दी जाएगी।" सूत्रों का कहना है कि सीईसी ने गुजरात के लिए भी सात उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 82 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39 और दूसरी सूची में 43 उम्मीदवार घोषित किए थे। पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची में राहुल गांधी का नाम भी शामिल था जो केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

आयकर विभाग के अफसरों ने टीएमसी नेता के घर की ली तलाशी

कोलकाता। लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को आयकर विभाग के अधिकारी तृणमूल कांग्रेस नेता स्वरूप विश्वास के आवास की तलाशी ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्वरूप विश्वास के भाई अरूप विश्वास पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री हैं। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी 12 घंटे से अधिक समय से चल रही है तथा यह कार्रवाई दो रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा कथित रूप से कर चोरी किए जाने की जांच का हिस्सा है। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने बताया-आयकर विभाग की जांच शाखा के अधिकारी शहर में स्वरूप विश्वास से संबंधित पांच ठिकानों की तलाशी कर रहे हैं। जिन ठिकानों की तलाशी की जा रही है उनमें से कुछ न्यू अलीपुर और बेहाला इलाके में हैं।

एक नजर

मणिपुर के राहत शिविर में रह रहे चार बच्चे नदी में डूबे

चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर में अपने परिवार के साथ रह रहे चार बच्चे नदी में डूब गए। पुलिस ने बताया कि बच्चों की उम्र चार से नौ वर्ष के बीच है जिनमें तीन लड़कियां और एक लड़का शामिल है। वे राज्य में जातीय संघर्ष के कारण तुईबुओंग में 'ईसीए कनान' राहत शिविर में रह रहे थे। वे मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे अपने शिविर के पास तुइथा नदी में नहाने गए थे। जब वे वापस नहीं लौटे तो उनके परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को भी सूचित किया गया, जिसके बाद पुलिस ने बुधवार सुबह करीब छह बजे बच्चों के शव नदी में खोज निकाले।

संधू हत्या: 2 आरोपियों की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। एनआईए ने शौर्य चक्र से सम्मानित बलविंदर सिंह संधू की हत्या में शामिल दो आरोपियों की कई अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि पंजाब में प्रतिबंधित खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) के सदस्यों द्वारा संधू की हत्या की साजिश में शामिल दो आरोपियों की कई संपत्तियों को कुर्क किया गया है।

सियासी गर्मी बढ़ी, एबीवीपी के विरुद्ध वाम दलों ने बनाया संयुक्त मोर्चा

नई दिल्ली, ब्यूरो

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

● 22 मार्च होगा मतदान और मतगणना 24 मार्च को

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में कई सियासी दिग्गज भी गहरी रुचि ले रहे हैं। भाजपा समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सभी पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। उनके शक्ति प्रदर्शन को देखते हुए वामपंथी दलों ने इस बार संयुक्त मोर्चा गठित कर अपने उम्मीदवारों का प्रचार शुरू किया है। मतदान 22 मार्च एवं मतगणना 24 मार्च को होगी।

जेएनयू छात्र संघ में शुरू से ही वाम दलों के छात्र संगठनों का कब्जा रहा है। लेकिन 2019 के चुनाव में जिस तरह से एबीवीपी ने छात्रों के बीच घुसपैठ बनाई थी और इस बार सभी पदों पर उम्मीदवार उतारकर चुनाव अभियान छेड़ा है। उसका मुकाबला करने के लिए वाम दलों के प्रमुख छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ), एवं ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा का गठन कर छात्र संघ में कब्जा करने के लिए साझा मंच तैयार किया है।

एबीवीपी ने उमेश चंद्र अजमीरा-अध्यक्ष, दीपिका शर्मा-उपाध्यक्ष, अर्जुन आनंद-महासचिव एवं गोविंद दांगी को संयुक्त सचिव के पद पर उम्मीदवार बनाया है। एबीवीपी नेता विकास पटेल के मुताबिक छात्र संघ में काउंसलर के 42 पदों के लिए भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

वहीं वाम दलों के संयुक्त मोर्चा ने धनंजय को अध्यक्ष, अभिजीत घोष को उपाध्यक्ष, स्वाति सिंह को महासचिव एवं साजिद को संयुक्त सचिव पद का उम्मीदवार बनाया है। अभी तक चुनाव प्रचार के दौरान दोनों गुटों के बीच कई बार तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी हैं और मामला पुलिस तक पहुंच चुका है। कुछ लोगों ने प्रत्याशियों की आयु सीमा बढ़ाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया था। दोनों गुटों ने जवाबी शक्ति प्रदर्शन करते हुए मसाल जुलूस भी निकला है। जिसमें भारी संख्या में छात्रों की भीड़ देखने को मिली।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली राहत

रांची, एजेंसी

मानहानि मामला

झारखंड में मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी,एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ 27 फरवरी 2024 को जारी गैर जमानती वारंट को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई आज झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा की एमपी ,एमएलए कोर्ट द्वारा जारी गैर जमानती वारंट को एक माह के लिए शर्त के साथ स्थगित कर दिया। साथ ही गांधी को ट्रायल फेस करने के लिए कानून सम्मत उपयुक्त कदम उठाने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को निष्पादित कर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी द्वारा एक आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। जिसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया गया था।बाद में मामले को चाईबासा में एमपी,एमएलए कोर्ट में इसे ट्रांसफर कर दिया गया था।

कांग्रेस ने कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ न्यायालय का किया रुख

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उसके खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही किए जाने के विरोध में बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख राजनीतिक दल के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया, जो इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए। पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोरा भी शामिल हैं। वकील ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार साल का मूल्यांकन फिर से खोला है। साथ ही उन्होंने अदालत से याचिकाओं को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तीन अलग-अलग वर्षों से संबंधित ऐसी तीन याचिकाएं आज सुनवाई के लिए पहले से ही सूचीबद्ध हैं।

बीआरएस नेता कविता को बेटों और मां से मिलने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अपने दो बेटों, मां और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की अनुमति दे दी है। कविता फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने कविता की ओर से पेश अधिवक्ता नीतेश राणा द्वारा दायर आवेदन पर यह आदेश पारित किया। वकील ने अनुरोध किया था कि पिछले आदेश के अनुसार आरोपी से मिलने की अनुमति पाने वालों की सूची में परिवार या संबंधियों के सात और नाम जोड़े जाएं।

मुफ्त सौगात संबंधी याचिका पर सुनवाई करने को कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

● जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का किया गया अनुरोध

उच्चतम न्यायालय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों और सुविधाओं का वादा करने के चलन के खिलाफ एक जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। आगामी 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद करने और चुनाव चिह्न जब्त करने के अपने अधिकारों का उपयोग करे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा-यह महत्वपूर्ण है। हम इसे कल लेंगे।

शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया की दलीलों पर संज्ञान लिया कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की जरूरत है। याचिका में कहा गया कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ पाने के लिए लोक-लुभावन घोषणाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध होना चाहिए क्योंकि ये संविधान की अवहेलना करते हैं और इस मामले में निर्वाचन आयोग को उचित कदम उठाने चाहिए। इसमें अदालत से यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से अतार्किक तरीके से मुफ्त सौगातों का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर को अवरुद्ध करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुफ्त सुविधाएं देकर मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हालिया प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, बल्कि संविधान की भावना को भी चोट पहुंचाती है। उसने कहा-यह अनैतिक प्रवृत्ति सत्ता में बने रहने के लिए सरकारी खजाने से मतदाताओं को रिश्वत देने के समान ही है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए इससे बचना चाहिए।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार

अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

राहुल के आईपीएल में अच्छे खेल से टी20 विश्व कप टीम में जगह होगी पक्की

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर केएल राहुल टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला पाते हैं तो टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में उनकी जगह तय होनी चाहिये। जांघ की मांसपेशियों की चोट से उबरकर वापसी कर रहे राहुल शायद आईपीएल में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उनका भारत की टी20 टीम में चयन तय नहीं है लिहाजा उन्हें आईपीएल में बल्लेबाजी में और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह पूछने पर कि कप्तानी की निजी आकांक्षाओं और टीम के हितों में संतुलन कैसे बनायेंगे, लैंगर ने कहा कि यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा,''अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को ईनाम मिलता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।'' राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी चयन की दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा,''केएल या बिश्नोई के लिये साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिये अच्छा खेलने पर फोकस करें, टी20 विश्व कप टीम में जगह पाने के मौके बढ़ेंगे।'' लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे टक्कर देखने को मिल सकती है, लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान के प्रशंसक हैं।

दुबई, एजेंसी

पिछले तीन महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र में मुंबई इंडियंस के लिये वापसी करने जा रहे सूर्यकुमार के 861 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर 802 अंक लेकर फिल साल्ट हैं। सूर्यकुमार ने दिसंबर में खेल हर्निया की सर्जरी के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है।

वहीं आयरलैंड के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राशिद खान ने शीर्ष दस में वापसी की है । वह चार पायदान की छलांग लगाकर नौवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने श्रृंखला में तीन मैचों में आठ विकेट लिये। अफगानिस्तान के नवीन उल हक दो पायदान चढकर 55वें स्थान पर है। आयरलैंड के जोश लिटिल सात पायदान चढकर 39वें, मार्क एडेयर दो पायदान चढकर 56वें और बैरी मैकार्थी 15 पायदान चढकर 77वें स्थान पर हैं। टी20 हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन शीर्ष पर बने हुए हैं।

भारतीय हॉकी टीमें एफआईएच हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरूष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था। वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरूग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है ।

नया कलेवर बुधवार को चेन्नई में आईपीएल टीम की नई जर्सी के लांच के दौरान साथी खिलाड़ियों फाफ डु प्लेसिस, मोहम्मद सिराज, ग्लेन मैक्सवेल के साथ विराट कोहली। ● एजेंसी

गुजरात ने संदीप को टीम में रखा

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी टूर्नामेंट के लिए चोटिल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जगह पर केरल के मध्यम गति के गेंदबाज संदीप वारियर को अपनी टीम में शामिल किया है। शमी ने हाल में अपने दाहिनी एड़ी का ऑपरेशन करवाया था। इस कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। जहां तक वारियर की बात है तो इस 32 वर्षीय खिलाड़ी में 2019 से लेकर अभी तक आईपीएल में पांच मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 7.88 के इकोनॉमी रेट से दो विकेट हासिल किए हैं। गुजरात ने उन्हें आधार मूल्य 50 लाख रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है।

मुंबई इंडियंस ने क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए बुधवार को श्रीलंका के चोटिल तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की जगह दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया। श्रीलंका का 23 वर्षीय तेज गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गया था। मुंबई इंडियंस ने उन्हें आईपीएल नीलामी में 4 .6 करोड रुपए में खरीदा था। दक्षिण अफ्रीका के मफाका ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है लेकिन इस 17 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अंडर 19 विश्व कप में 9 .71 की औसत से 21 विकेट लिए थे और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

खेल डायरी

जारा को क्वीन सिरिकिट कप में संयुक्त बढ़त

क्राइस्टचर्च। भारतीय गोल्फर जारा आनंद ने कड़ाके की सर्दी के बीच यहां खेले जा रहे 44वें क्वीन सिरिकिट कप के पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर करके संयुक्त बढत बना ली। पंद्रह वर्ष की जारा को 2023 विजेता अवनि प्रशांत के नाम वापिस लेने के बाद भारतीय गोल्फ यूनियन ने टूर्नामेंट में जगह दी। वह चीनी ताइपै की चुन वेइ वू और जापान की ऐना फुजिमोतो के साथ शीर्ष पर है। भारत की विधात्री उर्स संयुक्त 20वें और हीना कांग संयुक्त 32वें स्थान पर है। टीम वर्ग में भारत छठे स्थान पर है जबकि चीनी ताइपै शीर्ष पर है।

त्रिसा-गायत्री की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (स्विटजरलैंड)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका के एनी शू और कैरी शू को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड ओपन से पहले दौर में बाहर हुई भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट में 21-15, 21-12 से जीत दर्ज की। महिला युगल में तीन अन्य भारतीय जोड़ियों को पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा।

डोपिंग प्रतिबंध के बाद लौटी हालेप पहले दौर में हारीं

मियामी गार्डन्स। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैम्पियन सिमोना हालेप अपील के बाद डोपिंग प्रतिबंध वापिस लिये जाने के साथ टेनिस कोर्ट पर लौटी लेकिन मियामी ओपन के पहले दौर में पाउला बाडोसा से 6-1, 4-6, 3-6 से हार गई। रोमानिया की 32 वर्ष की हालेप 2017 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। वह 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित दवा रोक्साडस्टेट के सेवन की दोषी पायी जाने के बाद से टूर पर नहीं खेली है। अमेरिकी ओपन के पहले दौर में उन्हें यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने हराया था। उन पर 2023 में चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था जिसे दो सप्ताह पहले खेल पंचाट ने घटाकर नौ महीने का कर दिया।

ओलंपिक के उद्घाटन में भाग नहीं लेंगे रूस-बेलारूस

जिनेवा। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आयेंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है।

सीरीज स्थगित होने से अफगान बोर्ड निराश

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ तीसरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला स्थगित करने पर निराशा व्यक्त करते हुए वैकल्पिक समाधान तलाशने का आग्रह किया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से आग्रह करता है कि वह अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपे के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि एसीबी का शीर्ष प्रबंधन पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में शामिल हुआ था और सार्वजनिक रूप से वापसी की घोषणा करने के बजाय वैकल्पिक समाधान तलाशने का प्रस्ताव रखा था। एसीबी के बयान में कहा गया है कि स्थगित टी-20 श्रृंखला को सीए प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

24 मार्च को मनेगा विश्व कबड्डी दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला में ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 24 मार्च को विश्व कबड्डी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगें। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआईपीएसए) और विश्व कबड्डी संगठन इस वर्ष के आयोजन का संयुक्त रूप से आयोजन कर रहे हैं। एचआईपीएसए की अध्यक्ष सुश्री कॉथी डी सुरेश ने यह जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व कबड्डी दिवस समारोह का लक्ष्य एक अनोखा आयोजन करना है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार

नयी दिल्ली, एजेंसी

खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। एक न्यूज चैनल के सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिये आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिये तैयार होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा,''भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा,''हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है।'' उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे और उन्होंने स्टेडियम की तारीफ भी की। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद 2028 ओलंपिक लॉस एंजीलिस में और 2032 ओलंपिक ब्रिसबेन में खेले जायेंगे।

चुनाव में खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा डब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) यह सुनिश्चित करेगा कि गुजरात, तेलंगाना और उत्तराखंड में आगामी राज्य संघ के चुनावों में खेल संहिता का पालन किया जाए। वह 27 मार्च से राष्ट्रीय शिविर बहाल करने के लिए भी तैयार है। राजस्थान जैसे कई राज्य संघों में 70 साल की निर्धारित आयु से अधिक उम्र के पदाधिकारी काम कर रहे थे। डब्ल्यूएफआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव में उम्र और कार्यकाल से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।

विराट कोहली से मिलना मेरे जीवन का सबसे अनमोल क्षण : श्रेयांका

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला प्रीमियर लीग में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली 'परपल कैप' विजेता श्रेयांका पाटिल के लिये सबसे बड़ा पल रहा जब उन्हें विराट कोहली से मिलने का मौका मिला। इक्कीस वर्ष की आफ स्पिनर श्रेयांका ने एलिमिनेटर और फाइनल में डैथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि बचपन से उनके पसंदीदा क्रिकेटर रहे कोहली उनका नाम जानते हैं। उन्होंने आरसीबी 'अनबॉक्स' कार्यक्रम में कोहली के साथ अपनी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा,''उनकी वजह से क्रिकेट देखना शुरू किया था। उनके जैसा बनने का सपना देखा करती थी। कल मेरे जीवन का सबसे अनमोल पल था।'' उन्होंने लिखा,''विराट ने कहा,''हाय श्रेयांका। अच्छी गेंदबाजी की।' उन्हें मेरा नाम पता था।'' श्रेयांका को आरसीबी ने पिछले साल डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में उनके बेसप्राइज 10 लाख रूपये में लिया था।

सिंधु, श्रीकांत और लक्ष्य स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और अच्छी फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते ही बुधवार को यहां स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। यहां 2022 में खिताब जीतने वाली सिंधु ने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइकेवोंग को 21-12, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में जापान की तोमोका मियाज़ाकी से मुकाबला सुनिश्चित किया।

मुकाबले में भारत की नजरें तीन अंकों पर

आभा (सउदी अरब), एजेंसी

फीफा विश्व कप क्वालीफायर

जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को जब फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। हालांकि मिडफील्डर सहल अब्दुल समद इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। दो मैचों में एक जीत के तीन अंक के साथ भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है ।

विवादों में फंसी खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती'

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता खेसारी लाल यादव की आगामी फिल्म 'रंग दे बसंती' रिलीज से पहले विवादों में फंसी हुई है। इसे 22 मार्च को होली के मौके पर रिलीज किया जाना था लेकिन अपने टाइटल की वजह से ये सर्टिफिकेशन बोर्ड में अटक गई। फिल्ममेकर रौशन सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ऐसे में अब कोर्ट की ओर से सीबीएफसी को आदेश दिया है कि वो मामले को 10 दिनों के अंदर ही निपटाएं। खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती' को पहले यूनिवर्सल सर्टिफिकेट दिया गया था और बाद में सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी के रवैये के कारण फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई। ट्रेड पंडितों के अनुसार बताया जा रहा है कि रिलीज डेट टलने से इस फिल्म को करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। 'रंग दे बसंती' के निर्माता रौशन सिंह ने प्रसून जोशी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने जानबूझकर सेंसर प्रक्रिया में देरी की।

लाल साड़ी और मांग में सिंदूर में दिखीं रश्मिका मंदाना

मुंबई, एजेंसी। साउथ सिनेमा के स्टार अल्लू अर्जुन और एनिमल फिल्म की फेम रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे इसी साल यानी कि 15 अगस्त, 2024 के मौके पर रिलीज किया जाना है। इसी बीच एक बार फिर से फिल्म सुर्खियों में आ गई है। इससे एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक लीक हो गया है। मूवी के सेट से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसमें उन्हें देखते ही बन रहा है। रश्मिका से पहले अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया जा चुका है, जो काफी एक्साइटिंग कर देने वाला है। सोशल मीडिया पर सामने आए रश्मिका मंदाना के लुक में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस 'पुष्पा 2' के सेट पर लाल साड़ी और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। इसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि वो पुष्पराज के साथ शादी का सीक्वेंस शूट कर रही थीं। इसे देखने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकती हैं माधुरी दीक्षित

मुंबई, एजेंसी। कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया-3' आजकल सुर्खियों में है। फिल्म में विद्या बालन और तृप्ति डिमरी के बाद अब एक और नाम सामने आया है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित की एंट्री भी हो सकती है। हालांकि अभी मेकर्स ने इस बात पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दी है। 'भूल भुलैया-3' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में डायरेक्टर अनीस बज्मी से पूछा गया कि क्या 'भूल भुलैया-3' में माधुरी दीक्षित नजर आ सकती हैं? इस पर डायरेक्टर बोले- जो भी होने वाला है, हम खुद बताएंगे। तृप्ति और विद्या के बारे में बताया जा चुका है। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। फिल्म की कुछ और कास्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर घर के मंदिर के सामने सिर झुकाए एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा था- आज मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म शुरू हो रही है। 'भूल भुलैया-3' का शुभारंभ। 'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में थे। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने,बरेली,पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

संघर्ष विराम में कूटनीति ही आगे का रास्ता

• पुतिन और जेलेंस्की से प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर की बात, जंग और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

बता दें, दोनों नेता आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए। फोन पर हुई मोदी और पुतिन की बातचीत के दौरान भारत और रूस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दों में प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीत आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी

विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि रूस में हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद पुतिन के विरोधियों का जनाधार बेहद खोखला रहा, ऐसे में पुतिन को बड़ी जीत हासिल हुई है। 87 फीसदी वोट हासिल कर जीत दर्ज करने वाले पुतिन बीते दिनों विपक्ष के नेता नवलनी की मौत के कारण भी विवादों में घिरे थे।

मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि, भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने पर राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ अच्छी बातचीत हुई। शांति के लिए सभी प्रयासों और चल रहे संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन से अवगत कराया। यूक्रेन-रूस युद्ध पर पीएम मोदी ने भारत के पुराने रूख को दोहराया कि इस विवाद का समाधान कूटनीति व वार्ता से ही हो सकती है। साथ ही दोनो नेताओं ने मौजूदा द्विपक्षीय रिश्तों के विभिन्न आयामों की भी समीक्षा की, क्षेत्रीय व वैश्विक हालातों पर भी चर्चा हुई।

चीन की चाल पर भारी पड़ रही भारत की नीति

1,126 किमी लंबी सीमा अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती है

जून, 2020 में लद्दाख के गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच शुरू हुई तनातनी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। अब हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरे के बाद चीन बौखला गया है। एक ओर चीन कभी इस राज्य के कई इलाकों के नाम बदलता है तो कभी केंद्रीय नेताओं के दौरे और जी 20 की बैठक पर आपत्ति जताता रहा है। अरुणाचल प्रदेश की 1,126 किमी लंबी सीमा चीन से लगी है। आईए जानते हैं क्या मामला...

सेला सुरंग के निर्माण से बौखलाया चीन

अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के पास सेला सुरंग का निर्माण हुआ है। सीमा पर सुरंग के निर्माण से चीन बौखलाया गया है। बता दें, इस सुरंग का निर्माण 825 करोड़ में हुआ है, जो तेजपुर से तवांग को जोड़ने वाली सड़क पर पश्चिम कामेंग जिले में 13,700 फीट की ऊंचाई पर है। इसकी आधारशिला फरवरी 2019 में रखी थी। सेला सुरंग भारत की सबसे ऊंची पहाड़ी सुरंग सड़क है जो भारतीय सेना को अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के बीच विवादित सीमा तक हर मौसम में संपर्क बनाए रखने में मदद करेगी। इस सुरंग के प्रोजेक्ट को अंजाम सीमा सड़क संगठन ने दिया है, जिसमें दो सुरंगें और एक लिंक रोड शामिल है।

बकवास है चीन का अरुणाचल पर दावा

चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता आया है। वहीं, चीन के इस दावे को भारत ने हमेशा नकारा है। एक बार फिर ड्रैगन के इस दावे को भारत सरकार ने बकवास बताया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से चीन के साथ अरुणाचल प्रदेश का कोई संबंध नहीं है। वहीं, यह राज्य भारत का अभिन्न अंग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "ऐतिहासिक रूप से हमारा चीन के साथ कोई जुड़ाव या संबंध नहीं है। इसलिए अरुणाचल के चीन का हिस्सा होने का कोई सवाल ही नहीं है। राज्य के क्षेत्र पर दावा करने से जमीन पर स्थिति नहीं बदलेगी। हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अरुणाचल प्रदेश एक भारतीय क्षेत्र है। रिजिजू ने कहा, अपने क्षेत्र को विकसित करना हमारा संप्रभु अधिकार है और कोई भी हम पर आपत्ति नहीं कर सकता हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था, जिसके बाद चीन बौखला उठा। चीन के विदेश मंत्रालय वांग वेनबिन ने कहा कि इससे भारत-चीन का सीमा विवाद और बढ़ेगा।

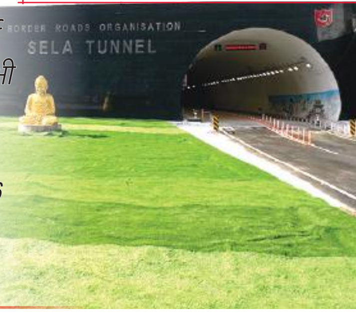

भारत का रुख

भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने चीन की ओर से क्षेत्र नया नाम गढ़े जाने के कदम को खारिज किया है और कहा है कि इससे सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आया है।

चीन क्यों करता है अरुणाचल पर दावा

अब सवाल ये है कि आखिर चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा क्यों करता है। अरुणाचल को 1987 में एक राज्य बनाया गया था। दरअसल अरुणाचल ने जब से तिब्बत पर कब्जा किया, उसके बाद से ही वो अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है और इसे साउथ तिब्बत बोलता है। तिब्बत पर चीन के कब्जे को लेकर दुनियाभर में बहस है। खुद दलाई लामा तिब्बत को चीन का हिस्सा बताने से इनकार करते हैं और इसे चीन की दादागीरी बताते हैं। ऐसे में चीन का तिब्बत के सहारे अरुणाचल पर दावा करना काफी खतरनाक माना जा रहा है।

तालिबानी फौज का चेकपोस्ट पर कब्जा, पाकिस्तानी सैनिक भागे

पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक का अफगानी जवाब, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

काबुल, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में डूरंड लाइन पर तकरार और बढ़ गई है। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद तालिबानी फौज ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मंगलवार को तालिबान शासकों की फौज ने पाकिस्तान की सैन्य चौकी पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तानी फौजी इस चौकी से पीछे हट गए हैं। यह पोस्ट पाक के उत्तर-पूर्वी बजीरिस्तान इलाके के कुर्रम में है।

मीडिया के मुताबिक, अफगानी फौज ने भारी मोर्टार से बमबारी की और सैनिक हमले से चेकपोस्ट पर कब्जा किया। बजीरिस्तान इलाके में पाकिस्तान की कई सैन्य चौकी हैं, स्थिति और न बिगड़े, इसलिए पाकिस्तानी सेना ने वहां से जवानों को हटा लिया। दो दिन पहले ही पाक के जेएफ- 17 लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान में खोस्त और पकटिका इलाकों में भारी बमबारी की थी। इसके बाद अफगान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाक के हमले में 8 महिलाओं और कुछ बच्चों की मौत हुई है और हम पाक से बदला जरूर लेंगे। इसीलिए अफगान फौज ने मंगलवार तड़के डूरंड लाइन पर घातक हमला किया।

पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा: शहबाज

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनका देश अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ शांति से रहना चाहेगा। आपको बता दें कि पाकिस्तान में आतंकवाद से निपटने के लिए शीर्ष अधिकारियों की एक समिति का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस समिति की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के रूप में नए खतरे का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए उनका देश पड़ोसी देशों द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसी किसी भी हरकत का जवाब कड़ी कार्रवाई से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़े। हम अपने पड़ोसी भाइयों के साथ व्यापार करना चाहते हैं और अपने संबंधों का विस्तार करना चाहते हैं लेकिन दुर्भाग्य से, अगर किसी पड़ोसी की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए किया जाता है, तो इसे सहन नहीं किया जायेगा।

दोनों देशों के बीच कैसे शुरू हुआ संघर्ष

दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष की शुरुआत शनिवार (16 मार्च) को हुई। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली में एक आत्मघाती हमलावर ने अपने विस्फोटक से भरे ट्रक को एक सैन्य चौकी में घुसा दिया। यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। इस घटना में सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि उसकी जवाबी गोलीबारी में सभी छह हमलावरों को मार गिराया गया। हमले की जिम्मेदारी हाल ही बने आतंकी समूह जैश-ए-फुरसन-ए-मुहम्मद ने ली। कहा गया कि इस समूह को मुख्य रूप से पाकिस्तानी तालिबान टीटीपी के सदस्यों ने बनाया है। प्रतिबंधित टीटीपी के निशाने पर अक्सर पाकिस्तानी सैनिक और पुलिसकर्मी रहे हैं।

पाक सेना ने अफगानी अफसरों को निकाला

पाकिस्तान ने खुलासा किया कि सेना में दो ऑफिसर रैंक के अफगान नागरिक थे। इन्हें निकाल दिया गया है। ये अफसर अवैध अप्रवासियों के खिलाफ पाक के अभियान में शामिल थे। संघर्ष को लेकर अमेरिका ने नसीहत दी है कि, पाक धैर्य दिखाए। अफगानिस्तान भी अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकी हमलों में करने से रोके।

अब कैबिनेट वेतन की कटौती से आर्थिक तंगी सुधारेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बाद अब कैबिनेट मंत्रियों के वेतन की कटौती से पाकिस्तान आर्थिक हालात सुधारेगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने देश की खस्ता आर्थिक स्थिति को देखते हुए वेतन न लेने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक सरकार ने अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाने का फैसला लिया है। इस मकसद से सरकार की मितव्ययिता नीतियों के तहत मंत्रिमंडल की बैठक में वेतन और उससे जुड़े तमाम लाभ को छोड़ने का फैसला लिया गया। सरकारी निधि का उपयोग जरूरी होने पर शहबाज की मंजूरी लेनी होगी। बता दें कि पिछले हफ्ते, राष्ट्रपति जरदारी और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी अपने वेतन नहीं लेने का एलान किया था।

विदेश में भी चलती है मोदी की गारंटी : एस जयशंकर

• बोले -मोदी की गारंटी राजनीतिक दबाव के आगे झुकती नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एय जयशंकर ने कहा है कि देश के साथ विदेश में भी मोदी की गारंटी चलती है। लोगों को उन पर विश्वास है। देश में गौरव की भावना पहले से ज्यादा है और भरोसा भी बढ़ा है।

जयशंकर ने कहा, जब मैं बाहर (विदेश) जाता हूं और विदेशी नीतियां समझाता हूं, तो पता चलता है कि मोदी विदेश में भी उतना ही काम करने की गारंटी देते हैं जितना भारत में। मोदी की गारंटी विदेशों में भी उतनी चलती है जितनी की भारत में चलती है। निजी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से ही ऑपरेशन गंगा, 'ऑपरेशन कावेरी' और ऑपरेशन अजय सफल हो पाए। वैक्सीन मैत्री के जरिए हमने दुनिया भर के 100 देशों को वैक्सीन दी। मोदी की गारंटी में राजनीतिक

दबाव के आगे न झुककर पेट्रोल की कीमतें उचित बनाए रखना भी शामिल है। लोगों को अब भरोसा है कि पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी जरूरतें मुहैया कराई जाएंगी। जयशंकर ने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से पिछले 75 सालों से चल रही विदेश नीति में कई तरह के बदलाव आए हैं। हमारा लक्ष्य आतंकवाद को इस तरह से रोकना है कि यह दोबारा न हो।

पाकिस्तान के आम चुनाव में मानवाधिकारों को कुचला : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान आम चुनाव में हुई कथित धांधली की बात को माना है और इसे लेकर चिंता जाहिर की है। अमेरिका ने पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने में मदद देने का भी आश्वासन दिया।

दरअसल अमेरिका के राजनयिक और पाकिस्तान मामलों के जानकार डोनाल्ड लू ने पाकिस्तान चुनाव में हुई कथित धांधली को लेकर अपनी लिखित गवाही संसद की समिति के पास भेजी थी, जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। डोनाल्ड लू ने अपनी गवाही में कई मुद्दों पर चिंता जाहिर की और दोनों देशों के भविष्य को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विदेश विभाग पाकिस्तान में हुई चुनावी हिंसा, मानवाधिकारों पर प्रतिबंध, आजादी, मीडिया पर हमले और कम्युनिकेशन सेवाओं पर प्रतिबंधों की निंदा करता है। धांधली के आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए।

अमेरिका में भारतीय छात्र का अपहरण, हैदराबाद में बैठे परिवार से मांगी फिरौती

वाशिंगटन। अमेरिका में रहकर पढ़ाई करने वाले कई भारतीय छात्रों की मौत के बाद अब हैदराबाद के एक छात्र के अपहरण कर लिया। लापता छात्र के परिजनों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद अब्दुल सात मार्च से लापता है और अब यहां फोन करके उनसे फिरौती मांगी गई है। अब्दुल के पिता मोहम्मद सलीम ने बताया कि उनके बेटे की आखिरी बार सात मार्च को उनसे फोन पर बात हुई थी। इसके बाद से अब्दुल से कोई संपर्क नहीं हुआ है। अब्दुल के परिजनों ने बताया कि 19 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके उनसे फिरौती की रकम की मांग की है। फोन करने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर उसके अपहरण की बात बताते हुए छोड़ने के बदले में 1200 अमेरिकी डॉलर की मांग की। इतना ही नहीं फिरौती की रकम न देने पर अब्दुल की किडनी बेचने की भी धमकी दी। वहीं, अमेरिका में अब्दुल के रूममेट्स ने क्लीवलैंड पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है।

अब्दुल के पिता ने बताया, 'कल, मुझे एक अज्ञात नंबर से फोन आया मुझे बताया कि मेरे बेटे का अपहरण कर लिया गया है और उसने पैसे की मांग की।

महिला सशक्तिकरण से 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र: रूचिरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बताया कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से समाज में लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। दरअसल भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कंबोज ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण से ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिलाओं के लिए एक बहुमुखी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है।

• संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज, भारत में महिलाओं के लिए अहम कदम उठाए जा रहे

उन्होंने कहा कि इस पहल से लैंगिक न्याय, समानता और भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित है। बता दें, संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर 68वीं वार्षिक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक 11 मार्च से शुरू हुई है, 22 मार्च तक चलेगी। इसी बैठक के दौरान भारतीय मिशन ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

विज्ञान मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एसएन 1987ए दुर्लभ सुपरनोवा नाम दिया

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार: ब्रह्मांड में एक रहस्यमयी सुपरनोवा मोती की माला में सुसज्जित नजर आ रहा है। इस दुर्लभ सुपरनोवा का नाम एसएन 1987ए है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक विशाल तारे के विस्फोट के अवशेषों को खुद मे समेट रहा है। यह घटना पृथ्वी से लगभग 160,000 प्रकाश वर्ष दूर है। जिसमें एक विशाल तारा (सुपरनोवा) टूटकर बिखर रहा है और टूटे हुए तारे की सामग्री से घिर रहा है। यह सुपरनोवा एक आकाशगंगा के उप आकाशगंगा में स्थित है। वैज्ञानिक इस घटना को लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड या एलएमसी नाम से पुकारते हैं। एसएन 1987ए के बारे में विशेष

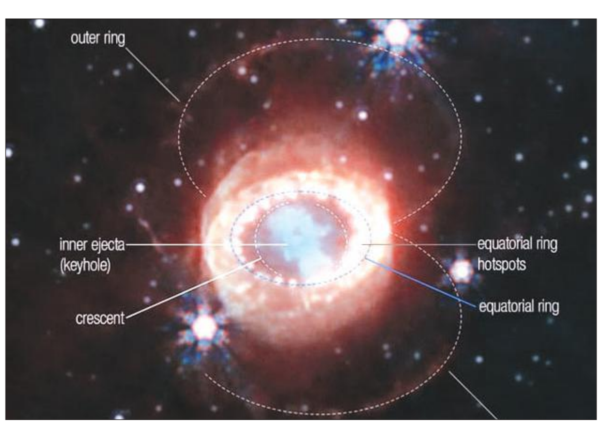

मोतियों की माला मे घिरे सुपरनोवा की तस्वीर

रूप से उल्लेखनीय तथ्य यह सामने आया है कि यह चमकते हाइड्रोजन प्लाज्मा के गुच्छों से घिरा हुआ है । यह एक ऐसी संरचना है, जो खगोल भौतिकी में एक लंबे समय तक चलने वाली रहस्यमय प्रक्रिया है। जिसका अभी कोई सटीक जानकारी नही मिल पाई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपरनोवा अवशेष के आभूषण के रहस्य को पूरी तरह से समझने के लिये समय लगेगा।

आंखों से भी देखा जा सकता है सुपरनोवा

इस सुपरनोवा को नग्न आंखों से देखा जा सकता है। यह सुपरनोवा अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ खगोलीय घटना है। इस घटना से सितारों के विकास और अंततः मृत्यु के बारे में हमारी समझ में कुछ अधिक वृद्धि हो सकती है। बहरहाल इस तरह की घटनाओं को लेकर नई समझ पैदा होगी । साथ ही खोज को नई दिशा मिलेगी।

मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार मोतियों की माला की संरचना अद्भुत है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस सुपरनोवा मलबे की खोज हुई है। जिसके समीप एक छिपा हुआ न्यूट्रॉन तारा है।